● वर्ष-3
● अंक-02
रायपुर, गुरुवार
10 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

मणिपुर की हिंसा पर राजनीति करना शर्मनाकः शाह

बदलती जनसांख्यिकी के बीच हाईकोर्ट के फैसले ने आग में घी डाला, गृहमंत्री ने बताया मणिपुर हिंसा का सच

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए मणिपुर हिंसा पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह सच है कि मणिपुर में हिंसा का तांडव हुआ। हिंसक घटनाएं हुईं। वहां जो कुछ भी हुआ, वह शर्मनाक है। उस पर राजनीति करना उससे भी ज्यादा शर्मनाक है। यह भ्रांति देश की जनता के सामने फैलाई गई है कि सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं है।

उन्होंने कहा कि एक भ्रांति देशभर के सामने फैलाई गई है कि यह सरकार मणिपुर पर चर्चा को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि जब संसद आहूत भी नहीं हुआ था, तभी मैंने अध्यक्ष जी से पत्र लिखकर मांग की थी कि हमें मणिपुर पर चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं पहले दिन से चर्चा के लिए तैयार हूं। लेकिन विपक्ष चर्चा को तैयार नहीं। उन्हें सिर्फ विरोध करना है। उन्होंने कहा कि मेरी चर्चा से अगर वे संतुष्ट नहीं होते तो प्रधानमंत्री की बयान की मांग करते। आप देश के गृह मंत्री को मणिपुर मामले पर बोलने नहीं देते, यह किस तरह का लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के मुद्दे पर गृहमंत्री को अपना पक्ष ना रखने देना किस तरह का लोकतंत्र विपक्षी चाहते हैं। अमित शाह ने कहा कि मणिपुर में शांति के लिए लगातार कोशिश की जा रही है।

भाजपा शासन में हिंसा नहीं

छह साल तक मणिपुर में एक दिन भी हिंसा नहीं हुई। कर्फ्यू नहीं हुआ। उग्रवादी घटनाएं नहीं हुई। हमारी छह साल का यह अनुभव रहा। इसके बाद म्यांमार में मिलिट्री शासन हुआ। इसके बाद वहां कुकी समुदाय पर शिकंजा कसा जाने लगा। फिर वहां से भारी संख्या में मिजोरम और मणिपुर में कुकी आदिवासी लोग आने लगे। वे जंगल में बसने लगे। इसके बाद मणिपुर के बाकी हिस्सों में असुरक्षा की भावना ने जन्म लिया। इसके बाद हमने इसे समझा और बॉर्डर को बंद करने का काम किया। हमने किलोमीटर बॉर्डर की फेंसिंग कर दी है। 600 किलोमीटर का सर्वे जारी है। यह काम कांग्रेस ने कभी नहीं किया। हमने किया।

मणिपुर में कैसे शुरू हुई हिंसा?

हमने बाहर से लोगों की पहचान काम किया। मैं बताना चाहता हूं कि 2022 में बॉर्डर की फेंसिंग शुरू की थी। इसके बाद हमने जनवरी 2023 से लोगों के थंब इंप्रेशन लेना शुरू किया। इसके बाद जहां कुकी लोग रह रहे थे, उसे अस्थायी जंगल गांव घोषित किया गया। इससे पहले से व्याप्त असुरक्षा की भावना और बढ़ गई। इसमें घी का काम किया

हाईकोर्ट के फैसले ने। इसमें कहा गया कि मैतेई को ट्राइबल घोषित कर दिया जाए।

बर्बरता समाज पर धब्बा

महिलाओं से बर्बरता के वायरल वीडियो पर अमित शाह ने कहा कि मणिपुर वायरल वीडियो इस संसद सत्र के शुरू होने से पहले क्यों आया? अगर किसी के पास यह वीडियो था, तो उन्हें इसे डीजीपी को देना चाहिए था और उसी दिन 4 मई को कार्रवाई की गई होती। हमें जिस दिन वीडियो मिला हमने उन सभी 9 लोगों की पहचान कर ली और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मैं वहां 3 दिन रहा और इस अवधि के दौरान हमने कई निर्णय लिए। राज्य में सामान्य स्थिति स्थापित करने के लिए क्षेत्र में अर्धसैनिक बल तैनात किया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी के पास वीडियो था तो उसे पुलिस तंत्र को या संसद को देना चाहिए था। इसे सार्वजनिक करने की क्या जरूरत थी? महिलाओं के सम्मान की चिंता करनी चाहिए। चार तारीख की घटना का वीडियो था, अगर उसे सार्वजनिक करने की जगह डीजीपी तक पहुंचाया जाता तो पांच को ही कार्रवाई हो जाती।

राहुल गांधी की यात्रा पर निशाना

अमित शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका मणिपुर जाना अच्छा था। सभी की संवेदनाएं थीं, लेकिन उनका दौरा पूरी तरह से राजनीतिक था। मणिपुर हिंसा अब नियंत्रण में है, लेकिन लोगों को आग में घी नहीं डालना चाहिए। राहुल गांधी की यात्रा के दौरान उन्होंने सड़क मार्ग से चुराचांदपुर जाने पर जोर दिया, जबकि हमने उनके लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की थी। देश ने सारा ड्रामा टीवी पर देखा। अगले दिन वह हेलीकॉप्टर का उपयोग करने गए, लेकिन वह पहले ऐसा नहीं कर सके, क्योंकि वह अपना विरोध प्रदर्शित करना चाहते थे। संकट के समय इस तरह की राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

मैतेई और कुकी से की अपील

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में हिंसा के कारणों और राज्य में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर विस्तृत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं मैतेई और कुकी दोनों समुदायों से बातचीत में शामिल होने की अपील करता हूं, हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम राज्य में शांति लाएंगे। इस मुद्दे पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह को बर्खास्त करने की मांगों पर अमित शाह ने कहा कि जब कोई राज्य का मुख्यमंत्री सहयोग नहीं कर रहा हो तो उसे बदलना पड़ता है। यह सीएम केंद्र के साथ सहयोग कर रहे हैं।

आपमें दम है तो युद्ध कर लीजिए- फारूक अब्दुल्ला

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हमें इस राष्ट्र का हिस्सा होने पर गर्व है। लेकिन इस राष्ट्र की जिम्मेदारी न केवल हिंदुओं के प्रति है, बल्कि भारत में रहने वाले हर व्यक्ति के प्रति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री केवल एक रंग का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं, वह भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कश्मीरी पंडितों का जिक्र किया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि आप (केंद्र) पिछले 10 वर्षों में कितने कश्मीरी पंडितों को वापस लाए हैं।

इन दिनों

✍ निरंजन परिहार

इधर वसुंधरा और उधर पायलट दरकिनार

वसुंधरा राजे प्रतीक्षा में हैं और सचिन पायलट शांत। दोनों धुरंधर, दोनों का जनाधार और दोनों ही दमदार। राजस्थान में चुनावी बिसात बिछ गई है, लेकिन फिर भी दोनों अपने अपने दलों में दरकिनार। विधानसभा चुनाव सर पर हैं और सबकी नजर इन्हीं दोनों नेताओं पर है। कांग्रेस में पायलट के रणनीतिक मौन के मायने तलाशे जा रहे हैं, और बीजेपी में राजे की राजनीतिक उम्मीदों के अवसान पर मंथन चल रहा है। जैसा कि साफ दिख रहा है, राजस्थान का विधानसभा चुनाव मोदी बनाम गहलोत होता जा रहा है, और बीजेपी में सभी नेताओं को भरोसा है कि उनकी सरकार हर हाल में बन जाएगी। शायद, इसीलिए बीजेपी की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को कहीं कोई बहुत भाव मिलता नहीं लग रहा, तो कांग्रेस में भी पायलट के पलटवार करते करते तलवार को म्यान में धर देने के बाद लगभग दो महीने से मौन धारण करने से राजनीति में कई तरह की नई संभावनाओं की सुगबुगाहट होने लगी है। बीजेपी में वसुंधरा की अतिरिक्त सक्रियता और कांग्रेस में पायलट की परेशान कर देनेवाली निष्क्रियता राजस्थान की राजनीति को हैरान कर रही है। आलम यह है कि दोनों को अपनी अपनी पार्टियों में कोई खास महत्व नहीं मिल रहा। गहलोत को लग रहा है कि वे चुनाव जीत रहे हैं। इसके विपरीत, कांग्रेस में ही उनका विरोधी खेमा, पायलट समर्थक अपने ही मुख्यमंत्री गहलोत के हर दांव को खोखला बताते हुए पायलट की अगुवाई में चुनाव न होने के कारण कांग्रेस की बहुत बुरी हार का दावा कर रहा है। खुद पायलट भी निष्क्रिय बैठे हैं और आखिर कर क्या कर रहे हैं, कोई नहीं जानता। उधर, बीजेपी के लिए यह केवल विधानसभा का चुनाव नहीं, बल्कि अप्रैल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव का पूर्वाभ्यास भी है। फिलहाल राजस्थान की 25 में से 24 लोकसभा सीटें बीजेपी के खाते में हैं, और एक सीट उसके गठबंधन में हनुमान बेनीवाल ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी से जीती थी। इनके अलावा, राजस्थान में लगभग 7 से 8 प्रतिशत राजपूत वोटों पर कब्जा करने के लिए बीजेपी में विपक्ष के नेता राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और सांसद दीया कुमारी के अलावा कुछ और राजपूत नेता हैं। लेकिन राजस्थान की जनता इनमें से किसी को गहलोत या वसुंधरा की बराबरी का नेता मानती नहीं। इधर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और उसके इशारे पर प्रदेश नेतृत्व वसुंधरा राजे को किनारे करने में लगे हुए हैं। हाल ही में कांग्रेस सरकार के खिलाफ राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन हुआ, तो उसके प्रचार अभियान में भी वसुंधरा राजे पोस्टर, बैनर और होर्डिंग्स से भी गायब कर दी गईं। माना कि वसुंधरा राजे राजस्थान में बीजेपी की सबसे बड़ी नेता हैं, लेकिन पार्टी आलाकमान को उनकी स्वच्छंदता कतई पसंद नहीं और वसुंधरा को आलाकमान का अंकुश स्वीकार्य नहीं। फिर लगता है कि दोनों ही झुकने को तैयार नहीं।

चंद्रयान-3 विफल हो जाता है, फिर भी ये लैंडिंग करेगा

नईदिल्ली। इसरो के अध्यक्ष एस.सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान 23 अगस्त को चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने के लिए तैयार है। गैर-लाभकारी संगठन दिशा भारत द्वारा चंद्रयान-3 पर आयोजित एक वार्ता के दौरान बोलते हुए सोमनाथ ने कहा कि अगर सब कुछ विफल हो जाता है, अगर सभी सेंसर विफल हो जाते हैं, कुछ भी काम नहीं करता है, फिर भी यह (विक्रम) लैंडिंग करेगा। इसे इसी तरह डिज़ाइन किया गया है। हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि यदि इस बार भी (विक्रम के) दो इंजन काम नहीं करेंगे, तब भी यह लैंडिंग कर सकेगा।

चंद्रयान-3 मिशन ने 14 जुलाई, 2023 को भारतीय समयानुसार दोपहर 2.35 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एक एलवीएम-3 रॉकेट के जरिए उड़ान भरी। उड़ान भरने और लॉन्च मॉड्यूल से अलग होने के बाद चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान ने चढ़ाई के कई कौशल को अंजाम दिया। इसने कहा कि अगली प्रक्रिया 14 अगस्त 2023 को पूर्वाह्न 11ः30 से अपराह्न 12ः30 बजे के बीच निर्धारित है। महत्वाकांक्षी मिशन के आगे बढ़ने के साथ ही चंद्रयान-3 की कक्षा को धीरे-धीरे कम करने और इसकी स्थिति चंद्र ध्रुवों के ऊपर करने के लिए इसरो द्वारा सिलसिलेवार कवायद की जा रही है। मिशन की जानकारी देते हुए ङ्क पर इसरो ने पोस्ट किया कि ऑर्बिट को और कम करने का अगला ऑपरेशन 9 अगस्त, 2023 को 13ः00 से 14ः00 बजे के बीच निर्धारित है। वहीं एक दूसरी पोस्ट में इसरो ने लिखा कि मैं चंद्रयान-3 हूंज मुझे चांद की ग्रैविटी महसूस हो रही है। इसरो ने अपनी इस पोस्ट में यह भी बाताया था कि चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में स्थापित हो गया है।

इसे चंद्रमा के करीब लाने के लिए तीन और डी-ऑर्बिटिंग कवायद होगी - ताकि विक्रम 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उतर सके। सोमनाथ ने कहा कि ये डी-ऑर्बिटिंग की प्रक्रिया नौ अगस्त, 14 अगस्त और 16 अगस्त को होगी। अंतिम कक्षा में पहुंचने के बाद, अंतरिक्ष यान एक डीबूस्ट प्रक्रिया शुरू करेगा जहां 23 अगस्त को चंद्र सतह पर उतरने के लिए लैंडर मॉड्यूल के अलग होने से पहले यान धीमा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज विश्व आदिवासी दिवस 09 अगस्त के अवसर पर छत्तीसगढ़ के विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह ''कमार'' को एक विशेष तोहफा देते हुए उन्हें पर्यावास अधिकार मान्यता पत्र वितरित किए।

प्रमुख समाचार

ज्ञानवापी परिसर के आसपास मीडिया कवरेज पर पाबंदी

बनारस। वाराणसी की एक अदालत ने बुधवार को मीडिया को ज्ञानवापी परिसर में हो रहे सर्वेक्षण और उसके आसपास के क्षेत्र में कवरेज नहीं करने को कहा और सर्वेक्षण कर रही एएसआई की टीम के सदस्यों को इस संबंध में मीडिया में कोई टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया है। ज्ञानवापी मस्जिद की देखरेख करने वाली संस्था अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी ने ज्ञानवापी परिसर में जारी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे को लेकर भ्रामक खबरें फैलाए जाने का आरोप लगाते हुए जिला अदालत से सर्वेक्षण के मीडिया कवरेज पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। संस्था की इस अर्जी पर आज दोपहर बाद सुनवाई हुई। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि जिला अदालत के न्यायाधीश एके विश्वेश ने ज्ञानवापी प्रकरण में सुनवाई करते हुए आज मीडिया को निर्देश दिया कि वह इस (ज्ञानवापी) प्रकरण में मौके पर जाकर किसी प्रकार की कवरेज नहीं करेगा। अदालत ने सर्वेक्षण में शामिल एएसआई की टीम के सदस्यों को भी इस संबंध में मीडिया में कोई टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने कहा कि इस संबंध में सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियां नहीं जाएं जिससे शांति भंग होने की आशंका हो।

नूंह में रोहिंग्याओं की गिरफ्तारी के बाद बड़े एक्शन की तैयारी

चंडीगढ़। सरकारी एजेंसियों ने नूंह में दो हजार माइग्रेंट्स की आईडी सत्यापन की सिफारिश की है। ये फैसला नूंह हिंसा में सोमवार को दो रोहिंग्या की गिरफ्तारी के बाद लिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक 31 जुलाई को नूंह हिंसा में म्यांमार से आए लोग शामिल थे, जो आसाम या बंगाल की अवैध आइडेंटिटी के जरिये नूंह पहुंचे थे। इस बारे में नूंह के एसपी नरेंद्र बिजारनिया ने कहा कि आईडी सत्यापन की जरूरत है ताकि उससे कानूनी तरीके से निपटा जा सके। इन लोगों को यहां शरण देने के बदले शोषण किया जाता है। इन्हें खरीदा जाता है या फिर गैरकानूनी कामों में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है। इनपुट मिले हैं कि लोकल लोगों की तरफ से उनकी महिलाओं का शोषण किया गया है। इसलिए इनकी आईडी चैक कर एक्शन लेने की जरूरत है। फरीदाबाद में बुधवार को धारा 144 हटाई गई, लेकिन बवाल की खबर सुनने को मिली। गोंछी स्थित गोला चौक पर मंगलवार देर रात एक युवक ने ट्रैक्टर में आग लगा दी। सीसीटीवी में एक शख्स नजर आ रहा है। जो ट्रैक्टर के पास आता है और उसमें आग लगा देता है और भाग जाता है। गोदाम में चार से पांस ट्रैक्टर खड़े थे।

भाजपा को देश से खदेड़ेंगे, ममता बनर्जी ने साधा निशाना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार को दिल्ली छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ के अवसर पर

यह टिप्पणी की है। बनर्जी ने विश्व के स्वदेशी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने के लिए आदिवासी बहुल झाड़ग्राम जिले में एक प्रशासनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमने अंग्रेजों से कहा था कि भारत छोड़ दो। आज हम चाहते हैं कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार दिल्ली छोड़ दे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा कि वह चुनाव से ठीक पहले वादे करते हैं लेकिन बाद में उन्हें पूरा नहीं करते। बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसी भी चुनाव से पहले किए गए वादों में से एक प्रतिशत भी पूरा नहीं करते हैं। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि आपको केंद्र में सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। विश्व के स्वदेशी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए बनर्जी ने कहा कि मानवता की खातिर स्वदेशी लोगों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए।

अस्तित्व के लिए आदिवासियों में एकता की जरूरतः हेमंत

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को देशभर के आदिवासियों से अपने अस्तित्व की लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने दावा किया कि विनाशकारी शक्तियां और धार्मिक चरमपंथी उनका दमन कर उनके

संसाधनों पर कब्जा करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदाय असंगठित और विभाजित है तथा यही वजह है कि उनके मुद्दे, चाहे वह मणिपुर हो या झारखंड, को सुना नहीं जाता। सोरेन ने यहां आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा, ''उनके बीच (आदिवासियों के) उन ताकतों से लड़ने को लेकर चर्चा होनी चाहिए जो (आदिवासियों के) सभी संसाधानों, पहचान और संस्कृति पर कब्जा करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि मणिपुर, झारखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात राजस्थान और तमिलनाडु सहित देश के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं जबकि विनाशकारी ताकतें उनका दमन करने को तत्पर हैं। भाजपा पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए सोरेन ने कहा कि जिनकी कोई जाति नहीं है।

बड़ा सिर, पीली आंखें... हो चुका है एलियंस का हमला?

लीमा। अमेजन जंगल में पुलिस अजीबोगरीब दावे की जांच में लगी है। बताया जा रहा है कि एक गांव पर अलौकिक जीवों से खतरा है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार पेरू के ग्रामीण जिले में भयभीत ग्रामीणों ने दावा किया है कि उन पर 7 फीट लंबे

एलियंस ने हमला किया है, जिसे उन्होंने लॉस पेलाकारस या द फेस पीलर्स कहा है। सैन एंटोनियो मूल समुदाय के इकितु जनजाति के सदस्यों ने पेरू के लीमा के उत्तर पूर्व में अल्टो नाने के ग्रामीण जिले में रहने वाले ग्रामीणों पर रहस्यमय आकृतियों के हमला करने की सूचना दी है। ऐसे ही एक हमले के बाद 15 साल की एक लड़की को अस्पताल ले जाना पड़ा। समुदाय के नेता जाइरो रेतेगुई डेविला के अनुसार, किशोरी बाल-बाल बच गई लेकिन संघर्ष के परिणामस्वरूप उन्होंने उसकी गर्दन के पास चोट पहुंचा दी। अब, स्थानीय मीडिया के अनुसार, समुदाय के सदस्य महिलाओं, बच्चों और अधिक कमजोर ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए रात्रि गश्त कर रहे हैं, और अधिकारियों से सेना भेजने का आह्वान किया है।स्थानीय लोगों ने अलौकिक जीवों को बड़े सिर और पीली आंखों वाला बताया।

संसद का मानसून सत्र

महारा समुदायों को अनुसूचित जातियों की सूची में शामिल करने विधेयक को मंजूरी

नईदिल्ली। संसद के दोनों सदनों में आज कामकाज हुआ। संसद का मानसून सत्र अपने आखिरी चरण में है। लोकसभा में आज अविश्वास प्रस्ताव पर दूसरे दिन की चर्चा हुई। गृह मंत्री अमित शाह ने मोदी सरकार की उपलब्धियां बताई। साथ ही साथ अविश्वास प्रस्ताव पर अपनी बात रखी। अमित शाह ने मणिपुर की स्थिति को लेकर भी सदन को जानकारी दी और बताया कि सरकार शांति के लिए क्या कुछ कर रही है। अविश्वास प्रस्ताव के दूसरे दिन राहुल गांधी ने चर्चा की शुरुआत की जबकि फारूक अब्दुल्ला, स्मृति ईरानी, ललन सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं ने अपना संबोधन दिया। राहुल गांधी और स्मृति ईरानी का भाषण भी जोरदार रहा। इसके अलावा राज्यसभा में भी चर्चा हुई। बहुत ही महत्वपूर्ण विधेयक डाटा प्रोटक्शन बिल को भी संसद की मंजूरी मिल गई। हालांकि राज्यसभा में गतिरोध भी बरकरार रहा।

राज्यसभा की कार्यवाही

- डाटा सुरक्षा की जवाबदेही निर्धारित करने के प्रावधान वाले 'डिजिटल वैयक्तिक डाटा संरक्षण विधेयक, 2023' को बुधवार को संसद नेमंजूरी दे दी। उच्च सदन में आज ध्वनिमत से पारित इस विधेयक में डिजिटल व्यक्तिगत डाटा के संरक्षण तथा व्यक्तिगत डाटा का संवर्द्धन करने वाले निकायों पर साधारण और कुछ मामलों में विशेष बाध्यता लागू करने का उपबंध किया गया है। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बीते नौ साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल माध्यम से आवश्यक सेवाओं को घर घर पहुंचाया है और इसकी पूरी दुनिया में चर्चा है।

- सरकार ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्र (आरवीएसएफ) के जरिए देश में अब तक 11,095 निजी वाहनों को स्क्रैप (कबाड़) किया गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग

मंत्री नितिन गडकरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी।

- संसद ने छत्तीसगढ़ के महरा तथा महारा समुदायों को अनुसूचित जातियों की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव करने वाले संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश (संशोधन) विधेयक-2023 को बुधवार को मंजूरी दे दी। यह विधेयक छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति सूची के संशोधन के लिए संविधान अनुसूचित जाति आदेश-1950 में संशोधन करता है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने उच्च सदन में यह विधेयक पेश किया।

- राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के एक सदस्य बुधवार को टमाटर की बढ़ती कीमतों पर विरोध जताते हुए इसकी माला पहनकर उच्च सदन में आये। सभापति जगदीप धनखड़ ने आप सदस्य के इस आचरण पर आपत्ति जताई और दुख भी व्यक्त किया।

- राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कुछ सांसदों की उन शिकायतों को विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया, जिनमें आरोप लगाया गया है कि आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा ने नियमों का उल्लंघन करते हुए उनकी सहमति के बिना सदन की एक समिति में उनका नाम शामिल करने का प्रस्ताव किया।

- संसद ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दे दी जिसमें तटीय जल कृषि कानून के दायरे का विस्तार करने, कारावास के प्रावधानों को हटाने तथा पर्यावरण संरक्षण के सिद्धांतों से समझौता किये बिना नियामक अनुपालन शर्तों को आसान बनाने के प्रावधान किए गए हैं। राज्यसभा ने संक्षिप्त चर्चा के बाद तटीय जलकृषि प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2023 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

- संसद ने बुधवार को एक अहम विधेयक को मंजूरी दे दी जिसमें अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देश भर के विश्वविद्यालयों में अनुसंधान को वित्तपोषित करने के लिए एक राष्ट्रीय प्रतिष्ठान स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। राज्यसभा ने बुधवार को संक्षिप्त चर्चा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान विधेयक, 2023 को ध्वनिमत से मंजूरी दी।

लोकसभा में किसने क्या कहा

- केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को 1984 के सिख विरोधी दंगों और कश्मीर में अशांति एवं कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया और कहा कि ''कांग्रेस का इतिहास खून से सना है'' और विपक्ष को महिला सुरक्षा, गरीब कल्याण, नौजवानों के हितों एवं देश के विकास से कोई सरोकार नहीं है। लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि पूरे देश ने देखा कि राहुल गांधी ने भारत माता की हत्या की बात की और कांग्रेस के लोग यहां मेज थपथपा रहे थे, संसदीय इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ।

- कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर की स्थिति को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर के इस राज्य में 'भारत माता' की हत्या की गई है।

पीडीएस व्यवस्था चरमराई, संचालकों ने शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल

■ 192 दुकानों पर तालाबंदी की नौबत

बीजापुर। बीजापुर में छह सूत्रीय मांगों को लेकर उचित मूल्य दुकान के संचालक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। संचालकों के हड़ताल पर होने से जिले की पीडीएस व्यवस्था चरमरा गई हैं और जिले की 192 उचित मूल्य की दुकानों में तालाबंदी की नौबत आ गई हैं।

रविवार से जिले के बीजापुर, भोपालपटनम, भैरमगढ़ व उसूर ब्लाकों में संचालित उचित मूल्य की दुकानों में तालाबंदी की नौबत आ गई हैं। दरअसल पीडीएस दुकान के संचालकों ने अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर 1 अगस्त से 5 अगस्त तक जिले के दुकानों में ताला लगाकर सांकेतिक तौर पर अपनी मांगों को लेकर सरकार को आगाह किया था।

किंतु सरकार द्वारा मांगों पर कोई निर्णय नहीं लिए जाने से शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक विक्रेता कल्याण संघ के झंडे तले रविवार से अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया गया हैं। गंगालूर मार्ग पर हड़ताल में बैठे 500 संचालकों, तौलको व महिला समूहों ने अपनी मांगों को पूरा किये जाने की मांग की हैं। इनके हड़ताल पर जाने से जिले में संचालित 192 उचित मूल्य की दुकानों में ताला लग गया

हैं। जिससे पीडीएस व्यवस्था जिले में चरमरा गई हैं।

ये है संघ की मांग

राशन विक्रेताओं को अन्य राज्य की तरह कमीशन में वृद्धि कर राशि को मानदेय के रूप में विक्रेताओं को दी जाए, सहयोगी तौलक को कलेक्टर दर पर मजदूरी भुगतान दे, खाद्य विभाग के गलत फार्मूले से दुकानों में खाद्यान्न भंडारण होने से कार्ड धारी राशन से वंचित हो रहे हैं। माह के आबंटन से दो माह पूर्व के बचत कि कटौती कर माह में भंडारण का फार्मूला लागु किया गया है जो त्रुटिपूर्ण है। पॉस मशीन में वेबसाइट या एप उपलब्ध है। जिसके माध्यम से दुकानों में पूर्व बचत प्राप्त मात्रा वितरण मात्रा एवं शेष बचत खाद्यान्न कि मात्रा दैनिक रिपोर्ट में प्रदर्शित किया जाता है। शेष हितग्राहियों की फिल्टरयुक्त सूची वेवसाईट के माध्यम से उपलब्ध करायी जाये ।

नागरिक अपूर्ति निगम के द्वारा शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यान्न भंडारण की जाती हैजिसमें 3 प्रतिशत अतिरक्त सुखद के रूप में प्रति क्विंटल के हिसाब से भंडारण किया जाए। जिससे सार्टेज की कमी को पूरा किया जा सके।

भारत सरकार के द्वारा एनएफएसए मद में माह अप्रैल 2022 से 70 रूपये से बढ़ा कर 90 रूपये प्रति क्विंटल कि गई है। 20 रूपये अन्तर की राशि सहित सभी मदो कि राशि को राज्य सरकार द्वारा अविलंब भुगतान करवायी जाये ।कमीशन की राशि सीधे विक्रेता संचालक के खाते में जमा कराई जाए।

एसडीएम ने राशन दुकान को किया निलंबित

वही दूसरी ओर उचित मूल्य दुकान संचालक के हड़ताल किये जाने के कारण जिले में माह अगस्त 2023 के राशन वितरण का कार्य प्रभावित हो रहा है। चूंकि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2012 के प्रावधानों के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिनियम सुनिश्चित किये जाने के लिए राशन सामग्री का समयबद्ध वितरण किया जाना अनिवार्य है। तत्संबध में कार्यवाही करते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 के प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनुविभागीय अधिकारी (रा) बीजापुर के द्वारा युवा बेरोजगार सहकारी समिति मर्यादित तोयनार को तत्काल प्रभाव से निर्लंबित कर ग्राम पंचायत तोयनार में अस्थाई रूप से संलग्न किया गया है।

जमीन अधिग्रहण की राशि के लिए भटक रहे किसान

■ स्थानीय अधिकारियों पर गुमराह करने का आरोप

बालोद। वनांचल क्षेत्र के आमडूला से अवारी गांव तक लोक निर्माण विभाग द्वारा पक्की सड़क का निर्माण लगभग दो वर्ष पहले किया गया था। यहां पर किसानों की जमीन अधिग्रहण की गई थी। आज दो साल हो गए हैं। फिर, भी अधिग्रहित किसानों की जमीन के एवज में उन्हें जो मुआवजा राशि मिलनी थी, वह नहीं मिल पाई है। मुआवजा राशि न मिलने से किसान यहां-वहां भटकने को मजबूर हैं। किसानों ने बताया कि मुआवजा राशि मांग-मांग कर उनके पैरों की चप्पल तक घिस गई हैं। अधिकारी केवल 15 दिनों में काम हो जाने की बात कहते हैं। यही सुनते-सुनते दो साल बीत चुके हैं।

अधिकारी कर चुके जांच

ग्रामीण कृषक राधेश्याम ने बताया कि दो वर्षों से अधिकारी केवल यही कहते हैं कि चेक आ गया है, चेक आने वाला है और 15 दिन में भुगतान हो जाएगा। एसडीएम कार्यालय में अटका है तो कभी कलेक्ट्रेट कार्यालय में अटका है तो कभी पुन: जांच पड़ताल की जाएगी, यही कहकर केवल आश्वासन देते रहते हैं। जबकि अधिग्रहण के बाद मुआवजा भुगतान के लिए अधिकारी दो से तीन बार जांच कर

वापस चले गए हैं, लेकिन किसानों को मुआवजा नहीं मिल पाया है।

15 किसानों की अटकी राशि

लगभग 15 ऐसे किसान हैं, जिन्हें मुआवजे का भुगतान नहीं हुआ है। सभी पीड़ित किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे हुए थे और कलेक्टर से मिलकर अपनी समस्याओं को भी इन किसानों ने रखा है। ग्रामीण किसानों ने बताया कि जब सड़क बन रही था तो यह बोलकर जमीन अधिग्रहण की गई थी कि सड़क बनने से पहले ही उन्हें मौजा भुगतान कर दिया जाएगा। लोक निर्माण विभाग अपना काम करती रही परंतु अब तक किसी तरह का कोई भी भुगतान किसानों को नहीं किया गया है। केवल आश्वासन दिया जाता है और अपने ही पैसे के लिए वे यहां-वहां भटकने को मजबूर हो गए हैं।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति आदिवासी संस्कृति से प्रभावित: अरुण वोरा

दुर्ग। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में आज बीआईटी दुर्ग के आडिटोरियम में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं दुर्ग विधायक श्री अरुण वोरा एवं अन्य अतिथियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किये। कार्यक्रम में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष श्री आर.एन. वर्मा, महापौर दुर्ग श्री धीरज बाकलीवाल एवं पूर्व महापौर भिलाई सुश्री नीता लोधी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र साहू, महापौर रिसाली श्रीमती शीला सिन्हा, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव, अखिल भारतीय गोण्डवाना समाज की उपाध्यक्ष डॉ. श्रीमती वेदवती मंडावी, पार्षद श्री चंद्रभान सिंह ठाकुर सहित अन्य समाज प्रमुख, संभागायुक्त श्री महादेव कावरे, कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, अपर कलेक्टर श्री अरविंद एक्का, जिला पंचायत के सीईओ श्री अश्वनी देवांगन, आयुक्त नगर निगम भिलाई श्री रोहित व्यास एवं समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी कार्यक्रम में सम्मलित हुए। समारोह में छात्रावास के विद्यार्थियों ने

मनमोहक पारम्परिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। समारोह में समाज के प्रतिभावान बच्चों को अतिथियों ने अपने करकमलों से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं विधायक श्री अरुण वोरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति आदिवासी संस्कृति से पूरी तरह प्रभावित रहा है। यह दिन विश्वभर में आदिवासी समुदायों के आदिकाल संस्कृति और सभ्यता को समर्पित है। उनके संरक्षण, सम्मान और विकास को बढ़ावा देने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूमि सोनाखान के शहीद वीरनारायण सिंह और बस्तर भूमकाल के शहीद गैंद सिंग की भूमि है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भुपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार आदिवासी समाज के उत्थान हेतु कार्य कर रही है। सरकार समाज के सशक्त विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और समाज के प्रतिभावान बच्चों को अपनी शुभकामनायें दी।

संभागायुक्त श्री महादेव कावरे ने अपने सम्बोधन में सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी । उन्होंने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। संभागायुक्त ने अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ में 32 प्रतिशत आदिवासी समाज निवासरत हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ में आदिवासियों के भलाई के लिए एक कार्य दल गठित किया था जिसकी बैठक 9 अगस्त 1982 को हुई। और इस दिन से विश्व आदिवासी दिवस हर साल 9 अगस्त को मनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा जरूरी है। शासन द्वारा समाज को सम्बल बनाने प्रयास किया जा रहा है, हमें शासन की योजनाओं का लाभ लेना है।

10 से 22 अगस्त तक रद्द रहेंगी कई गाड़ियां, कई ट्रेनों का बदला समय

बिलासपुर। हावड़ा-मुंबई मेन लाइन पर स्थित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत बिलासपुर-चांपा सेक्शन में चौथी लाइन का कार्य किया जा रहा है । इस कार्य के दौरान सक्ती स्टेशन के रिमॉडलिंग एवं सक्ती स्टेशन को नई लाइन चौथी लाइन से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के लिए सक्ती में नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा। यह कार्य दिनांक 10 अगस्त, 2023 से 22 अगस्त, 2023 तक किया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ गाड़ियों को रद्द किया जा रहा है।

10 से 22 अगस्त, 2023 तक बिलासपुर से चलने वाली 08738 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 10 से 22 अगस्त, 2023 तक रायगढ़ से चलने वाली 08737 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 09 से 22 अगस्त, 2023 तक बिलासपुर से चलने वाली 08736 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 10 से 23 अगस्त, 2023 तक रायगढ़ से चलने वाली 08735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 09 से 21 अगस्त, 2023 तक टाटानगर से चलने वाली 18113 टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 10 से 22 अगस्त,2023 तक बिलासपुर से चलने वाली 18114 बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 09 से 21 अगस्त,2023 तक टाटानगर से चलने वाली 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 09 से 21 अगस्त,2023 तक इतवारी से चलने वाली 18110 इतवारी-टाटानगर- एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 09 अगस्त,2023 को संतरागाछी से

चलने वाली 20828 संतरागाछी-जबलपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 10 अगस्त,2023 को जबलपुर से चलने वाली 20827 जबलपुर-संतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 10 अगस्त,2023 को हैदराबाद से चलने वाली 17005 हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 13 अगस्त,2023 को रक्सौल से चलने वाली 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 12 अगस्त,2023 को संतरागाछी से चलने वाली 20822 संतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 14 अगस्त,2023 को पुणे से चलने वाली 20821 पुणे-संतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 11 अगस्त,2023 को बिलासपुर से चलने वाली 22843 बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 13 अगस्त,2023 को पटना से चलने वाली 22844 पटना-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 14 अगस्त,2023 तक भुवनेश्वर से चलने वाली 12880 भुवनेश्वर-कुर्ला एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 16 अगस्त,2023 को कुर्ला से चलने वाली 12879 कुर्ला भुवनेश्वर- एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 10 से 22 अगस्त, 2023 तक गोंदिया एवं झारसुगुड़ा से चलने वाली 08861/08862 गोंदिया-झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल बिलासपुर एवं झारसुगुड़ा के मध्य रद्द रहेगी।

देरी से चलने वाली गाडियां- 12 अगस्त, 2023 को पूरी से चलने वाली 18477 पूरी-योगनगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस पुरी से 04 घंटे देरी से रवाना होगी। 12 अगस्त, 2023 को राजेंद्रनगर से चलने वाली 13288 राजेंद्रनगर-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस राजेंद्रनगर से 04 घंटे 30 मिनट देरी से रवाना होगी

अरुण साव की पहल से दो ट्रेनों का स्टॉपेज पेंड्रा रोड स्टेशन में

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिले के पेंड्रा रोड स्टेशन में कई ट्रेनों का स्टॉपेज न होने की वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। बिलासपुर लोकसभा सांसद अरुण साव की पहल से दो ट्रेनों का स्टॉपेज पेंड्रा रोड स्टेशन में दिया गया है। जिसमें ट्रेन नंबर 20471/20472 बीकानेर-पुरी-बीकानेर और 22829/22830 भुज-शालीमार-भुज ट्रेनों का नाम शामिल है। ये दोनों ट्रेनें अब पेंड्रा रोड स्टेशन पर रुककर चलेंगी। स्टॉपेज की स्वीकृति रेल मंत्रालय के द्वारा पत्र जारी कर किया गया है। जिसे लेकर जिले के लोगों में खुशी का माहौल है। वही ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर लोगों ने कहा कि यह हमारे एवं क्षेत्र के लिए सुविधाजनक है। यात्रियों को आवागमन में सहूलियत होगी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कांग्रेस नेता ने नौकरी लगवाने के नाम पर ठगे तीन लाख

कबीरधाम। पांडातराई थाना क्षेत्र के कुम्ही गांव निवासी पीड़ित केशव राम पुत्र सोनदास ने एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत की है। उन्होंने बताया कि वह एमए व बीएड पास कर चुके हैं। वर्ष 2019 में अंग्रजी माध्यम स्कूल पामगढ़ (जांजगीर-चांपा) में शिक्षक पद के लिए नाम आया था, लेकिन हिंदी माध्यम होने के कारण नियुक्त पत्र रुका हुआ था। इसी दौरान पीड़ित केशव का संपर्क कांग्रेस नेता राजेंद्र मारकंडे निवासी ग्राम मगरवाह थाना सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम से हुआ। राजेंद्र मारकंडे ने केशव से दावा किया कि उसका मंत्री व अन्य कांग्रेस के बड़े नेताओं से संपर्क है। वह उसकी नौकरी लगवा देंगे। इसके बाद केशव ने राजेंद्र मारकंडे को तीन लाख रुपये दे दिए, लेकिन तीन साल बाद भी नौकरी नहीं लगी। रुपये वापसी को लेकर कई बार गुहार लगाई, लेकिन राजेंद्र मारकंडे ने रुपये वापस नहीं किए। आखिरकार केशव ने एसपी कार्यालय में शिकायत की। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

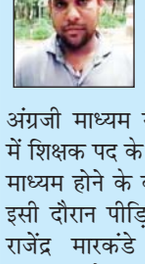

मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक में नहीं पहुंच रहे डॉक्टर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना का बुरा हाल है। साप्ताहिक बाजार में तो योजना के तहत लाखों रुपये की लागत से पक्के शेड बना दिये गए हैं, लेकिन स्वास्थ्य अमला बाजार में नहीं पहुंचता। इसका फायदा उठाकर गांव-गांव घूम घूमकर जड़ी-बूटी से इलाज करने वाले वैद्य इन पक्के शेड में बैठकर साउंड सिस्टम और शर्तिया इलाज का पोस्टर लगाकर लोगों का इलाज कर रहे हैं। मामले में जवाबदार अधिकारियों का कहना है कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना सीएम भूपेश बघेल की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक योजना है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों में डॉक्टरों की टीम पहुंचकर वहां आए बीमार लोगों के जांच के बाद दवाई देने का काम किया जाना था। इससे उन्हें साप्ताहिक बाजार में आसानी से दवाई मिल सकती, लेकिन लापरवाही के चलते जिले के दूसरे सबसे बड़े साप्ताहिक बाजार कोटमी में डॉक्टरों की टीम ही नहीं पहुंचती है।

मुख्यमंत्री ने बादल रिकॉर्डिंग स्टूडियो का किया शुभारंभ

जगदलपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुसार बस्तर की पारंपरिक लोक नृत्य, संगीत, गीत, साहित्य और बोली भाषा के संवर्धन और संरक्षण के लिए जगदलपुर के पास आसना में बादल अकादमी संस्था का संचालन किया जा रहा है। इस संस्था को प्रशासन द्वारा इंदिरा कला एवं संगीत विश्व विद्यालय खैरागढ़ से संबद्ध कर संस्था में कला के कई विधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने बादल रिकार्डिंग स्टूडियो का शुभारंभ, संगीत महाविद्यालय का शुभारंभ, बादल संस्था की त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन, गोंडी, भतरी, हल्बी, धुरवा भाषा में संकलित लोकगीत पुस्तक का विमोचन, आमी आव बस्तरिया हल्बी गीत का विमोचन किया। साथ ही बादल संस्था में विभिन्न विधा में प्रदर्शन किये गये कलाकारों का मानदेय वितरण किया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने आमी आव बस्तरिया हल्बी गीत का विमोचन किया गया। इस गीत को बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम के. ने अपनी आवाज दी है।

इलाके में दंतैल हाथी का विचरण, वन विभाग ने स्कूल में तैनात किया अमला

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर वन मंडल में हाथी को लेकर खान्ताडाड़ प्राथमिक शाला में वन विभाग ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के अतिरिक्त इंतेजाम किऐ हैं। वन मंडल अधिकारी जितेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि बगीचा वन परिक्षेत्र में ये स्कूल जंगल के पास होने से स्कूली बच्चों के लिए वन अमले को तैनात किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस स्कूल में निर्धारित समय से एक घंटा पहले ही बच्चों को छुट्टी दे दी जा रही है। इस गांव में हाथी के बारे में अभिभावक और बच्चों को भी जागरूक किया जा रहा है। बता दें कि 3 दिन से यहां एक दंतैल हाथी स्कूल के पास विचरण करते हुए देखा गया है। इसके बाद से ही ऐतिहात के लिए वन विभाग ने सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

आज ग्राम सेम्हरादैहान में मुख्यमंत्री का आगमन

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सेम्हरादैहान में 10 अगस्त को प्रस्तावित आगमन को देखते हुए अध्यक्ष छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण एवं विधायक डोंगरगढ़ भुनेश्वर बघेल, कलेक्टर डोमन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई अंकिता शर्मा सहित अधिकारियों ने आज यहां पहुंच कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारे लाल सिंह के मूर्ति अनावरण स्थल, कार्यक्रम स्थल सहित हेलीपैड स्थल का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को ध्यान में रखते हुए सभा स्थल सहित पार्किंग स्थल पर सभी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने स्थल मुआयना करते हुए मुख्यमंत्री के आगमन को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था और तैयारी के लिए आवश्यक तैयारियों के संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार, एसडीएम अरूण वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भूपेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत करने संचालित कर रही जनकल्याणकारी योजनाएं

धमतरी। बूथ चलो अभियान के तहत डाही जोन के ग्राम बोड़रापूरी में क्षेत्र के कांग्रेसी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्रित होकर भारी मतों से कांग्रेस पार्टी को विजय बनाने संकल्प लिया। बैठक में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शरद लोहाना, जिला पंचायत सभापति एवं डाही जोन कांग्रेस प्रभारी कविता बाबर, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष ओंकार साहू, ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष घनश्याम साहू, जोन अध्यक्ष ओमप्रकाश सेन, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव दयाराम साहू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जय प्रकाश शर्मा, शंभू चंद्राकर, सेक्टर अध्यक्ष गोकुल साहू, परसराम ध्रुव, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष योगेश बाबर, डाही सोसायटी अध्यक्ष टीकाराम साहू उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सर्वप्रथम बूथ, सेक्टर, जोन कार्यकारिणी गठन का समीक्षा किया गया। एवं वार्ड स्तर पर भी युवा, महिला, पुरुष

की टीम तैयार करने, निर्वाचन द्वारा चलाये जा रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं को निर्देशित करते हुए विभिन्न संगठनात्मक विषयो पर विचार विमर्श किया गया। कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाने की बात कही। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शरद लोहाना ने भारतीय जनता पार्टी के मुख्य घटक आर एस एस पर जमकर निशाना साधा आगे कहा कि 1925 के दशक में हर भारतीय का पोशाक धोती-कुर्ता था। ऐसे में हाफ पेंट पहनने की संस्कृति किस देश में प्रचलित थी इससे आप सभी भली-भांति वाकिफ और इन्हीं फासीवादी विचारधाराओं ने आरएसएस जैसी संस्था को जन्म दिया है। साथ ही केंद्र सरकार के जनविरोधी नीतियों को जन जन तक पहुंचाने की अपील लोहाना के द्वारा कार्यकर्ताओं से किया गया किसान पुत्र मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी किसानों की खुशहाली के लिए प्रदेश में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है वही देश के प्रधानमंत्री मोदी जी अपने कुछ अरबपति मित्रों को फायदा पहुंचाने तीन काले कृषि कानून का प्रावधान लाते हैं जिसके विरोध में ना जाने कितने किसानों ने अपनी जान गवाई है। छत्तीसगढ़ सरकार को किसानों की धान खरीदने से रोका जाता है। फिर भी हमारे किसानों की भुपेश बघेल सरकार 15 से बढ़ाकर 20 क्विंटल धान खरीदी करेगी। जिला पंचायत सभापति कविता बाबर ने कहा कि 15 साल के रमन राज के कुशासन के बाद 14 सीट में सिमट चुके भारतीय जनता पार्टी की स्थिति छत्तीसगढ़ में दिनोंदिन कमजोर होती जा रही है। भाजपा के तमाम हथकंडे छत्तीसगढ़ में नाकाम रहे। 2018 के चुनाव के दौरान धरमलाल कौशिक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हुआ करते थे उसके बाद विक्रम उसेंडी फिर विष्णुदेव साय और अब भाजपा के सबसे निष्क्रिय सांसद अरुण साव को अध्यक्ष बनाए जाने से भाजपा कार्यकर्ताओ में घोर निराशा है जिसका कारण है कि 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद 5 उपचुनाव हुए, 14 बड़े नगरीय निकायों सहित पंचायत चुनाव में भी भाजपा को करारी हार मिली।

युथ कांग्रेस ने राजीव भवन में मनाया 63वां स्थापना दिवस

बालोद। युवा कांग्रेस ने 9 अगस्त को राजीव भवन बालोद में 63वां स्थापना दिवस मनाया। युवा कांग्रेस बालोद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने ध्वजारोहण कर युवा कांग्रेस को आने वाले दिनों में और मजबूत बनाने की शपथ ली। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने कहा कि बालोद ब्लॉक का युवा कांग्रेस सदैव पिछड़े लोगों की सहायता करने में तत्पर रहता है, यह सीख उन्हें संगठन से मिली है। राष्ट्रीय संगठन युवा कांग्रेस का स्थापना दिवस हर उस लम्हे का गवाह है, जब युवा देश की रक्षा के लिए सड़क से सदन और पिछड़ों की सहायता के लिए घरों तक पहुंचे हैं।

अध्यक्ष साजन पटेल ने कहा कि उनके जैसे सैकड़ों युवाओं को राजनीति में पहचान दिलाने वाले युवाओं के संगठन युवा कांग्रेस ने हमेशा युवाओं को

ताकत देने का काम किया है। आज यही कारण है कि विपरीत परिस्थितियों में भी युवा कांग्रेस आम जनमानस के साथ कंधे से कंधे मिलाकर खड़ा है। जिला महासचिव संग्राम ने कहा उन्हें गर्व है कि हम युवा कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। उन्हें युवा कांग्रेस यह काम करने का एक सुखद अवसर प्राप्त हुआ। आने वाले दिनों में युवा कांग्रेस और भी मजबूत करेंगे।

जिला युवा कांग्रेस पूर्व प्रशासनिक महासचिव आदित्य दुबे ने कहा उन्हें गर्व है कि वह दुनिया की सबसे बड़े लोकतांत्रिक युवा राजनीतिक संगठन के हिस्सा है, जो महात्मा गांधी के विचार और राजनीतिक शक्ति की विरासत है। युवा कांग्रेस समाज में सद्भावना, समानता और न्याय और युवा की आत्मिक विकास और लोगों के हक की लड़ाई लड़ती है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति ने चड्ढा को भेजा नोटिस

नईदिल्ली। राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति ने बुधवार को आप सांसद राघव चड्ढा को दिल्ली सेवा विधेयक के लिए प्रस्तावित चयन समिति के बारे में सदन में उनके द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर जालसाजी के आरोपों पर नोटिस भेजा। कम से कम चार सांसदों ने आरोप लगाया है कि प्रस्तावित चयन समिति में उनकी सहमति के बिना उनका नाम शामिल किया गया था। सूत्रों ने बताया कि राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति ने आज संसद में बैठक की और सांसद डॉ. सस्मित पात्रा, एस फांगनोन कोन्याक, डॉ. एम. थंबीदुरई और नरहरि अमीन द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए विशेषाधिकार हनन के आरोपों पर आप सांसद राघव चड्ढा से जवाब मांगने का फैसला किया। सूत्रों ने बताया कि अगर उन सांसदों के हस्ताक्षर फर्जी निकले तो राज्यसभा के सभापति चड्ढा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश कर सकते हैं।

लालू यादव के सियासी चक्रव्यूह में फंसे नीतीश

पटना। बिहार में महागठबंधन के साथ आने के बाद राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के शरण में आए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब चौतरफा घिरते नजर आ रहे हैं। स्थिति है कि राजद से संबंध निभाने के चक्कर में नीतीश से उनके अपने भी नाराज होकर साथ छोड़ते रहे हैं। दरअसल, लालू ने नीतीश को प्रधानमंत्री का सपना दिखाया है। 26 दलों के इंडिया गठबंधन बन गई है। गठबंधन बनने के बाद लालू यादव की राजनीति में फंसे नीतीश कुमार अब पीछे नहीं हट सकते। राजनीति के जानकारों की मानें तो लालू यादव ने नीतीश कुमार की इस तरह घेराबंदी कर दी है कि उससे निकल पाना नीतीश के लिए आसान नहीं होगा, जब से लालू सिंगापुर से इलाज करा कर लौटे हैं पुराने अंदाज में दिख रहे है। विपक्षी एकता के बहाने लालू यादव उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के लिए बिहार की गद्दी सौंपने का अपना दांव नीतीश कुमार पर चल चुके हैं।

समर्थन के लिए केजरीवाल ने खड़गे-राहुल का जताया आभार

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली सेवा विधेयक के खिलाफ संसद में उनकी पार्टी का समर्थन करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त किया। विवादास्पद विधेयक केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के लिए विपक्षी दल को एक साथ लाने का एक रैली स्थल बन गया था। हालाँकि, संसद ने सहज मतों से विधेयक को मंजूरी दे दी। खड़गे और राहुल को लिखे पत्र में, दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 को खारिज करने और उसके खिलाफ मतदान करने में उनकी पार्टी के समर्थन के लिए दिल्ली के लोगों की ओर से उन्हें धन्यवाद दिया। पत्र में, केजरीवाल ने कहा, मैं जीएनसीटीडी (संशोधन) विधेयक, 2023 को अस्वीकार करने और उसके खिलाफ मतदान करने में आपकी पार्टी के समर्थन के लिए दिल्ली के 2 करोड़ लोगों की ओर से आभार व्यक्त करता हूं।

मायावती ने पूरे देश में जातीय जनगणना की मांग की

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने बड़ा दाव खेला है। उन्होंने जातीय जनगणना का मुद्दा उठाते हुए उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूरे देश में कराए जाने की मांग की। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि अब जब पटना उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार द्वारा की जा रही जाति जनगणना को मंजूरी दे दी है, तो अब ध्यान उत्तर प्रदेश पर है जहां इसी तरह की जनगणना की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जाति जनगणना की मांग जोर पकड़ रही है लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा इसके लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि बसपा चाहती है कि पूरे देश में जातीय जनगणना हो। मायावती ने आगे कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने और समाज के कमजोर वर्गों को सामाजिक मुख्यधारा में लाने और राष्ट्र के समग्र विकास के लिए जाति जनगणना आवश्यक थी।

भाजपा को देश से खदेड़ेंगे : ममता बनर्जी

झाड़ग्राम। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को मणिपुर हिंसा को लेते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य के हालातों को सुधारने में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार विफल रही। भगवा पार्टी को देश छोड़ देना चाहिए। बता दें, ममता बनर्जी झाड़ग्राम के तीन दिवसीय प्रशासनिक दौरे पर आई हुई हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि जातीय संघर्ष प्रभावित मणिपुर में आदिवासी संकट का सामना कर रहे हैं और उनकी दुर्दशा सुनने वाला कोई नहीं है भारत में दलितों पर अत्याचार हो रहा है और केंद्र उदासीन है। सीएम ने दुनियाभर के लोगों से हिंसाग्रस्त राज्य के पीड़ितों के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया। वहीं, भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए बनर्जी ने कहा कि भगवा पार्टी को देश छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत छोड़ो दिवस पर हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम भाजपा को भारत छोड़ने पर मजबूर कर देंगे।

राहुल का मोदी सरकार पर निशाना

आपने मणिपुर में भारत माता की हत्या की है, आप देशद्रोही हो : राहुल

नईदिल्ली। मणिपुर हिंसा को लेकर अविश्वास प्रस्ताव पर आज दूसरे दिन की शुरूआत हो चुकी है। दूसरे दिन की अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरूआत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने की। राहुल गांधी जैसे ही अपना संबोधन शुरू किया हंगामा होने लगा। सबसे पहले, मैं आपको धन्यवाद देना चाहूंगा कि आपने मुझे (लोकसभा सदस्य के रूप में) बहाल किया। इसके साथ ही राहुल गांधी ने भाजपा पर कटाक्ष किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि जब मैंने पिछली बार बात की थी, तो शायद मैंने आपको परेशानी दी थी क्योंकि मैंने अडानी पर ध्यान केंद्रित किया था। शायद आपके वरिष्ठ नेता को दुख हुआ। उस दर्द का असर आप पर भी हुआ होगा। इसके लिए मैं आपसे माफी मांगता हूं। लेकिन मैंने सच बोला। आज बीजेपी के मेरे दोस्तों को डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज मेरा भाषण अडानी पर नहीं है।

राहुल गांधी ने कहा कि मैं मरने को तैयार हूं, मैं मोदी की जेल जाने को तैयार हूं और 10 साल तक आरोपों का सामना करने को तैयार हूं, यह अहंकार के खिलाफ लड़ाई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर में जारी हिंसा पर पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा, %%मैं मणिपुर गया था। पीएम मोदी एक बार भी वहां नहीं गए। पीएम मोदी के लिए मणिपुर हिंदुस्तान का हिस्सा नहीं है। पीएम ने मणिपुर को दो हिस्सों में बांट दिया है।%% राहुल गांधी ने उस महिला से बातचीत को याद किया जिसके बेटे की मणिपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। महिला के हवाले से उन्होंने कहा, पूरी रात मैं अपने बेटे के शव के साथ लेटा रही। मैं डर गई और मैंने अपना घर छोड़ दिया। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, उन्होंने मणिपुर में हिंदुस्तान को मार डाला है। राहुल ने कहा कि भारत एक आवाज है, भारत हमारी जनता की आवाज है, दिल की आवाज है। उसकी आवाज़ की हत्या आपने मणिपुर में की। इसका मतलब भारत माता की हत्या आपने मणिपुर में की...आपने मणिपुर के लोगों को मारकर भारत को मार डाला। आप देशद्रोही हैं, आप देशभक्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आप पूरे देश को आग में झोंक रहे हैं। पहले यह मणिपुर था, अब यह हरियाणा है। आप पूरे देश को जलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, लंका को भगवान हनुमान ने नहीं बल्कि रावण के अहंकार ने जलाया था, रावण को राम ने नहीं बल्कि उसके अहंकार ने मारा था।

भारत माता की हत्या की बात पर कांग्रेसियों ने बजाई ताली : स्मृति

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एनडीए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पहली बार किसी सांसद ने भारत माता की मृत्यु की बात कही और उनके गठबंधन के सदस्यों ने तालियां बजाईं। आपको बता दें कि राहुल गांधी ने कहा कि उनकी मां की मणिपुर में हत्या कर दी गई है और एनडीए सरकार ने मणिपुर को विभाजित कर दिया है। स्मृति ईरानी ने कहा, आप इंडिया नहीं हैं क्योंकि भारत भ्रष्ट नहीं है। भारत वंशवाद में नहीं योग्यता में विश्वास करता है और आज आप जैसे लोगों को यह याद रखने की जरूरत है कि अंग्रेजों से क्या कहा गया था - क्विट इंडिया। भ्रष्टाचार क्विट इंडिया, वंशवाद क्विट इंडिया। योग्यता को अब भारत में जगह मिलेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मणिपुर न खंडित था, न होगा। स्मृति ईरानी ने अपना हमला जारी रखते हुए 90 के दौर के कश्मीर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में एक कश्मीरी पंडित - गिरिजा टिक्कू - के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। जब इसे एक फिल्म में दिखाया गया तो कुछ कांग्रेसी नेताओं ने इसे प्रोपेगेंडा बताया। वही पार्टी के नेता आज न्याय की बात कर रहे हैं। स्मृति ईरानी ने संसद में कहा, राजस्थान में महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं। भीलवाड़ा इसका ताजा उदाहरण है। लड़की के साथ बलात्कार किया गया, उसके शरीर को काट दिया गया और कुछ हिस्सों को भट्टी में फेंक दिया गया। ये सब हुआ एक 14 साल की लड़की के साथ। पश्चिम बंगाल में भी महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। लेकिन उस पर कुछ नहीं कहा गया।

स्मृति ईरानी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों और कश्मीर में अशांति के मुद्दे उठाए जब देश में कांग्रेस का शासन था। उन्होंने कहा, आज सदन में कहा गया कि उन्होंने (राहुल गांधी) यात्रा की और आश्वासन दिया कि अगर उनका बस चले तो वे अनुच्छेद 370 को फिर से बहाल करेंगे...जो व्यक्ति सदन से भाग गया है, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि कोई भी ऐसा नहीं करेगा देश में धारा 370 बहाल होगी और न ही कश्मीरी पंडितों को रालिब गालिब चलीब से धमकाने वालों को बख्शा जाएगा। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बार-बार कहा कि सरकार मणिपुर मुद्दे पर बहस के लिए तैयार है। विपक्ष इससे भाग गया, हम नहीं।

अविश्वास प्रस्ताव और राहुल के विवाद

2018 में आंख मारी और पीएम को झप्पी दी, अब फ्लाइंग किस का आरोप

नई दिल्ली। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर जारी चर्चा के बीच आज राहुल गांधी ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। राहुल अपना संबोधन पूरा करने के बाद सदन से रवाना भी हो गए। इसके बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने वक्तव्य में राहुल पर जवाबी हमला बोला और आरोप लगाया कि उन्होंने अभद्र इशारा किया। इससे पहले 2018 में जब मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था तब राहुल की आंख मारने वाली तस्वीर चर्चा में रही थी। बुधवार को लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर जारी चर्चा के दौरान स्मृति ने कहा कि राहुल ने सदन में अभद्रता का परिचय दिया। उन्होंने कांग्रेस नेता पर महिलाओं के अपमान का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने आज मुझसे पहले वक्तव्य दिया, वह फ्लाइंग किस देकर गए। इस तरह का महिलाओं के प्रति द्वेषपूर्ण आचरण देश के सदन में कभी नहीं देखा गया। ये किस खानदान के लक्षण हैं, यह देश देख रहा है।

भाजपा इस मामले में हमलावर है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद शोभा करंदलाजे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष शिकायत भी की है। उन्होंने कहा, %यह पहली बार है जब हमने सदन में किसी सांसद का ऐसा व्यवहार देखा है। उन्होंने सदन में महिला सांसदों पर फ्लाइंग किस का इशारा किया...यह अस्वीकार्य है। हमनें इसकी सीसीटीवी फुटेज लेने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत की है।

विपक्ष ने घटना पर क्या कहा?

कांग्रेस ने भाजपा के आरोपों से इनकार किया और कहा कि जब राहुल ने इशारा किया तो उनके सामने पुरुष सांसद बैठे थे। कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा ने उसी वीडियो को साझा करते हुए यह बताने की कोशिश की कि कांग्रेस नेता स्मृति ईरानी की तरफ देख भी नहीं रहे थे।

डिसूजा ने कहा, दिन रात मुद्दों और तथ्यों से देश का ध्यान भटकाने वाली बिगेस्ट झूठ प्रोपेगंडा पार्टी एकबार फिर अपने काम में लग गई है, लेकिन देश खुद यह वीडियो देखेगा और फैसला करेगा। वीडियो से साफ है कि राहुल जी के सामने पुरुष सांसद हैं। स्मृति ईरानी तो सामने हैं भी नहीं, लेकिन राहुल-फोबिया ऐसा है कि हर जगह राहुल जी ही दिखाई देते हैं। इस मामले में शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की भी प्रतिक्रिया आई है। राजयसभा सांसद ने कहा, मैं दर्शक दीर्घा में थी और उन्होंने (राहुल गांधी) स्नेह के भाव के तौर पर ऐसा किया। वे (बीजेपी) स्नेह को स्वीकार नहीं कर सकते।

ये दूसरी बार है जब मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इससे पहले भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को 20 जुलाई 2018 को अपने पहले %अविश्वास% प्रस्ताव का सामना करना पड़ा था। पिछली बार आए अविश्वास प्रस्ताव पर 12 घंटे की बहस हुई थी। इसमें प्रधानमंत्री का डेढ़ घंटे से अधिक का संबोधन भी शामिल था। बहस के दौरान तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और पीएम मोदी के बीच नोकझोंक भी देखने को मिली थी। चर्चा के दौरान अपने संबोधन के समापन पर राहुल प्रधानमंत्री के पास पहुंचे और उन्हें गले लगाया था। वापसी के बाद अन्य कांग्रेस नेताओं को आंख मारते देखा गया था जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं थीं।

खेल
प्रमुख समाचार

वेस्टइंडीज से सीरीज जीतने से दो कदम दूर भारत

गुयाना। सूर्यकुमार यादव की 44 गेंद में 83 रन की ताबड़तोड़ पारी के दम पर भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय को सात विकेट से जीतकर श्रृंखला को जीवंत बनाये रखा। सूर्यकुमार ने 44 गेंद की पारी में 10 चौके और चार छक्के जड़ने के अलावा तिलक वर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 गेंद में 87 रन की आक्रामक साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी करा दी। तिलक हालांकि अर्धशतक से चूक गए। उन्होंने 37 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद से 49 रन बनाए। हालांकि वेस्टइंडीज अभी भी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच चौथा मुकाबला काफी अहम होगा। भारत को अगर इस सीरीज में बने रहना है तो चौथा मुकाबला अपने नाम करना होगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथा मुकाबला फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रिजनल पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह मैच 12 अगस्त शनिवार को खेला जाएगा। एक ओर वेस्टइंडीज की टीम शुरुआती दो मुकाबले जीतकर अभी सीरीज में 2-1 से आगे चल रही है। तो वहीं भारतीय टीम ने तीसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर वापसी की है। ऐसे में भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथा मुकाबला काफी अहम हो जाएगा। टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजों को पहली गेंद से ही आक्रामक खेलना पड़ता है, लेकिन अभी तक भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज ईशान किशन, यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ऐसा नहीं कर पाए हैं। इससे संजू सैमसन और तिलक वर्मा जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर दबाव बना है। वर्मा ने हालांकि शानदार डेब्यू करके पिछले दोंनों मैचों में उम्दा पारियां खेलीं। इस साल फोकस वनडे विश्व कप पर होने के बीच गिल, ईशान और शुभमन गिल को 31 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप से पहले रन बनाने होंगे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 150 अंक चढ़कर 66 हजार के करीब बंद

नईदिल्ली। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी दर्ज की गई और बीएसई सेंसेक्स 66 हजार अंक के करीब पहुंच कर बंद हुआ। सेंसेक्स के साथ निफ्टी में भी हरियाली देखी गई और यह 65 अंक चढ़कर बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में तेजी के साथ सेंसेक्स इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी कंपनियों के शेयरों में कारोबार के अंतिम समय में खरीदारी से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 149.31 अंक 0.23 प्रतिशत बढ़कर 65,995.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ऊंचे में 66 हजार का स्तर लाघंते हुए 66,066.01 अंक पर और नीचे में 65,444.38 तक खिसक गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 65.55 अंक या 0.33 प्रतिशत की वृद्धि लेकर 19,636.40 अंक पर बंद हुआ।

डेल्हीवेरी ने हैवेल्स इंडिया के साथ किया करार

नईदिल्ली। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डेल्हीवेरी ने हैवेल्स इंडिया को एकीकृत भंडारण और परिवहन समाधान मुहैया कराने के लिए करार किया है। डेल्हीवेरी ने बुधवार को बयान में यह जानकारी दी। डेल्हीवेरी ने कहा कि उसे हैवेल्स इंडिया से पश्चिमी क्षेत्र में एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला समाधान का अनुबंध मिला है। डेल्हीवेरी के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कारोबार अधिकारी संदीप बरासिया ने कहा, ''हम हैवेल्स की आपूर्ति श्रृंखला में बड़े पैमाने पर बदलाव के लिए एक भरोसेमंद भागीदार बनकर काफी खुश हैं।'' चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में डेल्हीवेरी को 89.5 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 399.3 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। पहली तिमाही में सेवाओं से कंपनी की आमदनी 11 प्रतिशत बढ़कर 1,930 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

अदाणी का अदाणी विल्मर में 44% हिस्सेदारी बेचने की योजना

नईदिल्ली। गौतम अदाणी अपनी एक कंपनी अदाणी विल्मर में बड़ी हिस्सेदारी का सौदा कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक गौतम अदाणी, अदाणी विल्मर में अपनी 44 फीसदी स्टेक को बेच सकते हैं। अदाणी विल्मर सिंगापुर बेस्ड विल्मर ग्रुप के साथ अदाणी समूह का ज्वाइंट वेंचर है। अदाणी विल्मर की मौजूदा वैल्यू की बात करें तो ये करीब 6.17 अरब डॉलर है। रिपोर्ट के मुताबिक, अदाणी विल्मर में गौतम अदाणी की जो 44 फीसदी हिस्सेदारी है उसकी कीमत करीब 2.7 अरब है। हालांकि, रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि कंपनी में हिस्सा बेचने का ये प्लान अभी शुरुआती चरण में है। वहीं इस मामले में अदाणी ग्रुप की ओर से कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है। ब्लूमबर्ग ने बताया कि गौतम अदाणी और उनका परिवार बिक्री के बाद व्यक्तिगत क्षमता में अल्पमत हिस्सेदारी बरकरार रख सकते हैं, जबकि विल्मर व्यवसाय में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने का फैसला कर सकते हैं।

क्रेडजेनिक्स ने निवेशकों से 414 करोड़ रुपये जुटाए

नईदिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप क्रेडजेनिक्स ने वेस्टब्रिज कैपिटल और एस्सेल समेत विभिन्न निवेशकों से पांच करोड़ डॉलर या 414 करोड़ रुपये जुटाये हैं। क्रेडजेनिक्स ने बुधवार को बयान में कहा कि वित्तपोषण के इस दौर में टैंगलिन वेंचर्स और बीम्स फिनटेक फंड ने भी भाग लिया। कंपनी ने कहा कि उसने यह राशि 34 करोड़ डॉलर या 2,800 करोड़ रुपये के उपक्रम मूल्य पर जुटाई है। यह पिछले वित्तपोषण दौर के मूल्यांकन की तुलना में तीन-चार गुना अधिक है। क्रेडजेनिक्स ने कहा कि वह इस राशि का इस्तेमाल उत्पाद नवोन्मेषण, अंतरराष्ट्रीय विस्तार और अन्य बीएफएसआई उद्योग क्षेत्रों में पैठ जमाने के लिए करेगी। क्रेडजेनिक्स के सह-संस्थापक ऋषभ गोयल ने बयान में कहा,''हमारे दृष्टिकोण के प्रति समर्थन के लिए हम अपने मौजूदा निवेशकों का आभार जताते हैं।

विकास और मुद्रास्फीति में संतुलन का लक्ष्य

सतीश सिंह

विकास की रफ्तार को कायम रखने के लिए जरूरी है कि रेपो दर में और बढ़ोतरी नहीं की जाए, लेकिन विगत जून में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल के चलते उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) या खुदरा महंगाई दर 4.81 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई, जबकि मई महीने में यह 4.31 प्रतिशत रही थी। हालांकि, जून महीने में भी खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक की सीमा छह प्रतिशत से नीचे है, लेकिन इस वर्ष देश के कई राज्यों में तेज बारिश से खरीफ की फसल और सब्जियों के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ा है और आगामी महीनों में स्थिति और भी बदतर हो सकती है। अल नीनो का खतरा अब भी बना हुआ है। ऐसे में आगामी महीनों में खुदरा महंगाई के और भी बढ़ने के आसार बने हुए हैं। टमाटर समेत लगभग सभी हरी सब्जियों की कीमत अभी आसमान छू रही है। उल्लेखनीय है कि सीपीआई बास्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाद्य पदार्थों की होती है।

रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों में बढ़ोतरी करना मई, 2022 में शुरू किया था। हालांकि, इस साल अप्रैल और जून महीने में लगातार दो द्विमासिक मौद्रिक समीक्षाओं में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा गया था, जिसके कारण बैंकों ने भी कर्ज दर में कोई बदलाव नहीं किया। रिजर्व बैंक की पहले की रणनीति के आधार पर यह अनुमान जताया जा रहा है कि आर्थिक वृद्धि दर में तेजी लाने के लिए रिजर्व बैंक मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर को यथावत रखेगा, ताकि कर्ज लेने की लागत स्थिर बनी रहे और विकास दर की तेजी भी बरकरार रहे। लेकिन यह बताना समीचीन होगा कि अप्रैल और जून महीने की द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के

समय देश में खुदरा महंगाई की स्थिति बेकाबू नहीं थी और इसी वजह से रेपो दर को यथावत रखा गया था।

रिजर्व बैंक रेपो दर में वृद्धि करके महंगाई से लड़ने की कोशिश करता है। जब रेपो दर अधिक होता है, तो बैंकों को रिजर्व बैंक से महंगी दर पर कर्ज मिलता है, जिसके कारण बैंक भी ग्राहकों को महंगी दर पर कर्ज देते हैं। ऐसा करने से अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तरलता कम हो जाती है और लोगों की जेब में पैसे नहीं होने की वजह से वस्तुओं की मांग में कमी आती है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के अनुसार, बैंकिंग क्षेत्र के वित्तीय प्रदर्शन में लगातार सुधार आ रहा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून 2023 के दौरान 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा बढ़कर 34,774 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। देश के औद्योगिक उत्पादन में जून के महीने में 12.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

अभी रिजर्व बैंक का लक्ष्य विकास और महंगाई के बीच संतुलन बनाना है, ताकि आम आदमी को परेशानी नहीं हो और विकास की रफ्तार भी बढ़े। इसलिए, खुदरा महंगाई में कमी लाना बेहद जरूरी है। ऐसा नहीं करने से आगामी महीनों में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी पड़ सकती है। गौरतलब है कि महंगाई की वजह से जीडीपी वृद्धि दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बीते वर्षों से खुदरा महंगाई दर लगातार उच्च स्तर पर बनी हुई थी, हालांकि, विगत कुछ महीनों में खुदरा महंगाई में आंशिक गिरावट आई, मगर अब फिर से खुदरा महंगाई उफान पर है। लिहाजा, कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी महीनों में विकास दर नरम रहने से अर्थव्यवस्था में भी सुस्ती आ सकती है।

बेशक, रेपो दर को यथावत रखने से कर्जदारों को राहत मिलेगी, और विकास की रफ्तार तेज होगी, लेकिन रिजर्व बैंक चाहता है कि पहले खुदरा महंगाई पर नियंत्रण किया जाए, क्योंकि इससे लंबे समय में अर्थव्यवस्था में सुधार और मजबूती आती है। लिहाजा, अनुमान है कि रिजर्व बैंक 10 अगस्त को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है, जिससे कर्ज महंगा होने से विविध उत्पादों की मांग में कमी से खुदरा महंगाई में भी कमी आएगी। इससे लोगों की क्रय क्षमता घटने से आधारभूत संरचना को मजबूत करने में निजी व्यय में कमी आएगी, जो पहले से ही कम है। इसके अलावा विकास की गति कम होने से कर संग्रह में भी कमी आ सकती है।

इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले ही सीटों के बँटवारे पर चर्चा

स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी-राष्ट्रीय लोकदल और कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए गठबंधन तो कर दिया है लेकिन लगता है इन दलों के नेताओं का दल के साथ दिल नहीं मिल पाया है। गठबंधन की अभी बुनियाद ही पड़ी थी और इसके कमजोर होने का अहसास भी होने लगा है। ऐसा इसलिए लग रहा है क्योंकि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को अनदेखा करते हुए समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल ने सीटों के बंटवारे की कवायद शुरू कर दी है। सूत्र बताते हैं कि राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की करीब एक दर्जन उन लोकसभा सीटों की सूची थमा दी है, जिस पर वह अपने प्रत्याशी उतारना चाहते हैं। जयंत चौधरी ने जिन सीटों का चयन किया है वह मुस्लिम और जाट बाहुल्य हैं। इसको लेकर समाजवादी पार्टी में भी मंथन शुरू हो गया है, लेकिन पूरी 'पिक्चर' से कांग्रेस गायब है। जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर कांग्रेस की भी नजर लगी हुई है। अभी कांग्रेस की तरफ से इसको लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन उत्तर प्रदेश कांग्रेस का आलाकमान इस पर नजर रखे हुए है। ऐसा लगता है कि लोकसभा चुनाव से पहले गठबंधन दलों के बीच दबाव की राजनीति का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय लोकदल ने सपा के साथ गठबंधन में बने रहने के लिए दर्जन भर सीट मांगी हैं। लेकिन समाजवादी पार्टी लोकसभा की सिर्फ दो सीट ही देने के मूड में है। बताया जा रहा है कि यदि अखिलेश रालोद का ऑफर नहीं मानते हैं तो जयंत चौधरी कोई भी फैसला ले सकते हैं। माना जा रहा है कि आरएलडी की बीजेपी से भी बात चल रही है। बताया जा रहा है कि आरएलडी ने बिजनौर, सहारनपुर, मथुरा, हाथरस, बुलंदशहर, मेरठ, बागपत, नगीना, मुजफ्फरनगर और कैराना सीट से अपना उम्मीदवार उतारने की मांग की है। हालांकि बताया यह भी जा रहा है कि आरएलडी ने बीजेपी से संपर्क करने की कोशिश की थी लेकिन अभी कुछ फायनल नहीं हुआ है। वैसे चर्चा यह भी है कि बीजेपी आलाकमान जयंत चौधरी को इंडिया गठबंधन से एनडीए के पाले में लाने की कवायद में लगा है, लेकिन उन्हें अपनी पार्टी के बीजेपी में विलय का प्रस्ताव दिया गया है। दूसरा ऑफर उन्हें एक सीट देने का दिया गया। ऐसे में आरएलडी ने बीजेपी के साथ जाने से इंकार कर दिया है। वैसे भी अगर आंकड़ों के नजरिए से देखें तो पश्चिम में बीजेपी के लिए रालोद से ज्यादा बसपा फायदेमंद है। बसपा के साथ आने से बीजेपी हारी हुई सीटों पर भी जीत हासिल कर सकती है। बसपा सुप्रीमों मायावती की चुप्पी भी बता रही है कि उनका झुकाव बीजेपी की तरफ बढ़ता जा रहा है। 07 अगस्त 2023 को राज्यसभा में जब दिल्ली पर बिल आया तब और उसके बाद लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान भी बसपा मोदी सरकार के साथ खड़ी नजर आई। गौरतलब है कि करीब तीन माह पूर्व राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) अध्यक्ष जयंत चौधरी ने सपा से गठबंधन टूटने की अफवाहों पर विराम लगा दिया था। उन्होंने 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन को लेकर कहा था कि इस पर फैसला विपक्षी दल मिलकर लेंगे। आरएलडी को लेकर यह भी कयास लगाए जा रहे थे कि वह पटना में विपक्षी गठबंधन की बैठक में शामिल होगी, लेकिन वहां जयंत चौधरी की गैर-मौजूदगी को दबाव की राजनीति के तौर पर देखा जा रहा है। वैसे राज्यसभा में भी जब मानसून सत्र के दौरान दिल्ली के संबंध में बिल आया तो जयंत चौधरी सदन से गैरहाजिर थे। इस पर उनकी पार्टी द्वारा सफाई दी जा रही है कि मेडिकल इमरजेंसी के चलते वह वोटिंग के समय मौजूद नही रह पाए थे। बहरहाल, राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी जिस तरह से सीटों के बंटवारे के लिए तेजी दिखा रहे हैं उसको लेकर राजनैतिक पंडितों का कहना है कि जयंत चौधरी नहीं चाहते हैं कि इंडिया गठबंधन में तब सीटों का बंटवारा हो, जब उनके लिए भाजपा में जाने के सभी रास्ते बंद हो जाए। अभी यदि अखिलेश यादव सीटों के बंटवारे में रालोद को थोड़ा भी ना नुकुर दिखाएंगे तो रालोद पाला बदलने में देर नहीं करेगा। वैसे भी रालोद के आईडियोलॉजी सबके साथ फिट हो जाती है।

न्यूजक्लिक खुलासा : भाजपा हुई आक्रामक

अजय सेतिया

सिर्फ एक दशक पहले की बात है, जब चीन की कई वेबसाईट्स बेरोजगार भारतीय पत्रकारों से भारत के खिलाफ लेख लिखवा कर उन्हें मोटी राशि दिया करती थी। आजकल एक यूट्यूब चैनल चलाने वाले एक मोदी विरोधी पत्रकार के उस चीनी वेबसाईट पर खूब लेख छपे थे। कुछ तो मीडिया के नए संसाधन आने के बाद, और कुछ मोदी युग के बाद भारतीय पत्रकारों का बुरा दौर चल रहा है। आर्थिक तंगी के कारण वे इस बात का ध्यान नहीं रख पाते कि उनके हाथों से देश के खिलाफ भी कोई काम हो रहा है। वर्ष 2020 में एक भारतीय पत्रकार को चीन के लिए काम करके मोटी कमाई करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कई महीनों बाद अदालत से जमानत मिली, तो भारतीय एजेंसियों ने उसे फिर से गिरफ्तार कर लिया। वह भारत की बड़ी अंगरेजी समाचार एजेंसी समेत प्रतिष्ठित अखबारों में काम कर चुका था, लेकिन मोदी के सत्ता में आने बाद फ्रीलांसिंग में आना पड़ा था। अब यह बात सारी दुनिया के सामने आ चुकी है कि भारत में अपने समर्थन में चीन पत्रकारों का ही नहीं, बल्कि राजनीतिज्ञों का भी इस्तेमाल करता आ रहा है।

अमरीकी अखबार न्यूयार्क टाइम्स वैसे तो मोदी विरोधी खबरें लिखवाता और छापता रहा है। कृषि कानूनों के खिलाफ भारत में हुए किसान आन्दोलन के समर्थन में न्यूयार्क टाइम्स में मोदी सरकार के खिलाफ एक पेज का विज्ञापन छपा था। विज्ञापन में जार्ज सोरोस से अनुदान लेने वाले कई मानवाधिकार संगठनों के नाम थे। विज्ञापन के माध्यम से दुनिया भर के नागरिकों से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने की अपील की गई थी। उसी न्यूयार्क टाइम्स ने दिल्ली सरकार के कामों की तारीफ़ करते हुए पहले पेज पर खबर छापी थी, जिसे अरविन्द केजरीवाल ने खूब प्रचारित किया था। अब उसी न्यूयार्क टाइम्स ने 5 अगस्त को भारत के डिजिटल समाचार पोर्टल न्यूज क्लिक के बारे में खुलासा करके भारतीय राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। यह वेबसाईट भारत में मोदी विरोधी मानी जाती है।

किसान आन्दोलन के समय न्यूज क्लिक ने किसान आदोलन को विस्तार से कवर किया था। इसी आन्दोलन के दौरान ही ईडी ने न्यूज क्लिक के कार्यालय पर छापा मार कर उसके खातों की पड़ताल की थी। लेकिन हैरानी यह थी कि सरकारी एजेंसी ने संपादकों के घरों पर भी छापे मारे थे। न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ ने उस समय कहा था कि मीडिया का एक वर्ग उनके खिलाफ भ्रामक खबरें छाप रहा

है। असल में मीडिया में चल रही उन खबरों में न्यूजक्लिक को वामपंथी प्रचार माध्यम कहा जा रहा था। वह इसलिए, क्योंकि प्रबीर पुरकायस्थ कोई पत्रकार नहीं थे, अपनी अधेड़ उम्र में उन्होंने न्यूज क्लिक को शुरू किया था। जब उनके यहाँ छापे पड़े थे, तो उन्होंने एक इंटरव्यू में कबूल किया था कि वामपंथ प्रचार के क्षेत्र में कमजोर था, इसलिए उन्होंने इसे बढ़ावा दिया।

अब न्यूयार्क टाइम्स ने खुलासा किया है कि भारत में मोदी विरोधी मुहिम चलाने वाली वेबसाइट न्यूजक्लिक का चीनी कनेक्शन है। उसे चीन से 10 करोड़ रूपए की फंडिंग हुई थी, इसके अलावा 20 करोड़ की एफडीआई भी हुई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की 5 अगस्त 2023 की प्रकाशित रिपोर्ट में वामपंथ समर्थक अमेरिकी अरबपति नेविल रॉय सिंघम का नाम सामने आया है। खबरों में कहा गया है कि वह चीनी सरकार की मीडिया मशीनरी के साथ मिलकर काम करता है और दुनियाभर में चीनी प्रोपेगैंडा फैलाने के लिए धन मुहैया कराता है। नेविल रॉय सिंघम जिन पत्रकारों एवं कार्यकर्ताओं को फंडिंग करता है, वे वेबसाईटों और यूट्यूब के माध्यम से चीन के पक्ष में अभियान चलाते हैं। इन प्रचार माध्यमों से वे स्थानीय राजनीति को प्रभावित करते हैं। नेविल रॉय सिंघम श्रीलंका मूल का अमेरिकन नागरिक है, लेकिन उसने शंघाई को अपना आपरेशन सेंटर बनाया हुआ है।

न्यूयार्क टाइम्स के मुताबिक़ 69 साल का सिंघम शंघाई से खुद भी एक नेटवर्क चलाता है, जिसके लिए शंघाई का प्रोपेगैंडा विभाग उन्हें फंड देता है। हालांकि सिंघम का कहना है कि वह चीनी सरकार के निर्देश पर काम नहीं करता है, वह स्वतंत्र रूप से काम करता है। लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक नेविल रॉय सिंघम के साथ मैसाचुसेट्स में एक थिंक टैंक, मैनहटन की एक संस्था, दक्षिण अफ्रीका में एक राजनीतिक दल, भारत और ब्राजील में समाचार संगठन सहित कई ग्रुप जुड़े हैं, जो कि चीन की सरकार के इशारे पर काम करते हैं। भारत में अधिकारियों ने जब समाचार संगठन न्यूजक्लिक पर चीनी सरकार से संबंध रखने का आरोप लगाते हुए छापा मारा था, तो न्यूजक्लिक के दफ्तर की कॉरपोरेट फाइलिंग से पता लगा था कि सिंघम के नेटवर्क ने वेबसाइट न्यूजक्लिक को फाइनेंस किया है। सिंघम ने न्यूज क्लिक वेबसाइट को 3 सालों में 38 करोड़ रुपये दिए थे।

अब न्यूयार्क टाइम्स ने भारतीय एजेंसी ईडी के आरोपों की पुष्टि की है, तो भारतीय जनता पार्टी को जोरदार मुद्दा मिल गया है। वह इस मुद्दे को कांग्रेस के खिलाफ भी इस्तेमाल कर रही है, और कम्युनिस्ट पार्टियों के खिलाफ भी। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान भाजपा के सांसद निशिकांत दूबे ने कहा कि उनके पास ऐसे अनेक ईमेल के सबूत हैं कि नेविल रॉय सिंघम माकपा के पूर्व महासचिव प्रकाश कारत के साथ सम्पर्क में थे। उन्होंने सदन में ईमेल ट्रेल रखने की पेशकश भी की है। राज्यसभा में भी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने चीन के प्रोपेगैंडा का समर्थन करने पर पूरे विपक्ष पर हमला बोला है।

असल में जब न्यूज क्लिक पर ईडी का छापा पड़ा था तो कम्यूनिस्ट पार्टी और कांग्रेस ने छापे को अभिव्यक्ति की आज़ादी से जोड़ते हुए मोदी सरकार पर अभिव्यक्ति की आज़ादी को कुचलने का आरोप लगाया था। भारत में पत्रकारों, मीडिया घरानों, यूट्यूबरों और राजनीतिज्ञों को फंडिंग का खुलासा ठीक उस समय हुआ है, जब राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल हुई है। भारतीय जनता पार्टी ने इस खबर को राहुल गांधी के खिलाफ इस्तेमाल करने का मौक़ा भी नहीं चुका।

यूपीए शासनकाल के समय राहुल गांधी ने कांग्रेस की तरफ से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एक एमओयू पर दस्तखत भी किए थे। एमओयू में क्या था, इसे लेकर भाजपा हमेशा से कांग्रेस पर हमलावर रही है, क्योंकि एमओयू की शर्तों का आज तक खुलासा नहीं हुआ। इस सबकी पृष्ठभूमि में भाजपा के नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि कांग्रेस, चीन और न्यूज़क्लिक एक ही नाड़ी के हिस्से हैं। इतना ही नहीं उन्होंने राहुल गांधी पर चीन से गुपचुप संबंध रखने तक का आरोप लगा दिया, जब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की नकली मोहब्बत की दुकान में चीनी सामान साफ़ देखा जा सकता है। भारत के लोकसभा चुनावों में इस बार अमेरिका और चीन की दो लॉबी खुलकर काम करती दिखाई दे रही हैं। एक तरफ चीन और चीन समर्थक अमेरिकी लेफ्टिस्ट हैं, जो मोदी सरकार को सत्ता से हटाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते। वे राजनीतिज्ञों, न्यूजक्लिक जैसे मीडिया घरानों, और मोदी विरोधी यूट्यूबरों को फंडिंग करके भाजपा और मोदी के खिलाफ हवा बनाने का काम कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका में भारतीयों और उनके प्रभाव के लोगों की एक लॉबी है, जो हर हाल में मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद देखना चाहते हैं, ताकि चीन पर नकेल लगाई जा सके। कई अमेरिकी विश्लेषकों का मानना है कि अगर मोदी हारते हैं, तो नई सरकार चीन समर्थक बन जाएगी, जो अमेरिका को किसी भी हालत में सूट नहीं करेगी। इसलिए भाजपा ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल होते ही उन पर चीन समर्थक होने का आरोप लगा दिया है, क्योंकि राहुल गांधी के कन्विक्शन पर स्टे के बाद उनके विपक्षी एकता की धुरी बनने की संभावना बढ़ गई है। मोदी सरकार के मंत्रियों ने एक साथ राहुल गांधी पर हमला किया है। जहां अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी का चीन के प्रति प्रेम जगजाहिर है, वही दूसरे केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भी राहुल पर हमला बोला। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि न्यूज़क्लिक जैसे मंचों और संयुक्त रूप से संचालित होने वाले अन्य मंचों की तरफ से पेश नैरेटिव लगभग वैसे ही हैं, जिस तरह से राहुल गांधी व्यक्त करते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

ध्यानबिन्दुपनिषद् (भाग-7)

गतांक से आगे...

नाड़ियों में स्थित मल के शोधन के लिए सूर्य और चन्द्र के संयोगत्व और वात, पित्त, कफ आदि रसों के भली प्रकार शोषण किये जाने को महामुद्रा कहा गया है। वक्षस्थल को ठोड़ी से और बायीं एड़ी से योनिस्थल को दबाकर, प्रसारित दाहिने पैर को हाथों से पकड़कर कुक्षियुगल को श्वास से भरकर, कुम्भक करने के बाद धीरे-धीरे श्वास को बाहर निकाले। इसे योगियों द्वारा सर्वपापनाशिनी महामुद्रा कहा गया है। अब आत्मा के सम्बन्ध में विवेचन करते हैं हृदय स्थल में आठ दल का कमल है, उसके बीच रेखा वलय बनाकर जीवात्मा ज्योतिरूप होकर अणुमात्र स्वरूप में निवास करता है। वह सर्वज्ञाता, सब कुछ करने वाला है और सब कुछ उसी में प्रतिष्ठित है। उसका ऐसा विचार है कि सभी चरित्रों का मैं ही कर्तृता, भोक्ता, सुखी, दुःखी, काना, लँगड़ा, बहरा, गूंगा, दुबला और मोटा हूँ इस प्रकार का उसका स्वतन्त्र व्यवहार रहता है।

उस अष्टदल कमल का पूर्वदिशा वाला दल सफेद रंग का है, उस दल में रहते हुए धर्म और भक्तिभाव में मति (श्रद्धा) रहती है। जब आग्नेय दिशा के लाल रंग के दल में निवास होता है, तब मति निद्रा और आलस्य से युक्त हो जाती है। जब दक्षिण दिशा के काले रंग के दल में निवास होता है, तब द्वेषभाव और क्रोधी स्वभाव की मति रहती है। नैर्ऋत्य दिशा के नीले रंग वाले दल में निवास करने पर पाप कर्मों और हिंसक वृत्ति वाली मति रहती है। जब स्फटिक वर्ण वाले पश्चिम दल में निवास रहता है, तब क्रीड़ा और विनोद में अभिरुचि उत्पन्न हो जाती है। वायव्यकोण के माणिक्य वर्ण वाले दल में निवास होने पर घूमने-फिरने और वैराग्य भाव की ओर झुकाव होता है। जब उत्तर के पीले रंग के दल में निवास करता है, तो सुख-साधन और सजने-सँवरने में अभिरुचि रहती है। ईशान कोण के वैडूर्यमणि-रंग के दल में रहने पर दान-पुण्य और अनुग्रह करने में अभिरुचि जागती है। जब जोड़ों के सन्धिभाग में मति वास करती है, तब वात, पित्त, कफ से सम्बन्धित बड़ी बीमारियों का प्रकोप होता है। जब मति मध्य में रहती है, ऐसे में सब कुछ जानने, गाने, नाचने, पढ़ने और आनन्द मनाने में ध्यान रहता है। जब आँख श्रमशील रहती है, तो उसे विश्राम देने के उद्देश्य से पहली रेखा का आश्रय लेकर बीच में निमज्जन करती है। वह प्रथम रेखा बन्धूक पुष्प के वर्ण वाली होती है, जिससे निद्रावस्था की प्राप्ति होती है।

क्रमशः ...

विश्व जैव ईंधन दिवस

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा हर साल 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस के रूप में नया जाता है। विश्व जैव ईंधन दिवस को ईंधन के अपरम्परागत स्रोतों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन के दौरान, ऊर्जा के एक अलग स्रोत के रूप में गैर-जीवाश्म ईंधन के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सरकारी और निजी संगठन एक साथ आते हैं।

विश्व जैव ईंधन दिवस को हर साल 10 अगस्त के दिन सर रूडोल्फ डीजल की याद में मनाया जाता है। इन्होंने डीजल इंजन बनाने का काम किया था। 8 अगस्त साल 1893 को, सर डीजल ने पहली बार एक यांत्रिक इंजन चलाने के लिए मूंगफली के तेल का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया था। इसके साथ, इस कल्पना भी एक नई उड़ान मिली थी कि आने वाले समय में जीवाश्म ईंधन की जगह पर वनस्पति तेल का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस उपलब्धि की खुशी को मनाने और लोगों को जागरुक के लिए, विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है और साल 2015 से भारतीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय इसे मना रहा है।

जैव ईंधन कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता को कम करने की कुंजी है और यह एक स्वच्छ वातावरण

सुनिश्चित करता है। इससे ग्रामीण लोगों के लिए अधिक रोजगार का सृजन होता है। यह कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद करता है। जीवाश्म ईंधन के जलने से कार्बन उत्सर्जन होता है और यह हमारी वायु और पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक है। जैव ईंधन पर्यावरण के अनुकूल ईंधन हैं जिनके उपयोग से कार्बन उत्सर्जन को कम करने में काफी मदद मिलेगी। वे नवीकरणीय बायोमास संसाधनों के माध्यम से बनाए गए हैं और इसलिए सतत विकास के लिए एक मजबूत मामला बनाते हैं। इस तरह जैव ईंधन इस प्रक्रिया में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना 21वीं सदी की दुनिया की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। भारत में यह ग्रामीण भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा और आर्थिक विकास से जुड़े परिवहन ईंधन की बढ़ती मांगों को पूरा करेगा।

जैव ईंधन की श्रेणियाँ

बायोएथेनॉल- इथेनॉल अल्कोहल से प्राप्त एक कार्बनिक रासायनिक यौगिक है। जैव ईंधन के मामले में इथेनॉल का उत्पादन गन्ना, चुकंदर, मक्का, कसावा जैसी स्टार्च युक्त सामग्री और लकड़ी से बने कचरे, वानिकी अवशेषों और औद्योगिक कचरे से किया जाता है।

बायोडीजल- यह एक डीजल है जिसमें खाने योग्य वनस्पति तेल, एसिड तेल या पशु वसा इसके आधार तत्व होते हैं।

उन्नत जैव ईंधन- ईंधन जो फीडस्टॉक, गैर-खाद्य फसलों या औद्योगिक कचरे से उत्पन्न होते हैं। ऐसे ईंधनों में CO_2 उत्सर्जन कम होता है और ये भूमि उपयोग के लिए फसलों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। 3जी जैव ईंधन, जैव हाइड्रोजन और जैव-मेथनॉल से प्राप्त ईंधन को %उन्नत जैव ईंधन% कहा जा सकता है।

ड्रॉप-इन ईंधन- बायोमास, कृषि अवशेष, औद्योगिक अपशिष्ट आदि से उत्पादित तरल ईंधन को ड्रॉप-इन ईंधन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें शुद्ध या मिश्रित रूप में निर्धारित मानकों को पूरा करना चाहिए।

बायो-सीएनजी- निर्मित बायो-गैस का एक शुद्ध रूप जिसकी संरचना जीवाश्म ईंधन के समान है। इसके कच्चे माल में जानवरों का गोबर, खाद्य अपशिष्ट और सीवेज का पानी शामिल है।

बंगाल-राजस्थान में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार -कटघरे में विपक्षी दल

योगेंद्र योगी

मणिपुर हिंसा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान की मांग को लेकर संसद ठप करने वाले विपक्षी दलों को महिला अत्याचारों और हिंसा को लेकर राजस्थान और बंगाल में भेदभाव को लेकर कटघरे में आ गए हैं। महिला अत्याचारों को लेकर राजस्थान फिर से सुर्खियों में आ गया है। अलवर जिले में दो सामूहिक बलात्कार की घटनाओं ने राज्य की अशोक गहलोत सरकार की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। राजस्थान की कांग्रेस सरकार पहले से ही भ्रष्टाचार के आरोपों से बुरी तरह से घिरी हुई है। इस राज्य में महिला अत्याचारों की नई वारदातों ने भाजपा को ज्यादा हमलावर बना दिया है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने सीकर में जनसभा के दौरान गहलोत सरकार पर लाल डायरी और महिला अत्याचारों पर जमकर कटाक्ष किए थे। आश्चर्य की बात यह है कि राजस्थान के एक मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने ही भ्रष्टाचार और महिला अत्याचारों को लेकर कटघरे में खड़ा किया। विधानसभा की कार्रवाई के दौरान मंत्री गुढ़ा ने एक लाल डायरी हाथ में लेकर गहलोत सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

गहलोत सरकार ने इस मामले की जांच कराने के बजाए गुढ़ा को मंत्री पद से बर्खास्त कर पार्टी से भी बाहर निकाल दिया। मणिपुर हिंसा पर सत्तारुढ़ कांग्रेस के विधानसभा में तख्तियों लेकर प्रदर्शन करने के दौरान कांग्रेस की ही एक विधायक दिव्या मदरेणा ने राजस्थान में महिला अत्याचारों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि राजस्थान में महिलाएं असुरिक्षत हैं। हालांकि कांग्रेस इतना दुस्साहस नहीं कर सकी कि अपनी सरकार का सदन में विरोध करने वाले मंत्री गुढ़ा की तरह दिव्या मदरेणा के खिलाफ कोई कार्रवाई कर सके।

गौरतलब है कि राजस्थान में देशभर में दुष्कर्म के मामलों में पहले स्थान पर है। यहां 10 साल से कम उम्र की बच्चियों के साथ दुष्कर्म के केस 2.79 फीसदी बढ़े हैं। वहीं, छोटी बच्चियों के साथ गैंगरेप की वारदात में भी इस साल 13.64 फीसदी की वृद्धि हुई है। 10 साल की बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामलों में 2.79 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये खुलासा हाल ही में राजस्थान पुलिस की रिपोर्ट में हुआ है। सबसे चिंताजनक और डराने वाली बात यह है कि बच्चियों के साथ दुष्कर्म और गैंगरेप के मामले साल दर साल बढ़ते जा रहे हैं। यह खुलासा राजस्थान पुलिस की जून-2023 तक की मासिक रिपोर्ट में हुआ है। राजस्थान की तरह विपक्षी दल पश्चिमी बंगाल में महिला अत्याचारों पर मौन साधे हुए हैं। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी यह कहते हुए रो पड़ीं कि क्या इन राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों पर तभी ध्यान दिया जाएगा जब ऐसी घटनाओं को रिकॉर्ड करने वाले वीडियो वायरल होंगे। लॉकेट चटर्जी ने

दावा किया कि 3,000 से अधिक महिलाएं राहत शिविरों में हैं। पश्चिमी बंगाल में चुनाव के दौरान और उसके बाद हिंसा में 57 से अधिक लोग मारे गए। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में लोगों के एक समूह ने दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र किया और उनके साथ मारपीट की। इस मामले में मालदा पुलिस ने तीन महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया। बीजेपी ने आरोप लगाया कि बंगाल में कुछ दिन पहले दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर यातना देने के दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही। भाजपा का आरोप है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐसे मामलों में कुछ नहीं करने का फैसला किया। पश्चिम बंगाल में हावड़ा जिले के पंचला थाने के तहत दक्षिण पंचला में पीड़ित महिला का आरोप है कि पंचायत चुनाव के दिन टीएमसी के गुंडों ने उसे निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया। घटना के संबंध में पीड़िता की ओर से पंचला थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

पश्चिम बंगाल और राजस्थान की तरह बिहार में हुई हिंसा की वारदात को लेकर विपक्षी दलों ने विरोध में प्रतिक्रिया तक देना जरूरी नहीं समझा। बिहार के कटिहार में अनियमित बिजली व्यवस्था को लेकर तय कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय जन प्रतिनिधि बारसोई प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस के द्वारा की गई फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। यही घटना यदि किसी भाजपा शासित राज्य में हुई होती तो समूचा विपक्ष आसमान सिर पर उठा लेता। बिजली जैसी बुनियादी मांग को लेकर सड़कों पर उतरने पर मजबूर हुए लोगों पर पुलिस फायरिंग की वारदात पर विपक्षी दलों ने नीतिश सरकार के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला। विपक्षी दलों वाले राज्यों में भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति और महिला अत्याचारों के मामलों में मौन साधे रहने से ही भाजपा को विपक्षी एकता पर प्रहार करने का मौका मिला है।

यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी विपक्षी एकता के गठबंधन के प्रयासों को भ्रष्टाचार और अपराधों पर पर्दा डालने का गठबंधन बनाने का आरोप लगा चुके हैं। विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार के मामलों में ईडी और सीबीआई की कार्रवाई को विपक्षी दल केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर की गयी कार्रवाई होने के आरोप लगा चुके हैं। लेकिन कैंसर की तरह देश को खोखला कर रही इस समस्या के ठोस समाधान की दिशा में पहल नहीं की गई। विपक्षी दलों ने एक बार भी इसका खुलासा नहीं किया कि भ्रष्टाचार के मामलों में उसकी नीति क्या होगी। इसके विपरीत विपक्षी दलों का पूरा जोर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ गठबंधन तैयार करने का रहा है। जिसका एकमात्र उद्देश्य लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करना है, ताकि वोटों का ध्रुवीकरण रोका जा सके। देश के लिए घातक साबित हुए मुद्दों पर विपक्षी दलों ने कोई राय जाहिर नहीं की। सवाल यही है कि आखिर विपक्षी दल कब तक दोहरी नीति अपनाते रहेंगे। विपक्षी दलों पर ऐसे आरोप तब तक लगते रहेंगे जब तक भ्रष्टाचार और आपराधिक मामलों में समान नजरिया नहीं अपनाएंगे। ऐसे संवदेनशील मुद्दों पर विपक्षी दलों के गठबंधन को पारदर्शिता और समानदर्शी नीति का पालन करना होगा। सिर्फ चुनाव के लड़ने के लिए गठबंधन करने मात्र से मतदाताओं का भरोसा जीतना मुश्किल है। ऐसा नहीं करने पर भाजपा को लगातार हमला करने का मौका मिलता रहेगा।

नॉइज़ ने लॉन्च किया स्मार्ट रिंग लूना

नॉइज़ ने अपना पहला फाइटर-जेट ग्रेड टाइटेनियम बॉडी नॉइज़ लूना स्मार्ट रिंग लॉन्च किया है। यह फिलिप्स बायोसेंसिंग पर निर्भर है। यह सनलिट गोल्ड, रोज़ गोल्ड, स्टारडस्ट सिल्वर, लूनर ब्लैक और मिडनाइट ब्लैक में उपलब्ध है। 70+ मेट्रिक्स को ट्रैक करते हुए, लूना रिंग उन्नत सेंसर और मजबूत निर्माण गुणवत्ता से सुसज्जित है जो उपयोगकर्ताओं को खुद का बेहतर संस्करण बनने में मदद करती है। तीन मुख्य स्कोर - नींद, तत्परता और गतिविधि प्रदान करते हुए, इसका उद्देश्य कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान करना है जो एक परिवर्तनकारी उपयोगकर्ता यात्रा को सुविधाजनक बनाता है। यह केवल 3 मिमी मोटा है। यह काफी हल्का भी है. इसका आंतरिक आवरण हाइपोएलर्जेनिक सामग्री से बना है। इसमें इन्फ्रारेड फोटोप्लेथिस्मोग्राफी (पीपीजी) सेंसर, तापमान सेंसर और 3-एक्सिस एक्सेलेरोमीटर जैसे सेंसर शामिल हैं। इसमें वायरलेस चार्जिंग क्षमताओं वाली एक इनबिल्ट बैटरी है जो 7 दिनों तक की बैटरी लाइफ प्रदान कर सकती है। स्मार्ट रिंग में एक ऑप्टोमैकेनिकल डिज़ाइन है जिसमें 3 एलईडी और 2 पीडी हैं। नॉइज़ लूना स्मार्ट रिंग नींद, कदम, हृदय गति और रक्त ऑक्सीजन स्तर को ट्रैक कर सकती है। यह रिंग 50 मीटर गहरे पानी में भी क्षतिग्रस्त नहीं होगी। इसे हृश्वद्बह्यद्गस्वद्बह्ल ऐप का उपयोग करके एंड्रॉइड या द्बह्लस्र डिवाइस के साथ जोड़ा जा सकता है।

भारत एक स्वर में कह रहा है भ्रष्टाचार, वंशवाद, तुष्टिकरण भारत छोड़ोः मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' में भाग लेने वाले लोगों को बुधवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए इस आंदोलन को याद करते हुए कहा कि भारत अब भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ एक स्वर में बोल रहा है। मोदी ने विपक्ष पर परोक्ष रूप से ऐसे समय में निशाना साधा है जब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बुधवार को इसी तर्ज पर देशभर में कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है।

पीएम मोदी ने ट्वीट किया, ''भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि। गांधी जी के नेतृत्व में, इस आंदोलन ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई।'' उन्होंने कहा, ''आज भारत एक स्वर में कह रहा है- भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। वंशवाद भारत छोड़ो। तुष्टिकरण भारत छोड़ो।'' मोदी ने

विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का बार-बार आरोप लगाया है। पिछले दिनों एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत के दिन को ऐतिहासिक करार दिया था और कहा था कि इसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा पैदा की। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से 'भारत छोड़ो आंदोलन' की तर्ज पर 'भ्रष्टाचार-भारत छोड़ो, वंशवाद-भारत छोड़ो, तुष्टिकरण-भारत छोड़ो' अभियान चलाने का आह्वान किया था।

भारत छोड़ो आंदोलन 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के मार्गदर्शन में गोवालिया टैंक मैदान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) द्वारा शुरू किया गया था। आंदोलन का नारा था करो या मरो। राष्ट्रपिता ने अंग्रेजों से भारत छोड़ो और देश का शासन जनता पर छोड़ने के लिए कहा। हालाँकि इस आंदोलन को स्थानीय लोगों से बहुत समर्थन मिला, ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार ने ऑपरेशन ज़ीरो आवर शुरू करके जवाबी कार्रवाई की और भारत छोड़ो आंदोलन के नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। रिपोर्ट्स की मानें तो आंदोलन के दौरान करीब 1,00,000 लोगों को जेल में डाल दिया गया और करीब 1,000 लोग मारे गए। जब कोई भारत छोड़ो आंदोलन के परिणाम को समझने की कोशिश करता है तो इसका अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रभाव पड़ा। जबकि ब्रिटिश अधिकारियों ने तुरंत आंदोलन को दबा दिया, इसने भारतीयों के बीच एकता और दृढ़ संकल्प की भावना को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे देश के स्वतंत्रता संग्राम को बड़े पैमाने पर बढ़ावा मिला।

पवार कांग्रेस की वंशवादी राजनीति के कारण नहीं बन सके प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दल कांग्रेस पर एक बार फिर जबरदस्त हमला करते हुए दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार इस कारण से देश के प्रधानमंत्री नहीं बन पाये क्योंकि कांग्रेस की वंशवादी राजनीति ने ऐसा नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते मंगलवार को यह टिप्पणी ऐसे समय में की है, शरद पवार के भतीते अजित पवार उनके साथ बगावत करके पिछले महीने पार्टी के आठ अन्य विधायकों को लेकर महाराष्ट्र की भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) की सरकार में शामिल हो गये और डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस के साथ अजित पवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाया गया।

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के एनडीए सांसदों के साथ बैठक के दौरान यह भी कहा कि कांग्रेस और शरद पवार ने भाई-भतीजावाद के कारण राजनीति में कई प्रतिभाशाली लोगों को बढ़ावा नहीं मिला। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने उनके साथ गठबंधन नहीं तोड़ा है बल्कि उन्होंने भाजपा की पीठ में छुरा भोंकने का प्रयास किया है।

प्रधानमंत्री ने साल 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा और शिवसेना के बीच मची रार पर कहा , उद्धव ठाकरे की शिवसेना की ओर से बिना किसी कारण भाजपा के साथ विवाद पैदा किया गया। लेकिन हमने सबकुछ सहन किया है। कभी-कभी हमने इसे हल्के में भी लिया। एक तरफ तो आप सत्ता में रहना चाहते हैं और दूसरी तरफ आप सहयोगी की आलोचना भी करना चाहते हैं। ये दोनों चीजें भला एक साथ कैसे चल सकती हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने सीएम गद्दी पाने के स्वार्थ में भाजपा से नाता तोड़ लिया और कांग्रेस और एनसीपी के साथ महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के नाम से एक बेमेल गठबंधन कर लिया। इसके साथ उन्होंने एनडीए सांसदों से यह भी कहा कि उन्होंने सत्ता में रहते हुए गलत काम करने वालों के टिकट रद्द कर दिया और उसके बाद उन लोगों ने चुनाव प्रचार के दौरान अपनी गलतियों के लिए माफी मांगी थी। प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों से कहा कि एनडीए में उनके सहयोगी महत्वपूर्ण हैं और यहां पर सभी लोग एक साथ रहेंगे और सम्मान पाएंगे क्योंकि भाजपा कांग्रेस की तरह अहंकारी नहीं है।

भाजपा की सोच ने मणिपुर में लगाया आगः राहुल

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज चुनावी राज्य राजस्थान दौरे पर है। मानगढ़ धाम (बांसवाड़ा) में रैली करते हुए उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सोच ने मणिपुर में आग लगा दी; तीन-चार महीने से मणिपुर जल रहा है... लोग मारे जा रहे हैं, बच्चे मारे जा रहे हैं... महिलाओं से बलात्कार हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आदिवासियों को उनका हक मिले, उनके सपने पूरे हों। बांसवाड़ा की रैली में कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा का कहना है कि जो लोग जंगलों में रहते हैं वे वनवासी हैं और आप ओरिजनल (मूल) निवासी नहीं हैं... यह आदिवासियों का अपमान है। उन्होंने कहा कि वे (भाजपा) आपको वनवासी कहते हैं और फिर आपकी जमीन छीनकर अडाणी' को दे देते हैं।

अपने संबोधन की शुरूआत में राहुल ने कहा कि आदिवासियों ने अंग्रेजों से लड़ाई में हिंदुस्तान के लिए जो कुर्बानी दी, उसके लिए मैं आदिवासी समाज का दिल से धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि जब मैं छोटा था, मेरी दादी इंदिरा गांधी जी ने मुझे एक किताब दी। उस किताब का नाम %तेंदू-एक आदिवासी बच्चा% था। यह किताब एक आदिवासी बच्चे की जिंदगी के बारे में थी। जब मैनें दादी से पूछा कि- दादी, आदिवासी शब्द का मतलब क्या है? उन्होंने कहा कि- ये हिन्दुस्तान के पहले निवासी हैं। ये जो हमारी जमीन है, जिसको आज हम भारत कहते हैं; यह जमीन उन आदिवासियों की है। संसद में अपने संबोधन का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा, ''अपने भाषण में मैंने कहा कि हिंदुस्तान एक आवाज है... हर नागरिक की आवाज है... आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं और बाकी सबकी आवाज है... और जहां भी भाजपा के लोग जाते हैं हिंदुस्तान की आवाज को चुप कराने, दबाने की कोशिश करते हैं।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''मैंने संसद में बोला कि मणिपुर में भारत माता की हत्या हुई है। भाजपा की विचारधारा ने मणिपुर में भारत माता की हत्या की। वहां तीन-चार महीने से आग लगी है। अगर प्रधानमंत्री चाहें तो दो-तीन दिन में उस आग को बुझा सकते हैं। अगर प्रधानमंत्री हिंदुस्तान की सेना को कहते हैं कि इस आग को दो दिन में बुझा दो, सेना इस आग को बुझा देगी। मगर प्रधानमंत्री इस आग को जलाए रखना चाहते हैं उन्होंने ही तो बांटा है मणिपुर को। ऐसा लगता है कि मणिपुर हिंदुस्तान का भाग ही नहीं, राज्य ही नहीं। प्रधानमंत्री ने एक शब्द भी नहीं बोला।'' साथ ही राहुल गांधी ने भाजपा द्वारा आदिवासियों के लिए 'वनवासी' शब्द के उपयोग की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''वे कहते हैं कि आप आदिवासी नहीं वनवासी हैं। मतलब आप इस देश के ओरिजिनल (मूल) मालिक नहीं हैं।

मणिपुर पर हिमंत बिस्वा सरमा का विपक्ष को जवाब

पूर्वोत्तर में कांग्रेस के हाथ खून से सने हुए हैं: हिमंत

नईदिल्ली। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर में कांग्रेस के हाथ खून से सने हुए हैं और पिछले 75 वर्षों में उसके किसी भी प्रधानमंत्री ने क्षेत्र के जख्मों पर मरहम नहीं लगाया। संसद में पेश अविश्वास प्रस्ताव के दौरान कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूर्वोत्तर में तनाव की स्थिति कांग्रेस की गलत नीतियों की वजह से पैदा हुई है। उन्होंने आरोप लगाया, ''जहां तक पूर्वोत्तर का सवाल है, कांग्रेस के हाथ खून से सने हुए हैं।'' शर्मा ने दावा किया,''कांग्रेस के किसी भी प्रधानमंत्री ने पिछले 75 वर्षों में क्षेत्र के जख्मों पर मरहम नहीं लगाया।''

शर्मा ने कहा,''कांग्रेस को चिंतन करना चाहिए कि कैसे उसकी गलत नीतियों की वजह से मणिपुर जल रहा है। उन्होंने पूर्वोत्तर में एक दुखद स्थिति पैदा की।'' मणिपुर में पिछले तीन महीने से जातीय हिंसा हो रही है, जिसमें करीब 160 लोगों की जान जा चुकी है। शर्मा ने कहा, ''कांग्रेस ने पूरे पूर्वोत्तर में दुखद स्थिति उत्पन्न की। समुदायों के बीच रातोंरात लड़ाई शुरू नहीं हुई है।'' उन्होंने बताया कि मणिपुर में जातीय आधार पर झड़पें पहली बार नहीं हो रही हैं, और इससे पहले के संघर्षों में हजारों लोग मारे गए थे। उन्होंने दावा किया, मणिपुर में झड़पें 1990 के दशक से जारी हैं...मणिपुर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है और मई

की तुलना में अब स्थिति कहीं बेहतर है।

शर्मा ने यह भी कहा कि मणिपुर संघर्ष को सेना और असम राइफल्स की मदद से हल नहीं किया जा सकता है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए लोगों तक पहुंचने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस से अपील करता हूं कि वह दुनिया को गुमराह न करें। पूर्वोत्तर में जो हो रहा है उसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई को कोकराझार में हिंसा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के असम दौरे के संबंध में संसद के अंदर तथ्यों को ठीक से बताना चाहिए।

मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य वरिष्ठ नेताओं के महीनों तक चुप रहने पर शर्मा ने कहा कि कभी-कभी चुप्पी अधिक शक्तिशाली होती है। उन्होंने कहा, हम चुप रहे क्योंकि शब्दों से मणिपुर में हंगामा हो सकता था। मैं चुप रहने के लिए केंद्र सरकार का आभारी हूं। शर्मा ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के बारे में बात करते हुए दावा किया कि पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद इस डर से तेजपुर से भाग गए थे कि असम के शहर पर चीनियों का कब्जा हो जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आजादी के बाद से कांग्रेस सरकारों द्वारा अपनाई गई नीतियों के कारण बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों ने असम और पूर्वोत्तर में प्रवेश किया।

कांग्रेस ने पूर्वोत्तर की स्थिति के लिए उस पर लगाये गये आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर मंगलवार को पलटवार करते हुए उन्हें 'भाजपा की वॉशिंग मशीन का उत्पाद' बताया। शर्मा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर में कांग्रेस के हाथ खून से सने हुए हैं और पिछले 75 वर्षों में उसके किसी भी प्रधानमंत्री ने क्षेत्र के जख्मों पर मरहम नहीं लगाया। संसद में पेश अविश्वास प्रस्ताव के दौरान कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूर्वोत्तर में तनाव की स्थिति कांग्रेस की गलत नीतियों की वजह से पैदा हुई है। शर्मा पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा,असम के मुख्यमंत्री-भाजपा की वॉशिंग मशीन का उत्पाद हैं- पूर्वोत्तर में कांग्रेस के तथाकथित सभी पापों को अब गिना रहे हैं।

राहुल गांधी मानते हैं कि प्रधानमंत्री बनना उनकी बपौती है: अमित मालवीय

नयी दिल्ली। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक बार फिर अपने बहु-चर्चित अंदाज में एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। अमित मालवीय ने भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ पर राजनीति से भाई-भतीजावाद से छुटकारे का आह्वान करते हुए कहा, राहुल गांधी सोचते हैं कि प्रधानमंत्री बनना उनकी बपौती है, लेकिन वो इस बात का एहसास कभी नहीं करते हैं कि भारत की जनता उनकी इस महत्वाकांक्षा को पहले ही कई बार खारिज कर चुकी है।

अमित मालवीय ने वंशवाद की राजनीति के लिए न केवल कांग्रेस नेता राहुल गांधी बल्कि गौरव गोगोई समेत विपक्षी गठबंधन %इंडिया% की वरिष्ठ नेता सुप्रिया सुले और डिंपल यादव को भी निशाने पर लिया। जिन्होंने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चल रहे बहस के पहले दिन संसद में मोदी सरकार के खिलाफ अपनी बात रखी थी।

अमित मालवीय ने कहा, न केवल राहुल गांधी बल्कि ये सभी भी वंशवाद के कारण राजनीति में प्रासंगिक हैं क्योंकि ये सभी ताकतवर राजनीतिक परिवारों से संबंध रखते हैं और इन सभी का एकमात्र उद्देश्य केवल अपने हितों की रक्षा करना है।

भाजपा आईटी सेल के मुखिया मालवीय ने ट्वीटर पर अपनी बात करते हुए कहा, कल विपक्ष की ओर से %अविश्वास प्रस्ताव% पर बोलने वालों में दिवंगत कांग्रेस नेता और असम के पूर्व सीएम तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई, एनसीपी प्रमुख शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव शामिल थीं। ये सभी वंशवाद के कारण प्रासंगिक हैं क्योंकि ये ताकतवर राजनीतिक परिवारों से संबंधित हैं और उनका एकमात्र प्रयास अपने व्यक्तिगत हितों को साधना है। इन लोगों में भारत के कल्याण और विकास की सबसे कम चिंता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ये वंशवादी अधिक योग्य सक्षम युवा पुरुष और महिलाओं के लिए रास्ता बनाएं।

इसके साथ ही अमित मालवीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके शासन की तारीफ करते हुए कहा, इस देश को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे स्व-निर्मित नेता की जरूरत है, जो एक साधारण पृष्ठभूमि से निकले हैं। जिन्होंने अपनी मेहनत पर बड़े स्तर पर काम किया और अपने भाग्य से नहीं परिश्रम के बल पर देश के शीर्ष राजनीतिक पद पर हैं।

मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले दिन में भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ के अवसर पर विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भारत अब भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ एक स्वर में बोल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि। गांधी जी के नेतृत्व में इस आंदोलन ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाई। आज भारत एक स्वर में कह रहा है, भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। राजवंश भारत छोड़ो। तुष्टिकरण भारत छोड़ो।

फ्लाइंग किस पर महिला सांसदों ने स्पीकर से की राहुल की शिकायत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कई महिला सांसदों ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर के समक्ष शिकायत दर्ज कराई और सदन में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की ओर कथित तौर पर अनुचित इशारा करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को की गई शिकायत पर केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे और दर्शना जरदोश समेत 20 से अधिक महिला सांसदों के हस्ताक्षर हैं। शिकायत में कहा गया है कि वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने ईरानी के सदन को संबोधित करने के दौरान अभद्र व्यवहार किया और उनकी ओर अनुचित इशारा किया। उन्होंने कहा,हम सदस्य के ऐसे व्यवहार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं जिससे न केवल सदन में महिला सदस्यों की गरिमा का अपमान हुआ है बल्कि इससे सदन की गरिमा भी धूमिल हुई है। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए ईरानी ने आरोप लगाया कि इससे पहले कभी भी किसी का इस तरह का महिला विरोधी व्यवहार संसद में नहीं देखा गया। गांधी परिवार की मूल्य प्रणाली पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि क्या उन्हें कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। करंदलाजे ने कहा कि जब भाजपा सदस्यों ने उनसे ईरानी का संबोधन सुनने के लिए कहा तो उन्होंने उनकी ओर कुछ कदम बढ़ाए और फ्लाइंग किस किया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज को देखा जाना चाहिए और उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा सदस्यों ने यह भी कहा कि गांधी ने एक बार संसद में आंख मारी थी। उनके व्यवहार में कुछ गड़बड़ है। हालांकि, कांग्रेस सांसद गीता कौड़ा ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए दावा किया कि वह कभी भी महिलाओं का अपमान नहीं कर सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों का ध्यान भटकाने के लिए मुद्दों को तोड़-मरोड़कर पेश करने की भाजपा की आदत है।

राज्यसभा में तुषार गांधी को हिरासत में लिये जाने पर हुआ हंगामा

नयी दिल्ली। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने आज कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही समय के बाद उस समय हंगामा शुरू कर दिया, जब उन्हें इस बात की सूचना मिली कि महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को 'भारत छोड़ो आंदोलन' की बरसी पर कथित रूप से हिरासत में लिया गया है। विपक्षी दल इस खबर को लेकर सदन में शोर-शराबा करने लगे, जिसके कारण राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर बाद ही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा सदन के पटल पर आवश्यक दस्तावेज रखवाए जाने के बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्ष की ओर से इस मुद्दे को उठाया और सरकार से इस विषय में स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा। इसके बाद विपक्षी सदस्य इस मुद्दे को लेकर उग्र नारेबाजी करने लगे, जिसके कारण राज्यसभा को सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन को दोपहर तक के लिए स्थगित कर दिया।

राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आज जब इस सदन में 'भारत छोड़ो आंदोलन' के शहीदों को श्रद्धांजलि दी जा रही है, वहीं सुबह तुषार गांधी को 'गिरफ्तार' कर लिया गया है। कांग्रेस प्रमुख खड़गे ने कहा, ''तुषार गांधी को अगर गिरफ्तार किया जाता है तो मैं समझता हूं...।'' इस बीच मल्लिकार्जुन खड़गे को बीच में ही टोकते हुए सभापति ने उनके द्वारा इस मुद्दे को उठाने पर आपत्ति जताई।

इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने खड़गे का समर्तन करते हुए सदन में हंगामा शुरू कर दिया जिसके बाद सभापति ने 11 बज कर करीब 15 मिनट पर सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर सदन ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सम्मान में कुछ देर मौन रखा। मालूम हो कि तुषार गांधी ने आज सुबह दावा किया कि जब वो आज सुबह 'भारत छोड़ो आंदोलन' की बरसी मनाने के लिए निकले थे तो सांताक्रूज पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा, ''आजाद भारत के इतिहास में पहली बार मुझे हिरासत में लिया गया है। मैं नौ अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन' की बरसी मनाने के लिए घर से बाहर निकला था और सांताक्रूज पुलिस स्टेशन में हिरासत में ले लिया गया।'' तुषार गांधी ने कहा, ''मुझे अपने दादा-दादी महात्मा गांधी और बा पर गर्व है, जिन्हें इसी ऐतिहासिक तारीख पर अंग्रेजों ने हिरासत में लिया था।''

प्रधानमंत्री नेहरू का वो भाषण, रातोंरात खाली हो गया असम का गांव

- अमित शाह ने संसद में याद कराई 61 साल पुरानी घटना

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव का जवाब दिया। संसद के निचले सदन में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने एक बार फिर नेहरू की गलतीका जिक्र किया और मणिपुर मुद्दे को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव केवल भ्रम पैदा करने के लिए लाया गया है और कहा विपक्ष को पीएम मोदी पर भरोसा नहीं हो सकता है लेकिन भारत के लोगों को है। अपने भाषण के दौरान शाह ने कश्मीर में आतंकवाद, नक्सल प्रभावित राज्यों में उग्रवाद और मणिपुर में जातीय हिंसा के बारे में बात की। अमित शाह ने कहा कि सबसे ज्यादा धार्मिक और नस्लीय हमले अगर किसी के शासनकाल में हुए हैं तो वो जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के शासनकाल में हुए हैं। अमित शाह ने कहा कि जवाहर लाल नेहरू ने आकाशवाणी पर बाय बाय असम तक कह दिया था। हमारे जवानों ने देश को बचाया।

असम को केंद्र से नहीं मिलता इतना महत्व

तेजपुर के डेकारगांव के निवासी अतुल सैकिया ने कहा कि असम को लगभग चीन को सौंप दिया गया था जब जवाहरलाल नेहरू ने बोमडिला पर कब्जे के बाद अपने भाषण में घोषणा की थी कि मेरा दिल असम के लोगों के साथ है। 20 नवंबर, 1962 को आकाशवाणी पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में नेहरू ने कहा, विशाल चीनी सेनाएँ नेफ़ा के उत्तरी भाग में मार्च कर रही हैं। इस भाषण ने नई दिल्ली के बारे में सैकिया की धारणा बदल दी। सैकिया ने कहा कि मुझे दृढ़ता से लगता है कि अगर भारत-चीन युद्ध नहीं हुआ होता तो असम को केंद्र से इतना महत्व नहीं मिलता। बरुआ ने कहा कि वयोवृद्ध कांग्रेस नेता बेदब्रत बरुआ ने कहा कि जब नेहरू बोमडिला पर कब्जे के बाद बोल रहे थे तो लगभग रो रहे थे। मुझे याद है कि नेहरू ने लगभग रुंधे स्वर में कहा

था, मेरा दिल असम के लोगों के लिए दुखता है। लेकिन मुझे पूरा विश्वास था कि चीनी असम में प्रवेश नहीं करेंगे। यदि उन्होंने असम पर आक्रमण किया होता तो युद्ध का रुख दूसरा मोड़ ले लेता। संभवत:, अन्य देश लुटेरे चीनी सैनिकों को रोकने के लिए भारत की सहायता के लिए आए होंगे।

देश का प्रधानमंत्री इतना असहाय तो आम लोगों का क्या?

भारत चीन सीमा के काफी करीब बसा तेजपुर शहर 62 के युद्ध के वक्त डर के साए में जी रहा था। सैकिया का डेकारगांव घर अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती शहर भालुकपुंग और तवांग में मैकमोहन रेखा की ओर जाने वाली सड़क से लगभग 43 किमी दूर है। वह बरुआ जैसे कांग्रेसियों की व्याख्या से अब भी आश्वस्त नहीं हैं। स्थानीय पंचायत सदस्य सैकिया ने कहा कि पांच दशकों के बाद भी, मुझे अभी भी याद है कि कैसे लोगों को नई दिल्ली द्वारा अपमानित महसूस होना पड़ा था। तेजपुर में एक सेवानिवृत्त स्कूल शिक्षक नलिनी डेका ने कहा कि मैं तब बहुत छोटी थी। किसी ने मुझे नेहरू का भाषण समझाया। मुझे एहसास हुआ कि अगर देश का प्रधानमंत्री इतना असहाय था, तो आम लोग चीनियों के हमले का सामना कैसे कर सकते थे?

नेहरू ने अपने भाषण में क्या कहा था?

असम खतरे में हैं... हम उन्हें तकलीफ से नहीं बचा सकेंगे। इस वक्त कुछ असम के ऊपर, असम के दरवाजे पर दुश्मन है और असम खतरे में हैं। इसलिए खास तौर से हमारा दिल जाता है हमारे भाइयों, बहनों पर जो असम में रहते हैं। हमें उनसे हमदर्दी है, क्योंकि उन्हें तकलीफ उठानी पड़ रही है और शायद और भी तकलीफ उठानी पड़े। हम उनकी पूरी मदद करने की कोशिश कर रहे हैं और करेंगे लेकिन, कितनी ही मदद करें हम उन्हें तकलीफ से नहीं बचा सकेंगे। देश के प्रधानमंत्री के भाषण में जब इस तरह के वाक्य हों तो वहां की जनता का हाल क्या होगा?

ईद पर लगाएं मेहंदी के आसान लेटेस्ट डिजाइन

ईद के जश्न की तैयारी शुरू हो चुकी है और मेहंदी की बात न हो ऐसा नहीं हो सकता. ईद पर मुस्लिम महिलाएं और युवतियां अपने हाथों में खूबसूरत मेहंदी रचाती हैं. मेहंदी रचाने के लिए यहां दिए गए खूबसूरत और असान लेटेस्ट मेहंदी डिजाइन से आइडिया ले सकती हैं.

यदि आपको मेहंदी लगाना बेहद पसंद है तो ईद के मुबारक मौके पर इस तरह की डिजाइन को चुन सकती हैं. हालांकि इसे लगाने में थोड़ी मेहनत और समय दोनों ही ज्यादा लगेंगे लेकिन रचने के बाद उतने ही ज्यादा खूबसूरत भी लगेंगे.

ईद के मौके पर हाथों में मेहंदी के ये डिजाइन्स बहुत ही खूबसूरत नजर आएंगे. अरेबिक मिक्स मेहंदी के ये डिजाइन रचने के बाद हाथों की सुंदरता को कई गुना बढ़ा देंगे. ईद की तैयारियों के बीच समय निकाल कर ये डिजाइन ट्राई करें.

ये डिजाइन ज्यादातर लड़कियों को पसंद आती है. क्योंकि इसे लगाना भी बेहद आसान होता है. ईद की तैयारियों के बीच समय कम होता है ऐसे में ये लेटेस्ट डिजाइन ट्राई कर सकती हैं.

ईद स्पेशल ये मेहंदी ट्रेडिशनल लुक के साथ आपकी ईद की खुशियों को कई गुणा बढ़ाने में आपकी मदद करेंगे. मेहंदी के ये डिजाइन देखने में बहुत ही खूबसूरत लगते हैं.

फूल-पत्तियों वाले ये डिजाइन हाथों को बहुत ही स्मार्ट लुक देते हैं. ये मेहंदी डिजाइन आपके हाथों पर देख सखियां तारीफ किए बिना नहीं रह पाएंगी.

हालांकि ये डिजाइन बहुत ही खूबसूरत होने के साथ ही लगाने में थोड़ा टफ होगा और समय भी ज्यादा लगेगा ऐसे डिजाइन्स लगाते वक्त जल्दबाजी से बचें. हर उम्र की महिलाएं लगा सकती हैं.

पत्तियों वाले ये मेहंदी के डिजाइन्स हाथों पर बहुत सुंदर लगते हैं साथ ही इसे बनाने में न ज्यादा मेहनत लगती है और न ही ज्यादा समय ऐसे में ये डिजाइन ट्राई कर सकती हैं.

इस ईद के मौके पर आप मोटिफ्स वाली डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं. ये बनाने में काफी आसान होती हैं और इनसे हाथ भी भरा हुआ दिखता है.

खूबसूरत फूलों वाले मेहंदी के ये डिजाइन खास तौर पर युवतियों के हाथों पर खूब फबेंगे. इस बार ईद के मौके पर ये डिजाइन अपने हाथों पर लगाएं.

मेहंदी के ये डिजाइन हर उम्र की महिलाओं के हाथों पर बहुत ही खूबसूरत लगते हैं. उसे डिजाइन्स लगाते वक्त जल्दबाजी से बचें.

ईद पर फूल पत्तियों की इस डिजाइन वाली मेहंदी को ट्राई करें. सबसे खास बात यह है कि इसे हाथों के पीछे या सामने वाले किसी भी हिस्से पर ही लगाएं. ये बेहद खूबसूरत लगती हैं.

युवतियों व महिलाओं के लिए जरूरी समर फुटवियर

गर्मी हमारे फैशनिस्ता स्टाइल को दिखाने का एक अच्छा समय है। हालाँकि, गर्मियों के जूतों का चयन करने के लिए थोड़ा और पूर्व विचार करना आवश्यक है, क्योंकि हम गर्मियों में थोड़े अधिक सक्रिय हो जाते हैं, सर्दियों की तुलना में अधिक चलने लगते हैं और हमारे दिन के समय की सभाएँ भी बढ़ जाती हैं। इसलिए इन सभी कारणों पर विचार करते हुए, हमें अधिक आरामदायक फुटवियर की आवश्यकता होती है जो हमें पूरे दिन चला सकें और हमें कोई असुविधा न हो।

आज हम अपने अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को विशेष रूप से महिलाओं को कुछ ऐसे सुन्दर आरामदायम जूते, सैंडिल, चप्पल इत्यादि के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप आसानी से गर्मियों के मौसम पर पहन कर दिन भर भाग-दौड़ कर सकती हैं।

सैंडल

कम हील या फ्लैट सैंडल एक अद्भुत निवेश हैं जो गर्मियों के लिए एकदम सही हैं। क्लासी लुक के लिए आप सैंडल को खूबसूरत समर ड्रेस, शॉर्ट या मैक्सी या शॉर्ट्स के साथ पेयर कर सकती हैं। सैंडल खुले पैर के जूते हैं जो आपके पैरों को सांस लेने की अनुमति भी देते हैं, जिससे यह गर्मियों के लिए एक आदर्श फुटवियर बन जाता है।

बैलेरिना जूते

बैलेरिना शूज एलिगेंट लुक के साथ एक और परफेक्ट समर फुटवियर हैं। ये जूते विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छे हैं जो पैर की किसी भी समस्या से पीड़ित हैं क्योंकि वे चारों ओर से कवर कर रहे हैं। इनकी हील्स भी काफी नीची होती है, जिससे घूमना-फिरना आसान हो जाता है। बैलेरिना जूते दिन के समय उपयोग के लिए आदर्श होते हैं, चाहे आप काम पर जा रहे हों या दिन के लिए बाहर जा रहे हों।

लोफर खच्चर

लोफर खच्चर जूते की एक स्टाइलिश जोड़ी है जो गर्मियों के लिए आदर्श है। खच्चरों में एक अनोखी विशेषता होती है- वे बिना पीठ के जूते होते हैं। दूसरे शब्दों में, अगर आपकी एड़ी के पिछले हिस्से में दर्द है, तो खच्चर इसे

नहीं बढ़ाएंगे। यदि आप ऐसे जूते ढूंढ रहे हैं जो आरामदायक, स्टाइलिश और आपके पैरों के लिए अच्छे हों, तो खच्चर एक बढ़िया विकल्प हैं। वे न केवल आपके पैरों के लिए अच्छे हैं, बल्कि वे बहुत स्टाइलिश भी हैं।

स्नीकर जूते

स्नीकर्स फुटवियर का एक बहुमुखी टुकड़ा है जिसे कई गर्मियों के आउटफिट के साथ पहना जा सकता है। स्नीकर्स के साथ, आप अपने आउटफिट के लुक को तुरंत बढ़ा सकते हैं, क्योंकि वे बहुत स्टाइलिश और अधिक आरामदायक होते हैं। ये जूते बेहद बहुमुखी हैं जो आपकी पसंदीदा जींस के साथ-साथ शानदार मैक्सी ड्रेस के साथ मेल खा सकते हैं। गर्मी हो या पतझड़, स्नीकर्स किसी भी मौसम में जाने का एक अच्छा तरीका है।

स्लाइडर्स

स्लाइडर सामान्य सैंडल से अधिक लोकप्रिय हैं क्योंकि वे बहुमुखी, सुविधाजनक, ट्रेंडी और आरामदायक हैं। वे निर्विवाद रूप से सुविधाजनक हैं, क्योंकि जब आप घर के अंदर से बाहर की ओर बढ़ते हैं, तो आप उन्हें आसानी से चालू और बंद कर सकते हैं, जिससे वे गर्मियों के जूते के

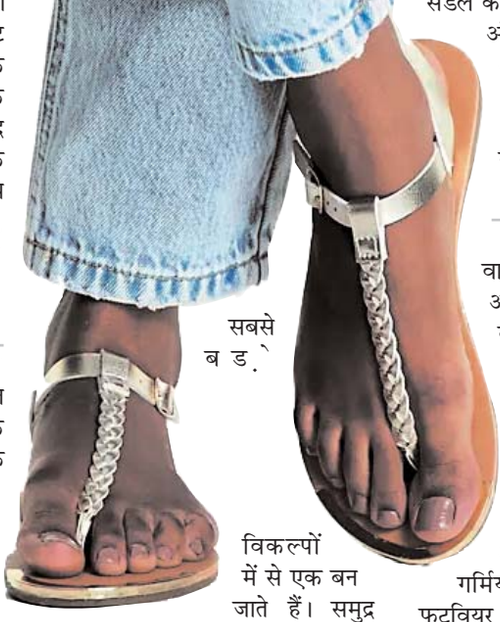

सबसे बड़े विकल्पों में से एक बन जाते हैं। समुद्र तट, स्विमिंग पूल के आसपास, सार्वजनिक परिवर्तन कक्षों में और घर के आसपास स्लाइडर्स पहनने के लिए बेहतरीन स्थान हैं।

काले पंप जूते

गर्मियों में सबसे फैशनेबल परिधानों की मांग होती है, इसलिए जरूरी जूतों की सूची में प्रतिष्ठित काले पंपों को शामिल करना असंभव नहीं है। वे एक कारण के लिए एक क्लासिक हैं। मूल रूप से, वे आपके बचाव में आएंगे जब आप यह तय नहीं कर पाएंगे कि आपको किसी पोशाक के साथ क्या पहनना चाहिए। चाहे आपने उत्तम दर्जे की पेंसिल स्कर्ट पहनी हो या बेल-बॉटम्स वाली नाइट-आउट पोशाक, वे हर चीज़ के साथ काम करती हैं। और भी साहसी शैली के लिए, उन्हें विशद रूप से मुद्रित पोशाक के साथ पहनें।

ग्लेडियेटर्स

ग्लैडिएटर्स गर्मियों के लोकप्रिय फुटवियर हैं जो ट्रेंडी, स्लीक और स्टाइलिश हैं। तथ्य यह है कि आप इन सैंडल को ऊपर या नीचे पहन सकते हैं और वे हमेशा शानदार दिखेंगे, आपके सुरुचिपूर्ण पोशाक के रूप को बढ़ाते हुए, जो उन्हें गर्मियों में पसंदीदा फुटवियर बनाता है।

टी बार सैंडल

टी-बार सैंडल फ्लैट-सोल वाले सैंडल होते हैं जिनमें टी-आकार का पट्टा होता है जो एक बकसुआ के साथ टखने के चारों ओर एक पट्टा से जुड़ा होता है। वे महिलाओं के लिए एक और व्यावहारिक, रोजमर्रा के फुटवियर विकल्प हैं जो हाल ही में चलन में हैं। ये काफी स्लीक और आकर्षक होते हैं, जो इन्हें गर्मियों के लिए आवश्यक फुटवियर में से एक बनाता है।

क्रॉक्स

क्रॉक्स एक आरामदायक जूता है जो एक आरामदायक गर्मी के दिन के लिए एकदम सही है। उनमें प्रवेश करना आसान होता है, और उनमें हमारे पैरों को फिसलने से बचाने के लिए एक सुरक्षात्मक परत शामिल होती है। आरामदायक और आरामदेह दिन के लिए क्रॉक्स को किसी भी आकस्मिक पोशाक के साथ पहना जा सकता है।

जूती

कढ़ाई वाली जूती गर्मियों के लिए खूबसूरत फुटवियर हैं, जो एथनिक आउटफिट के साथ अच्छे लगते हैं। आराम देने के लिए उनके पास चमड़े के इनसोल होते हैं।

[भविष्यफल]

मेष

आज आपका दिन बेहतर रहेगा। किसी अधूरे कार्य के पूर्ण होने से धनागम या खुशी होगी। आज आपके सामाजिक व्यवहारों में वृद्धि होगी। मध्यान के बाद सेहत के साथ साथ कार्य क्षेत्र में भी सुधार होगा। परिजनों से मधुरता बनाएँ रखे। गुस्से पर नियन्त्रण रखें।

वृष

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वभाव से चंचल रहेंगे। किसी की भी बातो को बिना तथ्य जाने सच न माने। बुरानी बीमारियों में आज थोड़ा सुधार आएगा फिर भी लापरवाही से बचें। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन सामान्य रहेगा। आय-व्यय लगभग समान ही रहेंगे। स्वास्थ्य लाभ होगा।

मिथुन

आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। विरोध करने वालो को अपनी गलती का अहसास होगा। कार्य क्षेत्र पर आज अनमने मन से ही कार्य करेंगे। धन लाभ अल्प मात्रा में होगा। संध्या के आस-पास अपने बुद्धि विवेक से कुछ रुके काम बना लेंगे जिससे निकट भविष्य में आय की संभावना बनेगी।

कर्क

आज के दिन आप अधिक परिश्रम के कारण शारीरिक शिथिलता अनुभव करेंगे लेकिन परिश्रम का सकारात्मक फल मिलने से उत्साहित भी रहेंगे। आवश्यकता अनुसार धन की आमद हो ही जाएगी। उधार दिए धन की वसूली की लिए समय उपयुक्त है .

सिंह

आज का दिन आपकी सुख शांति में वृद्धि करेगा। व्यापार व्यवसाय में आकस्मिक लाभ के सौदे मिलने से भविष्य की योजनाएं गति लेंगी। नौकरी पेशा जातको को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा जिससे सम्मान की प्राप्ति भी होगी। परिजनों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या

आज आप आध्यात्मिक उन्नति के लिए प्रयास करेंगे। आप पूरी निष्ठा एवं तैयारी के साथ अधूरे कार्य पूर्ण करने में लग जाएंगे। सहकर्मियों का सहयोग अपेक्षा से कम ही रहेगा फिर भी धन लाभ में ज्यादा व्यवधान नही आएंगे। बड़ो का आशीर्वाद फलिल होगा।

तुला

आज आप दिन का समय शांति से बिताएंगे। कोई समाचार प्राप्त हो सकता है। धार्मिक भावनाएं आज बलवती रहेंगी। धर्म के कामो में समय एवं धन व्यय करेंगे। आर्थिक रूप से आज का दिन आपके बौद्धिक एवं शारीरिक परिश्रम पर ज्यादा निर्भर करेगा।

वृश्चिक

आज के दिन मध्यान से पहले आपको कोई लाभदायक समाचार मिलेगा धन कोष में भी आकस्मिक वृद्धि होगी। कार्य व्यवसाय से दिन के पहले भाग में अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक लाभ कमा लेंगे। सरकारी कार्य आज करने से सफलता की संभावनाएं अधिक रहेंगी।

धनु

आज आप पूरी निष्ठा एवं तैयारी के साथ अधूरे कार्य पूर्ण करने में लग जाएंगे सहकर्मियों का सहयोग अपेक्षा से कम ही रहेगा फिर भी धन लाभ में ज्यादा व्यवधान नही आएंगे। व्यवसायी वर्ग नगद व्यवहार को अधिक महत्त्व देंगे। पारिवारिक वातावरण सामान्य व सम्बन्ध मधुर रहेगे।

मकर

आज के दिन आपकी महात्त्वकांक्षाये बढ़ चढ़ कर रहेंगी। कार्य व्यवसाय में जल्दबाजी न करने की सलाह है मन लगाकर कार्य करें परिणाम सुखद होंगे। आर्थिक रूप से दिन सामान्य रहेगा। मध्यान के बाद कही से अकस्मात लाभ होने की संभावना है।

कुंभ

आज आपका दिन मनोनुकूल ही रहेगा। कोई समाचार प्राप्त हो सकता है। धार्मिक भावनाएं आज बलवती रहेंगी। धर्म के कामो में समय एवं धन व्यय करेंगे। आर्थिक रूप से आज का दिन आपके बौद्धिक एवं शारीरिक परिश्रम पर ज्यादा निर्भर करेगा।

मीन

आपको आज का दिन मिला-जुला फल देगा। भाई व मित्र के सहयोग से सफलता मिलेगी। आध्यात्मिक विचारों में और वृद्धि होगी। दिन के आरंभ में आलस्य रहेगा। अतिआवश्यक एवं धन संबंधित कार्य मध्यान से पहले पूर्ण करने का प्रयास करें। कार्य क्षेत्र पर भाईचारे का ध्यान रखे।

चुटकियों में गायब हो जाएगा स्ट्रेस

ये खुशबू करेंगे आपकी मदद, जानें कैसे?

यदि आप हर समय तनावग्रस्त रहते हैं, तो अपनी चिंता को दूर करने और अपनी senses को शांत करने के लिए इन प्राकृतिक खुशबूओं को आजमा सकते हैं. वैसे तो हर कोई अपने जीवन में किसी न किसी तरह से तनाव या स्ट्रेस महसूस करता ही है. लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम स्ट्रेस के साथ डील कैसे करते हैं. तनाव को दूर करने का हमारा तरीका क्या है. अपने स्ट्रेस को मैनेज करने के लिए कई लोग मेडिटेशन की ओर रूख करते हैं तो कुछ सोना, नेचर की ओर जाना या हॉट बाथ लेना पसंद करते हैं. ऐसे ही कई लोग अपने स्ट्रेस को दूर करने के लिए खुशबू का सहारा लेते हैं और यह वाकई बहुत राहत पहुंचाता है.

स्ट्रेस को दूर करने में ये नैचुरल खुशबू किस तरह से मदद करते हैं?

इसे समझने के लिए इस बता का उत्तर दें क्या सूखी धरती पर बारिश की बूंदें गिरते ही जो गंध उठती है वह आपको मोह लेती है? आपकी टीनएज की यादें ताजा कर देती है? आप खुशी महसूस करते हैं? यदि हां, तो आपको मानने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए कि कुछ खुशबू में चंगा करने की शक्ति होती है. इसी तरह सुगंध स्ट्रेस को कम करने में कारगर होते हैं.

लैवेंडर

लैवेंडर तनाव को कम करने के लिए सबसे लोकप्रिय सुगंधों में से एक है. जब आप लैवेंडर के आसपास हों, तो आप शांत और आराम महसूस करेंगे और आपका मूड भी बेहतर हो जाता है. यही वजह है कि बेबी बाथ प्रोडक्ट में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है. लैवेंडर में मौजूद लिनलूल स्ट्रेस और ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए जिम्मेदार होता है. सोने से पहले शांत महसूस करने के लिए लैवेंडर-सुगंधित मोमबत्तियों का प्रयोग कर सकते हैं या उन्हें अपने बॉथ प्रोडक्ट में एड कर सकते हैं.

कैमोमाइल एसेंशियल ऑयल

बिस्तर पर जाने से पहले, कई लोग आराम करने और अच्छी नींद के लिए कैमोमाइल चाय पीते हैं. हालांकि, यह सुगंधित पीला फूल स्ट्रेस को दूर करने मे बहुत अधिक सक्षम है. कैमोमाइल एसेंशियल ऑयल न केवल दर्द और सूजन से राहत देता है बल्कि पेट खराब होने पर भी मदद करता है. आप अपनी त्वचा पर कैमोमाइल ऑयल लगा सकते हैं या इसे हॉट बाथ में एड कर सकते हैं.

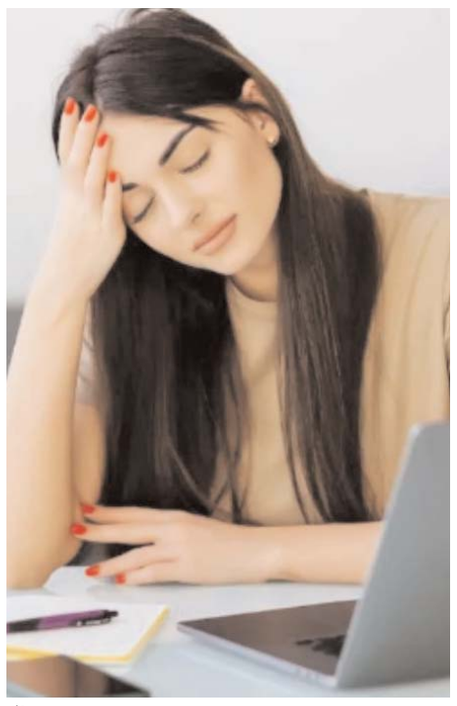

बर्गमोट एसेंशियल ऑयल

यह नींबू और संतरे का कॉम्बिनेशन है. इन फलों के छिलके का उपयोग तेल बनाने के लिए किया जाता है, जिसका उपयोग अर्ल ग्रे टी और उसकी सुगंध बनाने के लिए भी किया जाता है. बर्गमोट ऑयल का शांत प्रभाव पड़ता है और यह मूड और स्ट्रेस में सुधार करने में पूरी मदद कर सकता है. यदि आप बाहर जा रहे हैं तो एसेंशियल ऑयल को सीधे अपनी स्किन पर लगाने से बचें क्योंकि सूर्य की किरणों के संपर्क में आने से इसका स्किन पर बुरा असर पड. सकता है. स्किन पर लगाने के बजाय इसे कॉटन बॉल में लगाएं और स्ट्रेस फ्री होने के लिए दो या तीन बार खुशबू लें.

चमेली

चमेली की बढ़िया खुशबू के कारण आमतौर पर इसे इत्र में प्रयोग किया जाता है, लेकिन इसके अन्य हेल्थ बेनिफिट्स भी हैं. चमेली का तेल आपको आसानी से शांत कर सकता है. इसकी सुगंध कमरे में फैला सकते हैं.

नेरोली एसेंशियल ऑयल

नेरोली ऑयल की सुगंध आपको तुरंत स्ट्रेस फ्री करने और ताजगी से भरने में समक्ष है. इसके अलावा यह एकाग्रता बढ़ाने में सहायता करता है. आप नेरोली के तेल को धीरे से गर्म करके अपने आसपास के स्पेस पर फैला कर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

गर्मी के मौसम में कपड़ों और रंगों का चुनाव

जो दे राहत और पसीने से रखे दूर

चिलचिलाती धूप में घर से बाहर निकलना काफी मुश्किल हो जाता है। टेंपरेचर 40 डिग्री के पार जाते ही लोग सडक़ों पर तिलमिलाने लगते हैं। उत्तर भारत जैसी गर्म जगहों पर तो खुद को गर्मी से बचाए रखना और भी ज्यादा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आपको न सिर्फ कपड़ों की क्वालिटी ध्यान में रखकर उन्हें पहनना चाहिए, बल्कि रंगों का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। गर्मी के मौसम में कपड़ों का फेब्रिक और रंग दोनों ही मायने रखते हैं।

आज हम अपनी खास खबर डॉट कॉम की महिला पाठकों को कुछ ऐसे रंगों व कपड़ों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें आप आसानी से गर्मी में पहनते हुए गर्मी से स्वयं का बचाव कर सकती हैं।

पीला रंग देता है ठंडक का अहसास

पीला रंग प्रकृति की खूबसूरती को बयां करने वालार रंग है। हल्का पीला रंग आँखों को चुभता भी नहीं है और एक पवित्रता का अनुभव कराता है। इसलिए ज्यादातर लोग गर्मियों में पीले कलर के कपड़े पहनना पसन्द करते हैं। दूर से देखने पर भी यह आँखों को ठंडक देता है। आप चाहे तो इस रंग का टॉप, शर्ट, गाउन या स्कर्ट ट्राय कर सकती हैं। यह शीतलता देने वाला रंग है।

सफेद रंग है सुकून और शांति का प्रतीक

सफेद रंग की ड्रेस को आप किसी भी तरह के कपड़ों के साथ टीमअप कर सकते हैं। सफेद रंग हल्का और आरामदायक होता है। इसे पहनकर बाहर निकलने से आप काफी कूल फील करेंगी। अधिकांशत: यह रंग सबको काफी जंचता है। कह सकते हैं लडक़े और लड़कियाँ दोनों के ही बीच में यह रंग लोकप्रिय है। गर्मी हो या सर्दी, पिंक कलर के पकड़ों का ट्रेंड चलन में रहता है। पिंक कलर के कपड़े ठंडक का एहसास दिलाते हैं।

आसमानी रंग है सुकून से भरा

आसमानी रंग के कपड़े पहनने पर आपको काफी ठंडक महसूस होती है। यह रंग सुकून के साथ आसमानी खुलेपन का भी अनुभव करता है। इस रंग की आभा ऐसी है जिससे गर्मी भी कम लगती है, साथ ही देखने वाले की आँखों में यह रंग ज्यादा चुभता भी नहीं है। लडक़ों को यह रंग खास पसन्द आता है। यह रंग पसीने को सोखता भी है।

गुलाबी रंग का खास असर है प्राकृतिक प्रेम से भरा

आमतौर पर गुलाबी रंग को लड़कियों का फेवरेट कलर माना जाता है, लेकिन लडक़ों पर भी यह कलर

पसन्द किया जाता है, तो वह है लिनेन। लिनेन

गर्मी में पहनें लिनेन

कॉटन के बाद अगर कोई फैब्रिक सबसे अधिक एक बहुत ही मुलायम और ढीला बुना हुआ फैब्रिक है। यह कपड़ा काफी ब्रीदेबल होता है। गर्मियों में शरीर से निकलने वाले पसीने को लिनेन पूरी तरह सोख लेता है। ऐसे में आप गर्मियों के सीजन में लिनेन से बने आउटफिट को अपनी अलमीरा में सजा सकते हैं।

इस तरह के कपड़ों के प्रयोग से गर्मियों में बचें

गर्मी के मौसम में साटन, सिन्थेटिक, कॉलेस्टर मिक्स, नायलॉन, वेलवेट कपड़ों से इन्फेक्शन होता है, इसलिए गर्मी के मौसम में इन कपड़ों से बचें।

संक्षिप्त समाचार

चंदन यादव आज करेंगे बेमेतरा व दुर्ग जिले के पदाधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. चंदन यादव 10 अगस्त गुरुवार को सुबह 9 बजे विमानतल रायपुर पहुंचकर न्यू सर्किट हाउस के लिये रवाना होंगे। सुबह 10 बजे राजीव भवन रायपुर में बेमेतरा जिले के बेमेतरा, साजा, नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों से वन-टू-वन बैठक लेंगे एवं दोपहर 2 बजे दुर्ग जिले के दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण, पाटन, अहिवारा, वैशाली नगर एवं भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों से वन-टू-वन बैठक लेंगे। रात्रि विश्राम रायपुर में करेंगे।

संघ के वरिष्ठ प्रचारक स्व. मदन दास देवी को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे स्व. मदनदास देवी के निधन पश्चात रायपुर स्थित स्वदेशी भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में उनके मार्गदर्शन में कार्य करने वाले विद्यार्थी परिषद के पूर्व कार्यकर्ताओं सहित संघ के अनुसांगिक संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित थे। उपस्थितजनों ने उनके तैल चित्र में पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मदनदास संघ की योजना से विद्यार्थी परिषद के लिए निकले पहले प्रचारक थे।वे सीए गोल्डमेडलिस्ट थे। 1970 से 1992 तक वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे। उनकी श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय स्वमसेवक संघ के प्रांत संघ चालक डा.पूर्णेंदु सक्सेना, विद्यार्थी परिषद के पूर्व संगठन मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, पूर्व मंत्री विधायक बृजमोहन अग्रवाल, महासमुंद के पूर्व विधायक डा.विमल चोपड़ा,राजनांदगांव के विष्णु साव, प्रवीण भाई मैशैरी,मोहन पवार, ,बालोद के राकेश यादव,चंद्रहास चंद्राकर ने स्व.मदन दास जी के साथ की स्मृतियों को साझा किया।

डॉक्टरों की लापरवाही, जिंदा बच्ची को बताया मृत

रायपुर। राजधानी रायपुर में डॉक्टर्स की लापरवाही देखने को मिली है। बैरनबाजार स्थित सांई सुश्रुषा अस्पताल में डॉक्टर जिंदा बच्चियों को मरा हुआ बताया। लेकिन मृत बच्चियों के पैकिंग की समय एक बच्ची की शरीर में हलचल हुई, इससे पता चला की बच्ची अभी जिंदा है। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में बवाल खड़ा कर दिया। जानकारी के अनुसार, महिला डिलीवरी के लिए सांई सुश्रुषा अस्पताल में भर्ती हुई। बीते दिन मंगलवार की सुबह 3 बजे उसने जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया। इस दौरान हॉस्पिटल प्रबंधन ने अंजनी सारस्वत को बताया कि डिलीवरी प्री-मैच्योर है। डिलीवरी के समय एक बच्ची की मौत हो गई है। फिर कुछ देर बाद डॉक्टर्स ने दूसरी बच्ची को भी मृत बताया। इसके बाद डॉक्टर्स ने दोनों मृत बच्चियों के शव को पैकिंग करने के लिए कहा फिर पिता कफन लाये। दोनों बच्चियों के शव को पैकिंग किया जा रहा था। इस दौरान एक बच्ची के शरीर में हलचल हुई। जिसके बाद इसके बारे में डॉक्टर को बताया गया। लेकिन उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया। परिजनों के काफी दबाव बनाने पर डॉक्टरों ने बच्ची की जांच की। फिर से जांच करने पर एक बच्ची को जिंदा बताया गया। इस बात का पता चलते ही परिजनों ने हॉस्पिटल में हंगामा शुरू कर दिया। अस्पताल में परिजनों ने जमकर बवाल काटा। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों को समझाबुझाकर शांत कराया। मृत बच्ची का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा और और जिंदा बच्ची को आईसीयू में भर्ती कराया गया। परिजनों ने इस मामले में आरोपी डॉक्टर के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई को करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने विश्व आदिवासी दिवस पर बस्तर को दी विकास कार्यों की सौगात

■ **2300 कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में विश्व आदिवासी दिवस पर जिलेवासियों को 637 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 2300 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 486 करोड़ 70 लाख 76 हजार रुपये लागत के 1838 कार्यों का भूमिपूजन तथा 150 करोड़ 32 लाख रुपए लागत के 462 कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं।

इन कार्यों में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 32 करोड़ 89 लाख रुपये लागत के 198 कार्यों, नगर निगम जगदलपुर के 10 करोड़ 27 लाख 68 हजार रूपए लागत के 113 कार्यों, लोक निर्माण संभाग जगदलपुर-1 के 12 करोड़ 48 लाख 27 हजार रूपए लागत के 18 कार्यों, लोक निर्माण संभाग जगदलपुर -2 के 30 करोड़ 80 लाख 90 हजार रूपए लागत के 14 कार्यों, जनपद पंचायत बकावण्ड के 1 करोड़ 79 लाख 50 हजार रूपए लागत के 49 कार्यों, जनपद पंचायत लोहण्डीगुड़ा के 1 करोड़ 99 लाख 76 हजार रूपए लागत के 34 कार्यों, जनपद पंचायत दरभा के 61 लाख 95 हजार रूपए लागत के 14 कार्यों, जनपद पंचायत जगदलपुर के 61 लाख 96 हजार रूपए लागत के 14 कार्यों, जनपद पंचायत तोकापाल के 1 करोड़ 3 लाख 80 हजार रूपए लागत के 17 कार्यों, जनपद पंचायत बास्तानार के 1 करोड़ 18 लाख 27 हजार रूपए लागत के 20 कार्यों, जनपद पंचायत बस्तर के 2 करोड़ 47 लाख 36 हजार रूपए लागत के 56 कार्यों, जल जीवन मिशन के 220 करोड़ 78 लाख 84 हजार रूपए लागत के 150 कार्यों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के 1 करोड़ 94 लाख 10 हजार रूपए लागत के 120 कार्यों, जिला मिशन समन्वयक-समग्र शिक्षा के 5 करोड़ 23 लाख लागत के 291 कार्यों, उप संचालक उद्यानिकी के 5 करोड़ 66 लाख 72 हजार रूपए लागत के 10 कार्यों, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी के 1 करोड़ 47 लाख 89 हजार रूपए लागत के 1 कार्य, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत 25 करोड़ 22 लाख रूपए लागत के 14 कार्यों, लोक निर्माण विद्युत एवं यांत्रिकी के 1 करोड़ 3 लाख रूपए लागत के 1 कार्य, आदिवासी विकास विभाग के 10 करोड़ 23 लाख 51 हजार रूपए लागत के 4 कार्यों, जल संसाधन विभाग के 14 करोड़ 84 लाख 61 हजार रूपए लागत के 6 कार्यों, नीति आयोग मद से 12 करोड़ 22 लाख 82 हजार रूपए लागत के 10 कार्यों, शिक्षा विभाग के 37 करोड़ 46 लाख 33 हजार रूपए लागत के 490 कार्यों, क्रेडा विभाग के 29 करोड़ 83 लाख रूपए लागत के 190 कार्यों और मुख्यमंत्री की घोषणाओं के तहत 24 करोड़ 56 लाख 29 हजार रूपए लागत के 4 कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने यहां लोक निर्माण संभाग जगदलपुर-1 के 64 करोड़ 71 लाख 11 हजार रूपए लागत के 20 कार्यों, सीजीएमएसई के 1 करोड़ 67 लाख 60 हजार रूपए लागत के 8 कार्यों, लोक निर्माण संभाग जगदलपुर-2 के 9 करोड़ 44 लाख रूपए लागत के 4 कार्यों, जनपद पंचायत बकावण्ड के 5 करोड़ 6 लाख 84 हजार रूपए लागत के 122 कार्यों, जनपद पंचायत लोहण्डीगुड़ा के 2 करोड़ 20 लाख 96 हजार रूपए लागत के 29 कार्यों, जनपद पंचायत जगदलपुर के 5 करोड़ 56 लाख 34 हजार रूपए लागत के 86 कार्यों, जनपद पंचायत तोकापाल के 2 करोड़ 6 लाख 50 हजार रूपए लागत के 45 कार्यों, जनपद पंचायत बास्तानार के 20 लाख रूपए लागत के 4 कार्यों, जनपद पंचायत बस्तर के 39 लाख 50 हजार रूपए लागत के 10 कार्यों, जल जीवन मिशन के 4 करोड़ 19 लाख 55 हजार रूपए लागत के 11 कार्यों, जिला मिशन समन्वयक-समग्र शिक्षा के 18 करोड़ 50 लाख रूपए लागत के 100 कार्यों, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत 69 लाख रूपए लागत के 1 कार्य, जल संसाधन विभाग के 11 करोड़ 44 लाख 68 हजार रूपए लागत के 4 कार्यों, मनरेगा अन्तर्गत के 5 करोड़ 77 लाख रूपए लागत के 12 कार्यों और मुख्यमंत्री घोषणाओं के तहत 18 करोड़ 39 लाख 52 हजार रूपए लागत के 6 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री जगदलपुर में संसदीय सचिव रेखचंद जैन के घर पहुंचे

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुधवार को जगदलपुर के प्रवास के दौरान संसदीय सचिव रेखचन्द जैन के घर पहुंचकर संसदीय सचिव जैन और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कुछ दिन पूर्व संसदीय सचिव रेखचन्द जैन के छोटे भाई संतोष बुरड़ के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री टी. एस. सिंहदेव भी उपस्थित थे।

कांग्रेस राज में बैकफुट पर नक्सली : बघेल

■ **रमन के 15 साल में हुए फर्जी एनकाउंटर, एनएमडीसी प्लांट का ना हो निजीकरण : सीएम**

जगदलपुर। सीएम भूपेश बघेल दो दिवसीय बस्तर दौरे पर हैं। इस दौरान सीएम भूपेश बघेल ने नक्सली समस्या और एनएमडीसी प्लांट के निजीकरण को लेकर अपनी बात रखी। कांग्रेस सरकार ने लोहंडीगुड़ा में जमीन वापसी का काम किया। लघु वनोपज में खरीदी की समस्या को दूर किया। ऐसी स्थिति में लोगों की जेब में पैसा जाना शुरू हो गया। यही कारण है कि लोग मुख्यधारा में लौटे हैं। सड़क और स्कूल बन गए हैं।हाट बाजार क्लीनिक योजना के तहत लोगों का इलाज भी हो रहा है। स्वास्थ्य की मशीनें बस्तर में लग गई है। अब बस्तर के निवासी बाहरी राज्यों में इलाज के लिए जाया करते थे। लेकिन अब बाहरी राज्य के लोग बस्तर में इलाज करवाने पहुंचते हैं।

पिछली सरकारों में हुए फर्जी एनकाउंटर- सीएम भूपेश बघेल ने कांग्रेस शासन के अब तक के कार्यकाल की जानकारी देते हुए बताया कि पहले के शासन में आदिवासियों को नक्सली समझकर उन्हें गोली मार दिया जाता था। फर्जी एनकाउंटर होता था। बेकसूर आदिवासियों की गिरफ्तारी होती थी। 15 साल तक ऐसा ही हुआ।सैंकड़ों आदिवासियों को बीजेपी सरकार ने जेल में डाला था। लेकिन अब कांग्रेस के शासन में उन्हें जेल से बाहर निकाला जा रहा है।

भूपेश बघेल ने कहा पिछले पांच साल में नक्सली बैकफुट पर हैं। नक्सलियों की संख्या अब कम हो रही है। आने वाले पांच साल में नक्सली नाम मात्र के रह जाएंगे। लेकिन नक्सलियों ने लड़ाई का तरीका बदल दिया है।पहले नक्सली ब्लास्ट किया करते थे।लेकिन अब घरों में घुसकर हथियारों से हत्या कर रहे हैं।गोली मारकर भाग जाते हैं।ऐसी स्थिति में नक्सली कब तक रहेंगे ये कह पाना मुश्किल है।लेकिन नक्सलियों की ताकत पहले की तुलना में कम हो गई है।

नगरनार स्टील प्लांट निजी हाथों में ना जाए- बस्तर में बने एनएमडीसी प्लांट को लेकर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विधानसभा में यह पारित किया गया है कि एनएमडीसी प्लांट निजी हाथों में नहीं जाए। छत्तीसगढ़ सरकार एनएमडीसी प्लांट को खरीदने को तैयार है। लेकिन भारत सरकार ने जो टेंडर प्रक्रिया अपनाया है उसमें छत्तीसगढ़ सरकार को बाहर कर दिया है। बस्तर की लोगों की भावना ये है कि नगरनार एनएमडीसी प्लांट की संपत्ति सार्वजनिक क्षेत्र में ही रहे। निजी हाथों में न जाए।इसे या तो एनएमडीसी चलाएं या छत्तीसगढ़ सरकार को दें या फिर छत्तीसगढ़ में भिलाई इस्पात है। वहां अनुभवी इंजीनियर है। उनके हाथों में सौंप दें। लेकिन यह नगरनार स्टील प्लांट निजी हाथों में नहीं जानी चाहिए।

इससे पहले सीएम भूपेश बघेल ने बस्तर के ऐतिहासिक दलपत सागर के नजदीक मिलेट्स कैफे का शुभारंभ किया।इस दौरान सीएम भूपेश ने कैफे में बने व्यजनों का स्वाद चखा। भोजन का स्वाद लेने के बाद सीएम भूपेश ने कैफे में काम करने वाली महिला स्व-सहायता समूह को 5 हजार रुपए की नकद राशि भी दी।जो महिलाओं की पहली कमाई थी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने नौ उम्मीदवारों की सूची जारी की

रायपुर। मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने आगामी छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए दो मौजूदा विधायकों समेत नौ उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य में 2018 से कांग्रेस का शासन है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत पोयाम ने बताया कि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्देश पर आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की सूची मंगलवार देर रात जारी की गई, जिसमें एक महिला विधायक समेत दो मौजूदा विधायक शामिल हैं। पोयाम ने बताया कि वर्तमान विधायक केशव प्रसाद चंद्रा जो जैजैपुर (सक्ती जिला) और इंदु बंजारे जो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पामगढ़ (जांजगीर-चांपा जिला) विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं, उन्हें उनके संबंधित क्षेत्रों से चुनाव मैदान में उतारा गया है। सूची के अनुसार वरिष्ठ नेता दाऊराम रत्नाकर (मस्तूरी सीट-अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित), ओमप्रकाश बाचपेयी (नवागढ़- अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित), राधेश्याम सूर्यवंशी (जांजगीर-चांपा), डॉक्टर विनोद शर्मा (अकलतरा), श्याम टंडन (बिलाईगढ़-अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित), रामकुमार सूर्यवंशी (बेलतरा) और आनंद तिग्गा (सामरी-अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित) को पार्टी ने चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है। 2018 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। पिछले चुनाव में बसपा ने 4.27 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था तथा दो सीटें- जैजैपुर और पामगढ़ में जीत हासिल की थी, जबकि उसके गठबंधन सहयोगी जेसीसी (जे) को 7.6 प्रतिशत वोट मिले थे। पार्टी ने पांच सीटें हासिल की थीं। इस बार के चुनाव में इनमें से किसी भी दल ने अब तक गठबंधन की घोषणा नहीं की है।

अमानक खाद और बीज के मुद्दे पर भाजपा का हल्लाबोल, कलेक्टोरेट के बाहर पुलिस से झड़प

बालोद। जिले में अमानक खाद और बीज की बिक्री के विरोध में बीजेपी ने जोरदार प्रदर्शन किया।बैलगाड़ी पर सवार होकर बीजेरी कार्यकर्ता कलेक्टोरेट घेराव करने निकले।इस दौरान पुलिस ने श्री लेयर बेरिकेडिंग की थी।जिसे तोड़ते हुए बीजेपी कार्यकर्ता कलेक्टोरेट के गेट तक आ पहुंचे।इस दौरान पुलिसकर्मियों ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की। लेकिन पुलिस के इंतजाम धरे के धरे रह गए। कलेक्टोरेट में घुसने की कोशिश करने के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झूमाझटकी भी हुई। जिसमें पुलिसकर्मियों और बीजेपी कार्यकर्ताओं को चोटें भी आईं हैं।

बीजेपी का आरोप है कि प्रदेश सरकार अमानक खाद बेच रही है। किसानों को खाद के नाम पर मिट्टी थमाया जा रहा है।बीजेपी ने किसानों को खाद का पैसा वापस करने का आग्रह कलेक्टर से किया है।जिसके बाद अपर कलेक्टर शशांक पाण्डेय ने इस पूरे मामले में जांच के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

बीजेपी नेता दुर्गानंद साहू ने कहा आज भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने तीन सुरक्षा घेरे तोड़े हैं। यह स्पष्ट करती है कि सरकार के प्रति लोगों में कितना गुस्सा है। एक तरफ सरकार किसान हितैषी होने की बात कहती है तो दूसरी तरफ किसानों के साथ छलावा कर रही है।

खाद लेकर पहुंचे थे कार्यकर्ता - प्रदर्शन के दौरान बीजेपी के कार्यकर्ता अपने साथ खाद की बोरियां लेकर पहुंचे थे।इस दौरान अधिकारियों और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस हुई। जहां एक ओर प्रशासन जांच की बात कह रहा था।वहीं दूसरी ओर बीजेपी कार्यकर्ता खाद का पैसा वापस मांग रहे थे। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने श्री लेयर सुरक्षा बेरिकेडिंग की थी। लेकिन पुलिस बीजेपी के कार्यकर्ताओं को रोकने में नाकाम रही। प्रदर्शनकारी तीनो सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर तक जा पहुंचे थे।

हाइवे जाम करने से रोका, तो भाजपा नेता ने तोड़ दिया सीएसपी का अंगूठा

दुर्ग। मंगलवार को दुर्ग रायपुर नेशनल हाईवे पर सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर भाजपा ने अनोखा प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ता नेहरू नगर चौक पर पहुंचे और चौक चौराहों के गड्ढों पर भरे पानी में मछली पकड़कर प्रदर्शन करने लगे।

इस दौरान वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की। इसी दौरान एक युवा भाजपा नेता ने छावनी सीएसपी का हाथ इतना मरोड़ा कि उनका अंगूठा ही टूट गया। अब माना जा रहा है कि जल्द पुलिस इस मामले पर एफआईआर दर्ज करा सकती है। मंगलवार को दुर्ग रायपुर नेशनल हाईवे पर खराब सड़क को लेकर बीजेपी ने हल्ला बोला। बीजेपी के तमाम कार्यकर्ता और नेता नेहरू नगर चौक पर पहुंचे। जहां वे सभी सड़क के किनारे खड़े होकर पहले तो प्रदेश की भूपेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। इतने में से बीजेपी नेता सड़क किनारे गड्ढे पर भरे पानी में मछली पकड़ने लगे। पुलिस ने उन्हें रोका, तो भाजयुमो नेता पुलिस के साथ धक्का मुक्की करने लगे। इसी दौरान एक भाजपा नेता ने छावनी सीएसपी आशीष बंछोर का हाथ पकड़ कर पकड़कर मोड़ दिया। जिससे उनके हाथ का अंगूठा मुड़ने की वजह से फैक्चर हो गया। भाजपा नेताओं के खिलाफ होगी एफआईआर- भाजपा और पुलिस की धक्कामुक्की में सीएसपी छावनी आशीष बंछोर के अंगूठे में हल्का फ्रैक्चर हुआ है। घटना सुपेला थाना क्षेत्र का है, इसलिए सपेला थाने में एफआईआर दर्ज किया जा सकता है।

भिलाई नगर सीएसपी निखिल राखेचा ने भी सुपेला थाने में भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की बात कही है। मंगलवार को नेहरू नगर गुरुद्वारा के पास भाजपा ने अनोखा प्रदर्शन किया था। भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपाई इस प्रदर्शन में मौजूद थे। चक्काजाम की सूचना पर कई पुलिस अधिकारियों के साथ सीएसपी छावनी आशीष बंछोर भी दल बल के साथ नेहरू नगर चौक पहुंचे थे। धक्का मुक्की के बाद पुलिस और भाजपा नेताओं को बीच काफी देर तक बहस भी होती रही। जिसके बाद नगर निगम के अधिकारी पर मौके पर पहुंचे और जल्द सड़कों के गड्ढे भरने का भरोसा दिया।

बस्तर जिले के सभी मुख्यालयों में खुलेंगे बीएड और डीएड कॉलेज : मुख्यमंत्री

■ **शिक्षा के क्षेत्र में सीएम भूपेश बघेल की महत्वपूर्ण घोषणा**

जगदलपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में म महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बस्तर जिले के सभी जिला मुख्यालयों में बीएड और डीएड कॉलेज खोले जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने संबोधन की शुरुआत माँ दंतेश्वरी देवी को नमन करते हुए की, साथ ही आदिवासी जनजाति समुदाय के देवी-देवाताओं को भी नमन किया। विश्व आदिवासी दिवस अमर रहे नारे के साथ उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि आदिवासियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने का काम किया है। हजारों साल से जंगल से आदिवासियों का नाता रहा है। जो जंगल आज बचा है वह आदिवासी भाइयों के कारण बचा है, वही उनके साथ जीवन यापन करते हैं, उसे सुरक्षित रखते हैं। यही कारण हैं कि हम लोगों ने सर्वाधिक वन अधिकार पट्टा पूरे देश में देने का काम किया है। हमने लोगों को सामुदायिक दावा अधिमान्य पत्र दिया। वन संसाधन अधिकार भी उनको दिया है। अब तो व्यक्तिगत दावा है उसमें ऋण पुस्तिका भी बनने लगा है, उसमें लोन भी मिलने लगा है और उसमें धान की फसल बेचने का अधिकार मिला है।

अंदरुनी क्षेत्रों में अब कोई सड़क काटी नहीं जाती है, वहां भी लोग अब सड़कों की मांग कर रहे हैं। लोगों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकें इसलिए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के माध्यम से घर के पास ही लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई है। आज हम 67 प्रकार के वनोपज खरीद रहे हैं। शिक्षा की बात करें तो बस्तर में बच्चे फर्राटे से अंग्रेजी में बात कर रहे हैं और बड़े-बड़े लोग जो अंग्रेजी बोलने वाले हैं वह भी दांतो तले उंगली दबा ले रहे हैं। इस प्रकार से न केवल स्कूल बल्कि अंग्रेजी कॉलेज भी हमारे राज्य में खोले जा रहे हैं। हम सब मिलकर बस्तर जो शांति का टापू है, शस्य श्यामला है, प्राकृतिक सुंदरता से भरा हुआ है। बस्तर में साफ दिल के लोग हैं, भोले-भाले लोग हैं, मेहनतकश लोग हैं ईमानदार लोग हैं। पिछले कुछ वर्षों से जो भय का माहौल बना था, आज वह भय से उन्मुक्त होते जा रहे हैं। आज हिंसक घटनाओं में बहुत कमी आई है और उसका लाभ जनता उठा पा रही है। लोग आसानी से व्यापार-व्यवसाय कर रहे हैं, शिक्षा से, रोजगार से जुड़ रहे है और अपनी संस्कृति से जुड़ रहे हैं। जिस सुंदर बस्तर की कल्पना हमारे पुरखों ने की थी, हमारा प्रयास

आज उसे साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार दिन रात मेहनत कर रही है

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सम्भागीय मुख्यालय जगदलपुर में 100 करोड का इंडोर स्टेडियम की घोषणा की, शासकीय महाविद्यालय तोकापाल एवं लोहंडीगुड़ा में 50-50 सीटर बालक बालिका छात्रावास का निर्माण, उद्यमी विकास संस्थान गीदम रोड एवं जगदलपुर में आदिवासियों के संस्कृति के प्रतीक बुढ़ादेव गुडी निर्माण एवं मूर्ति स्थापना। भीमराव अम्बेडकर पूर्व मा.शाला बलिराम कश्यप वार्ड जगदलपुर का हाई स्कूल में उन्नयन। ग्राम बोदली से कहचेनार तक 10 कि.मी. नवीन डामर सड़क निर्माण । मुण्डागढ़ से लूलेर दलदली मलकानगिरी (ओडिसा) मार्ग लम्बाई 11 कि.मी मार्ग निर्माण। जगदलपुर में इंडोर स्टेडियम निर्माण कार्य । धरमपुरा, जगदलपुर में पुलिस थाना भवन निर्माण की स्वीकृति । आदिवासी समाज के रोजगार संवर्धन हेतु शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, डिमरापाल में स्थित 07 दुकानों को आदिवासी समाजों को आबंटित किया जाएगा। मडरीमहु- उरुकपाल-कुमाकोलेंग लम्बाई 14.50 कि.मी. मार्ग निर्माण। मडरीमहु से उसकपाल तक लम्बाई 5 कि.मी. सड़क निर्माण। अलेवाही से ककनार तक पक्की सड़क निर्माण लम्बाई 30 कि.मी. सड़क निर्माण। बालक आश्रम बुरगुम वि.ख. बास्तानार हेतु भवन निर्माण की स्वीकृति । बालक आश्रम बोदली वि.ख. लोहण्डीगुडा हेतु भवन निर्माण की स्वीकृति। जिला न्यायालय जगदलपुर चौक जगदलपुर का नामकरण भूमकाल चौक के नाम पर किया जाना। जिला बस्तर के धरमपुरा में धरमु माहरा के नाम से प्रवेश द्वार निर्माण की स्वीकृति। अवरतीह नदी में उच्च स्तरीय पुलिया निर्माण। हाई स्कूल नेतानार का हायर सेकण्डरी स्कूल में उन्नयन। शासकीय कन्या हाई स्कूल बड़े किलेपाल का हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन। मक्का प्रोसेसिंग इकाई कोकोड़ी जिला कोंडागांव का नामकरण माँ दंतेश्वरी नमक्का प्रोसेसिंग ईकाई कोकोड़ी जिला कोंडागांव किया जाना। शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय कोंडागांव का नामकरण प्रमिला देवी नाग शासकीय आदर्श महाविद्यालय कोंडागांव किया जाना। शासकीय पॉलीटेक्निक कांकेर का नामकरण घरमन देव कंडरा शासकीय पॉलीटेक्निक कांकेर किया जाना।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गोंडी, हलबी, भतरी और धुरवी बोली के लोकगीतों के संकलन का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने बादल (बस्तर नृत्य, कला एवं साहित्य अकादमी) के स्टूडियो और वेबसाइट का शुभारंभ किया। उन्होंने बादल की त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन भी किया। साथ ही कांगेर घाटी के 15 गुफाओं की जानकारी पर आधारित कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। आमी आंव बस्तरिया लोकगीत के वीडियो का भी मुख्यमंत्री ने विमोचन किया।

भाजपा बोली- कार्यकर्ताओं को डराया जा रहा ताकि मामले दबे रहें

रायपुर। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर प्रदेश के राजनीतिक दलों ने एक दूसरे को घेरा। एक दिन पहले ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कह दिया था कि रमन राज में 3 लाख आदिवासियों ने पलायन किया। 600 से अधिक गांव उजाड़ दिए गए। इसका जवाब देने बुधवार की सुबह भाजपा के प्रदेश अजजा मोर्चा अध्यक्ष विकास मरकाम ने मीडिया से बात की।

मरकाम ने कहा- आदिवासी माँ-बहनों की अस्मिता लूटी जा रही है, वहीं दूसरी ओर उन्हें मिले अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। भाजपा के 15 साल के कार्यकाल में आदिवासियों के उत्थान के लिए जो योजनायें चलायी जा रही थीं, उन्हें प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर रोक दिया है। इतना ही नहीं सरकार ने वनांचल क्षेत्र में भाजपा को कमजोर करने भाजपा कार्यकताओं की टारगेट किलिंग सहित अनेक तरीकों से प्रताड़ित करने का काम किया है।

कांग्रेस सरकार ने सुनियोजित ढंग से आदिवासी अंचल में नक्सलियों पर कमजोर कार्रवाई की और ऐसा भय का वातावरण निर्मित किया जिससे भाजपा के कार्यकर्ता भयभीत हों। कांग्रेस के लोग नहीं आदिवासियो पर हो रहे अनाचार के मामले को भाजपा जोर-शोर से उठाये। मामले दबे रहें। बस्तर में पोटाकेबिन में 6 साल की बालिका से अनाचार हो जाता है, इस मामले को भी दबाने का प्रयास किया गया। आरक्षण की मांग को लेकर प्रदेश के युवाओं को अपने वस्त्र त्यागने पड़ते हैं।

उन्होंने भाजपा शासन काल में आदिवासी हितों के लिए होने वाले कार्य गिनाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने

सन 2011 में अनुसूचित जनजाति का आरक्षण 20त्न से बढ़ा कर 32त्न किया। कांग्रेस आज भी इस मामले पर सिर्फ राजनीति कर रही है। भाजपा ने काम किया था, आदिवासियों का अधिकार दिया था। प्रति मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण दर को सन 2003 में 450 रुपए से भी बढ़कर सन 2018 में 2,500 किया गया। भाजपा की सरकार ने घनी आदिवासी आबादी वाले संभाग बस्तर और सरगुजा में नक्सल गतिविधियों पर लगाम लगाई और आदिवासी जीवन को पुनः शांति की दिशा दी। प्रयास

सीजी में कौन आदिवासियों का हितैषी

आवासीय विद्यालय खोलकर लाखों आदिवासी बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रतियोगी परीक्षा जैसे नीट और आईआईटी-जेईई की तैयारी कराई गई। कई बच्चे इन परीक्षाओं में सफल हुए है और अपने सपनों की राह पर चल पड़े हैं।

सत्ता से 9 अगस्त को पूछे गए 9 सवाल

39 हजार बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन है? अब तक दोषियों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

कांग्रेस शासन के केवल 3 वर्षों में लगभग 39,000 आदिवासी शिशुओं (मुख्य रूप से बस्तर और सरगुजा क्षेत्र के) ने अपनी जान गंवा दी और 900 गर्भवती माताओं को प्रसव के दौरान अपनी जान गवानी पड़ी, जिसका मुख्य

कांग्रेस बोली- रमन राज में 3 लाख पलायन

कारण बढ़ा हुआ रक्तचाप था। कांग्रेस राज में एनीमिया के मामले में छत्तीसगढ़ देश में पहले स्थान पर पहुंचा, परंतु उसकी रोकथाम की दिशा में कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया? छत्तीसगढ़ के दूरदराज के इलाकों में कुपोषण बहुत आम हो गया है, जिसमें मुख्य रूप से आदिवासी आबादी शामिल है, जिसका निवारण करने में कांग्रेस सरकार विफल रही है। 3. आदिवासी छात्रों के नामांकन में इतनी बड़ी कमी क्यों? कांग्रेस के शासन में राज्य में औसतन आदिवासी छात्रों के कुल नामांकन में प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख नामांकन की कमी देखी गई है। आदिवासी बच्चों के आवासीय विद्यालय जर्जर क्यों? प्रयास आवासीय विद्यालय जिन्हें आदिवासी बच्चों को उच्चतम शिक्षा प्रदान करने के लिए भाजपा सरकार द्वारा खोला गया था, आज कांग्रेस शासन के तहत जर्जर हालत में हैं, जिसके कारण छात्रों को वापस अपने गाँव लौटने पर मजबूर होना पड़ा है। तेंदूपता की कम खरीदी एवं कम भुगतान क्यों? राज्य गठन के बाद पहली बार, वर्ष 2020 और 2021 में तेंदूपत्ता संग्राहकों को बढ़ी हुई कीमतों से अधिक लाभ नहीं मिला, क्योंकि सरकार ने क्रमशः लगभग 9.7 लाख और 13 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता ही खरीदा। कांग्रेस पार्टी ने अपनी निष्क्रियता के माध्यम से 13.76 लाख परिवार जो अपनी आजीविका के प्राथमिक स्रोत के रूप में तेंदूपत्ता परनिर्भर हैं (जिनमें से अधिकांश आदिवासी परिवार है) उनसे उनकी रोजी-रोटी छीनकर गंभीर अन्याय किया है।आदिवासियों की जमीनों पर कब्जा क्यों? न केवल आदिवासियों की आजीविका के स्रोत को निशाना बनाया जा रहा है, बल्कि आदिवासियों की जमीन भी कांग्रेस नेताओं की लालची नजरों का शिकार हो गई हैं। कांग्रेस के नेताओं खिलाफ आदिवासी समुदाय के लोगों की जमीन हड़पने के मामले हैं । आदिवासियों की संस्कृति छीनकर धर्मांतरण का खेल खेलने वालो को सरकार का संरक्षण क्यों? कांग्रेस ने राज्य में, विशेषकर आदिवासी समुदाय के बीच बड़े पैमाने पर हो रहे धर्मांतरण के मुद्दे को भी नजरअंदाज कर दिया है, जो राज्य से आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को खत्म कर रहा है। 8.आदिवासी छात्रावास में बच्चियों के साथ गैंग रैप क्यों? कांग्रेस राज में लगातार छात्रावास व अन्य जगहों पर बलात्कार की घटनाएं सामने आ रही है जिसे रोकने में सरकार नाकाम रही है।

कांग्रेस सरकार ने आदिवासी समाज के साथ बड़ा धोखा किया : विष्णुदेव साय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वर्व प्रदेश अध्यक्ष द्वय विष्णुदेव साय और विक्रम उसेण्डी ने वन अधिकार पत्रों और तेंदूपत्ता संग्रहण को लेकर आदिवासियों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैए और उनके साथ हो रहे अन्याय को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा है। तथ्यों और आँकड़ों के साथ श्री साय व श्री उसेण्डी ने आरोप लगाया है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार झूठ की राजनीति करती हुई सच्चाई से बहुत दूर निकल चुकी है।

छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल राज्य है। यह भूमि आदिवासियों के गौरवशाली इतिहास के रूप में जानी जाती है। जब छत्तीसगढ़ में डेढ़ दशक तक भाजपा की सरकार रही तब आदिवासियों के हित को केंद्र में रखकर योजनाएं बनाई गई थीं। इसमें सुदूर अंचलों में बसने वाले आदिवासियों की आजीविका से लेकर उनके भोजन और यहां तक कि उनके लिए चरण पादुका तक की व्यवस्था शासन द्वारा की जाती थी। 15 साल तक अथक परिश्रम और विकास की तेज रफ्तार ने आदिवासी क्षेत्रों को विकास से जोड़ा, जिसमें हजारों किलोमीटर की

सड़कें बनीं, बिजली-पानी और पुल-पुलियों का निर्माण हुआ। आदिवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं से लेकर उच्च शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा भी उपलब्ध करवाने का कार्य किया गया।

कांग्रेस के कुशासन और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आदिवासियों को विकास की कड़ी से निकालकर अलग कर दिया है। इस सरकार ने आदिवासियों के लिए एक भी नई कारगर योजना नहीं बनाई बल्कि जो योजनाएं आदिवासियों के लिए हितकारी योजना भाजपा की सरकार लेकर आई थी, इस सरकार ने उन्हें भी बंद कर दिया। चरण पादुका योजना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

छत्तीसगढ़ के आदिवासी सदियों से वनों में निवास कर रहे हैं। हरा सोना कहे जाने वाला तेंदूपत्ता उनकी आजीविका का प्रमुख साधन है। लेकिन प्रदेश की मौजूदा कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों की आजीविका पर सीधा प्रहार किया है, तेंदूपत्ता संग्रहण की एक उत्कृष्ट व्यवस्था जो सालों मेहनत करके भाजपा की सरकार ने बनाई थी, उसे पूरी तरह बर्बाद करने का काम कांग्रेस की सरकार ने किया है।

सन 2017 में भाजपा शासनकाल में 17 लाख मानक बोरे तेंदूपत्ता का संग्रहण होता था, जिनकी नीलामी के बाद कुल 1,358 करोड रुपए वन समितियों को प्राप्त होते थे। इसके अनुसार प्रति मानक बोरा लगभग 8 हजार रूपये का होता था। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार के समय 2021 में तेंदूपत्ता संग्रहण कम होकर 13 लाख मानक बोरा हो गया और इसका भी 10.32 लाख मानक बोरा ही यह सरकार बेच पाई जिससे मात्र 704 करोड रुपए वन समितियों को मिले। इस प्रकार प्रति मानक बोरा लगभग 6,800 रुपए हुए।

ज़ कांग्रेस सरकार की कुनीतियों के चलते एक ओर तो छत्तीसगढ़ सरकार का तेंदूपत्ता से होने वाली कमाई पर बड़ा घाटा पड़ रहा है।

पीएम मोदी आज छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीजेपी सांसदों के साथ करेंगे बैठक

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीजेपी सांसदों के साथ बैठक करेंगे. इस बैठक में दोनों राज्यों के राष्ट्रीय प्रभारी भी शामिल होंगे. पीएम मोदी दोनों राज्यों में होने

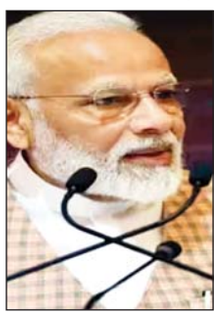

वाले विधानसभा और लोकसभा की रणनीति पर बीजेपी नेताओं के साथ रायशुमारी करेंगे. बता दें कि पीएम मोदी 31 जुलाई से भाजपा सांसदों से मिल रहे हैं. यह बैठक 10 अगस्त तक चलेगा. पीएम मोदी आज शाम 7 बजे छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीजेपी सांसदों के साथ बैठक करेंगे. इस बैठक में 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया जाएगा. दोनों प्रदेश के राष्ट्रीय प्रभारी भी बैठक में शामिल होंगे. जिसमें विधानसभा और लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा होगी. बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 जुलाई से भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों से मिल रहे हैं. 10 अगस्त तक चलने वाली इन बैठकों में 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया जाएगा. इसके लिए भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक के लिए एनडीए सांसदों के 10 समूह बनाए हैं.

कांग्रेस सरकार ने आदिवासी समाज को धोखा दिया: लता उसेंडी

- छत्तीसगढ़ में चेहरा दिखाने से क्यों बच रहे हैं राहुल गांधी
- कांग्रेस ने षड्यंत्र कर आदिवासी आरक्षण कम कराया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा छत्तीसगढ़ की पूर्व मंत्री लता उसेंडी ने कहा कि राहुल गांधी छत्तीसगढ़ में चेहरा दिखाने से क्यों बच रहे हैं?वे छत्तीसगढ़ आने से क्यों कतराते हैं। राहुल गांधी दिल्ली में बैठकर आदिवासियों के मुद्दे पर अपनी सरकार की पीठ थपथपाने की बजाय यह बताएं कि वह आदिवासियों के बारे में जानते कितना है और यह भी बताएं कि उनकी सरकार जब आदिवासियों पर पौने पांच साल से जुल्म ढा रही है, सुनियोजित षड्यंत्र कर आदिवासी आरक्षण कम कराया गया, अदालत में ठीक से पक्ष नहीं रखा तो भी राहुल चुप रहे। छत्तीसगढ़ में आदिवासी महिलाओं से लेकर अबोध बच्चियों तक से दुराचार हो रहा है। आदिवासी महिलाएं मानव तस्करी का शिकार हो रही हैं। छत्तीसगढ़ में आदिवासी अपनी संस्कृति को बचाने के लिए कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ आंदोलित हैं और यह सरकार आदिवासियों को जेल में ठूंस रही है। सरकार के संरक्षण में आदिवासियों का दमन हो रहा है आदिवासी समाजसेवियों की टारगेट किलिंग की जा रही है। आदिवासी चेतना के संचार के लिए बस्तर से लेकर मोहला मानपुर तक जब भाजपा के आदिवासी कार्यकर्ता समाज के बीच काम करते हैं तो उन्हें रोका जाता है। सरेआम धमकी दी जाती है कि भाजपा के लोग इलाके में आएं तो उन्हें काटकर फेंक दें। ऐसी धमकियां कांग्रेस के विधायक की मौजूदगी में दी जाती हैं तो राहुल गांधी को यह बताना चाहिए कि क्या उन्होंने इसके लिए निर्देशित किया है?भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी ने कहा कि भूपेश बघेल सरकार की तारीफ करने वाले राहुल गांधी को आदिवासियों को जवाब देना चाहिए कि छत्तीसगढ़ में सरेआम सुनियोजित रूप से धर्मांतरण किसके इशारे पर हो रहा है? किसके संरक्षण में हो रहा है और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिल्ली जाकर पादरियों के सामने समर्पण क्यों करते हैं? कांग्रेस ने आदिवासियों का हमेशा से शोषण किया है। उन्हें राहुल गांधी के पुरखे केवल मनोरंजन का साधन समझा करते थे। राहुल गांधी दिल्ली में बैठकर भूपेश बघेल का यश गान करने की बजाय छत्तीसगढ़ आकर आदिवासियों की दुर्दशा देखें। लेकिन पिछले चुनाव में राहुल गांधी ने जितने भी वादे छत्तीसगढ़ की जनता और खास तौर पर आदिवासियों से किये थे, वे सब हवा में उड़ गए। छत्तीसगढ़ की जनता राहुल से जवाब मांग रही है। वे जनता का सामना करने की स्थिति में नहीं हैं इसलिए उनकी कांग्रेस खोजो यात्रा भी छत्तीसगढ़ नहीं आई और प्रस्तावित यात्रा भी छत्तीसगढ़ नहीं आने वाली। राहुल दूर रहकर न करें बात, छत्तीसगढ़ आ जाएं।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भाजपा आदिवासी सम्मान की बात न करें: दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपाईयों के मुंह से आदिवासियों के हित की बात आदिवासी समाज के जले पर नमक छिड़कने के समान है, जो भाजपा विश्व आदिवासी दिवस के दिन अपने आदिवासी

अध्यक्ष को अपमानपूर्वक पद से हटा देती है। जिस भाजपा में प्रदेश के वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय को घुटन महसूस हो रही थी, वह भाजपा किस नैतिकता से आदिवासी सम्मान की बात कर रही है।15 साल के रमन भाजपा शासनकाल के दौरान आदिवासी वर्ग पर अत्याचार हुआ है, शोषण हुआ है, निर्दोष आदिवासियों को जेल में बंद किया गया है। 15 साल में हजारों आदिवासी अपने पैतृक स्थान को छोड़कर पलायन करने मजबूर हुए हैं, दर्जनों गांव उस दौरान वीरान हुआ है। भाजपा कल भी आदिवासी विरोधी थी, आज भी आदिवासी विरोधी है इसलिए अपने राजनीतिक हवस को पूरा करने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष झूठ बोल रहे है। एसपी की शहादत, कलेक्टर का अपहरण, सारकेगुड़ा, एड़समेटा, पेद्दागेलूर की घटना, मिडिल स्कूल के छात्र सोनकू और बिजलू की हत्या, मदनवाड़ा की घटना, झालियामारी में नाबालिक बच्चियों से बलात्कार, मीना खलको, मड़कम हिड़मे से सामूहिक दुष्कर्म और हत्या, आज भी छत्तीसगढ की जनता भूली नहीं है। कांग्रेस सरकार में तो न्याय मिल रहा है, फर्जी प्रकरणों में सैकड़ो निर्दोष आदिवासियों की रिहाई हुई है।

भाजपा के बड़े से लेकर छोटे नेता गुंडागर्दी कर रहे हैं : धनंजय

रायपुर। भाजपा नेताओं के द्वारा पुलिस के अधिकारी कर्मचारियों के साथ कि गई गुंडागर्दी अभद्रता की निंदा करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव से पूछा क्या अमित शाह के साथ रात में बैठक

करके भाजपा ने प्रदेश के पुलिस के अधिकारी कर्मचारियों के साथ गुंडागर्दी, अभद्रता, गाली-गलौज करने कि रणनीति बनाई है? प्रदेश की शांत धरा को अशांत करने का षड्यंत्र रचा है? आंदोलन की आड़ में जिस प्रकार से पूरे प्रदेश में भाजपा के बड़े से लेकर छोटे नेता गुंडागर्दी कर रहे हैं यह भाजपा के हताशा में होने का प्रमाण है । आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारी हार दिख रही है इसलिए भाजपा नेता तिलमला रहे हैं। भाजपा विधायक रंजना साहू महिला पुलिस अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार कर रही है अपशब्दों का प्रयोग कर रही है जो बेहद निंदनीय है जगदलपुर में केदार कश्यप ने सुरक्षा में लगे जवानों के साथ धक्का-मुक्की किया उनको धमकाया भिलाई में भाजपा के नेताओं ने सीएसपी के ऊपर हमला किया उनके अंगूठा तोड़ दिया।क्या भाजपा अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को इसी प्रकार से संस्कार देते हैं ट्रेनिंग देते हैं।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि असल मायने में भाजपा को आंदोलन का मतलब ही नहीं मालूम आंदोलन की आड़ में बीजेपी दंगा फसाद करती है सरकारी संपत्तियों पर तोड़फोड़ करवाती है आम जनता को डराती और धमकाती है भाजपा के संस्कार में हिंसा प्रथम है।

भाजपा अपना ट्रेक रिकॉर्ड देखे : आनंद शुक्ला

रायपुर । प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने भाजपा के आरोपों को बकवास बताते हुए कहा है कि उन्हें 15 साल तक छत्तीसगढ़ की बेटियों की चिंता तब क्यों नहीं हुई, जब रमन राज में झलियामारी कांड

होते थे, मीना खलको कांड होते थे, गर्भाशय कांड होते थे, तत्कालीन मुख्यमंत्री का ओएसडी मासूम बच्ची को बंधक बनाकर दुष्कर्म कर रहा था। कांग्रेस की सरकार में छत्तीसगढ़ की महिलाएं सर्वाधिक सुरक्षित हैं। महिलाओं पर अपराध के मामलों में कमी आई है तो भाजपा की महिला नेता इस पर कांग्रेस सरकार की सराहना करें कि कांग्रेस ने महिलाओं को सुरक्षा दी है। एक भी अपराधी बच नहीं सकता। भाजपा की सरकार के समय तो अपराधी पकड़े ही नहीं जाते थे। उन्हें संरक्षण मिलता था।प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सरकार के समय महिलाओं पर होने वाले अपराध के आंकड़ों और भाजपा की सरकार जाने के बाद कांग्रेस सरकार के साढ़े चार साल के आंकड़ों को उठाकर देखने का कष्ट उठाये बिना भाजपा की महिला नेता कुछ भी बयानबाजी कर रही हैं। आंकड़ों को झुठला देना भाजपा की फितरत में है। भाजपा एक-एक झूठ को हजार बार बोलकर सच साबित करने की कोशिश करती है लेकिन सच आखिर सच होता है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के मुकाबले भाजपा कहीं नहीं : सुरेंद्र वर्मा

रायपुर। डेढ़ महीने के भीतर प्रधानमंत्री मोदी के संभावित दूसरे दौर और गृह मंत्री अमित शाह के तीन-तीन बार छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर तंज कसते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि दरअसल भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व

भी यह मान चुका है कि भाजपा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के मुकाबले में कहीं पर नहीं है। 15 साल वादाखिलाफी और कुशासन के बाद 2018 के चुनाव में 90 में 15 सीटों पर आने वाली भाजपा के अब तो छत्तीसगढ़ में कुल 13 ही विधायक बचे हैं। विगत 4 वर्ष में चार प्रदेश अध्यक्ष बदले, 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान धरमलाल कौशिक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हुआ करते थे। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार का ठीकरा फोड़ते हुए धरमलाल कौशिक को अध्यक्ष पद से हटाया फिर वे नेता प्रतिपक्ष बनाए गए। ढाई साल में ही धरमलाल कौशिक नेता प्रतिपक्ष से भी हटा दिए गए और उनके स्थान पर सबसे निष्क्रिय विधायक नारायण चंदेल को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी गई। धरमलाल कौशिक के बाद बस्तर के आदिवासी नेता विक्रम उसेंडी को भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष बनाया और साल भर के भीतर ही उनको भी हटाकर विष्णुदेव साय को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए। विक्रम उसेंडी और विष्णु देव साय अपनी कार्यकारिणी भी नहीं बना पाए थे, उन्हें बेइज्जत करके बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। विष्णु देव साय को तो विश्व आदिवासी दिवस के दिन ही अध्यक्ष पद से बेदखल किया गया।

मानसून हुआ कमजोर थम गई बारिश

रायपुर। जुलाई में हुई अच्छी बारिश के बाद अब अगस्त के पहले सप्ताह में छत्?तीसगढ़ में मानसून सिस्टम कमजोर पड़ गया है। इसके चलते बारिश भी थम सी गई है और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। विभाग का कहना है कि कम से कम सप्ताह भर तो कम बारिश कम ही होगी। फिलहाल अरब सागर से काफी मात्रा में नमी आ रही है, इसके प्रभाव से ही बादल छा रहे है और कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश हो रही है। मंगलवार को रायपुर सहित प्रदेश भर में हल्के बाद छाए रहे, इसके साथ ही कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबादी हुई। रायपुर का अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।मौसम विज्ञानियों का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है। छत्?तीसगढ़ में मौसम का मिजाज अभी ऐसा ही बने रहने की उम्मीद है। मालूम हो कि प्रदेश में पांच अगस्त तक 616.1 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य वर्षा की तुलना में तीन फीसद कम है। इसके साथ ही प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा बीजापुर में 1074.6 मिमी वर्षा हुई है और सरगुजा में सबसे कम 327.9 मिमी वर्षा हुई है। रायपुर में 775.2 मिमी वर्षा हुई है,जो सामान्य से 36 फीसद ज्यादा है। मौसम विभाग के महानिदेशक एम मोहपात्रा ने बताया कि मानसून अब कमजोर चरण में आ चुका है। मानसून के एक्टिव फेज के अब वीक फेज की उम्मीद है।

कांग्रेस राज में अपराधियों के हौसले बुलंद: लक्ष्मी वर्मा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा ने कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद पौने 5 वर्ष से लगातार महिला उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं। प्रदेश में इन दिनों लगातार महिला अपराध की घटनाओं ने देश में छत्तीसगढ़ को छठवें पायदान पर ला दिया है।

बुधवार को आहूत प्रेस ब्रीफ में पत्रकारों से चर्चा करती हुईं श्रीमती वर्मा ने कहा कि राजधानी रायपुर से लगे ग्राम टेकारी में एक महिला को मारकर तालाब में फेंक दिया जाता है, जिसकी पहचान के लिए पुलिस को शिनाख्त तक करनी पड़ती है। सुकमा के पोटाकेबिन स्थित बालिका छात्रावास में एक छोटी बच्ची के साथ

सामूहिक दुराचार की घटना ने हाल ही प्रदेश को शर्मसार किया है। इसके दूसरे दिन बाद ही दंतेवाड़ा में एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना होती है। राजधानी रायपुर में युवक ने एक युवती को जला दिया, जिसकी मृत्यु 8 दिन बाद हॉस्पिटल में हो गई। कोंडागांव में एक युवती के साथ दुराचार होने के बाद जब वह युवती थाने में रिपोर्ट लिखवाने जाती है तो पुलिस द्वारा भी उसे प्रताड़ित किया जाता है और रिपोर्ट नहीं लिखी जाती। इसके चलते युवती ने ग्लानिवश आत्महत्या कर ली। उक्त घटना की जानकारी तब हुई, जब दुराचार की शिकार युवती के पिता ने भी आत्महत्या करने की कोशिश की। इसी तरह जांजगीर में भी एक वृद्ध महिला के साथ दुराचार करने के बाद उनके साथ निर्भया जैसी घटना की गई। राजनांदगांव में भी एक कांग्रेसी नेता ने महिला के साथ दुराचार किया, चिरमिरी में कांग्रेसी नेता ने मिलकर एक युवती के साथ सामूहिक दुराचार की घटना को अंजाम दिया।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती वर्मा ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस शासनकाल में पुलिस प्रशासन का भय अपराधियों के मन से पूरी तरह समाप्त हो गया है। या कहें तो अपराधियों को सरकारी संरक्षण प्राप्त है जिसके कारण वह बेखौफ होकर इस तरह की घटनाओं को अंजाम देकर खुलेआम घूम रहे हैं। श्रीमती वर्मा ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में महिला अपराध की घटनाओं को रोकने कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई, जिसके कारण प्रदेश में महिला अपराध की घटनाएं बढ़ीं। प्रदेश की कानून-व्यवस्था भी अपराधियों के इशारों पर कम कर रही है। श्रीमती वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की इन अत्याचारों से महिलाएं परेशान हैं।

खराब सड़कों की ठेकेदार से कराएं मरम्मत: साहू

रायपुर । मानसून में लगातार खराब हो रही सड़कों को लेकर एक समीक्षा बैठक में लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू भड़क गए। सड़कों के टूटने की लगातार सामने आ रही घटनाओं को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि सड़क पांच वर्ष से कम की अवधि की है, तो उसे तत्काल ठेकेदार के माध्यम से मरम्मत कराएं। यदि सड़क का निर्माण हुए पांच वर्ष से ज्यादा हो गए हैं तो उसकी मरम्मत के लिए नए प्रस्ताव भेजें।

महासमुंद जिले में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक लेते हुए मंत्री ताम्रध्वज साहू ने सड़कों की खराब स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की। जिले के प्रभारी मंत्री साहू ने कहा कि मंदिरों एवं पर्यटन स्थलों में साफ सफाई रखें,

उनका रख-रखाव ठीक हो। पर्यटन स्थल तक जाने वाली सड़क, सुरक्षा, टायलेट, पानी और ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक में सभी अधिकारी पहुंचे यह सुनिश्चित किया जाए। यदि अधिकारी बैठक में नहीं आते तो उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करें। जनप्रतिनिधियों की बातों को सुने और नियमानुसार कार्रवाई करें। बैठक में संसदीय सचिव व महासमुंद विधायक विनोद चंद्राकर, संसदीय सचिव व खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव, सरायपाली विधायक किस्मत लाल नंद, बसना विधायक देवेंद्र बहादुर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल, कलेक्टर प्रभात मलिक, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह उपस्थित थे। सुराजी गांव योजना की समीक्षा में प्रभारी मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि गौठानों का दौरा करें और उसे मॉडल के रूप में विकसित करने में मार्गदर्शन और सहयोग दें, ताकि लोग भी देखने जाए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.